सुप्रभात
रांची, गुरुवार
16.11.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net कार्तिक, शुक्ल पक्ष, तृतीया संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 124

तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड

विराट ने आईसीसी विश्व कप 2023 के पहले सेमीफाइनल मैच में ये मुकाम हासिल किया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ये मैच खेला जा रहा है। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा के 47 रनों के निजी स्कोर पर आउट होने के बाद विराट नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए आये। उन्होंने पहले शुभमन गिल और फिर श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर अपनी पारी को आगे बढ़ाया।

न्यूज डायरी

दिल्ली-दरभंगा एक्स. की तीन बोगियों में आग

नयी दिल्ली। नई दिल्ली से दरभंगा जा रही नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन एक्सप्रेस गाड़ी का नंबर 02570 की तीन बोगियों में आग लग गयी। जिसमें ढाई सौ यात्रियों का सारा सामान जलकर खाक हो गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

उरी में दो पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गये

जम्मू-कश्मीर। भारतीय सेना ने मंगलवार देर रात नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ की कोशिश कर रहे दो पाकिस्तानी आतंकी को मार गिराया है।

पीएम की सुरक्षा में चूक, तीन सस्पेंड

रांची। राजधानी में पीएम की सुरक्षा में चूक के बाद तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। पीएम के कारकेड में एक महिला अचानक घुस गयी। इस कारण पीएम की गाड़ी को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। इसके बाद स्थानीय पुलिस की टीम ने महिला को हिरासत में ले लिया है।

रांची से बाड़मेर पहुंचे मोदी कांग्रेस पर कसा तंज

बाड़मेर। झारखंड की दो दिनी यात्रा के बाद बुधवार को पीएम मोदी ने राजस्थान के बाड़मेर पहुंचे। यहां एक चुनावी सभा में पीएम ने कहा, कांग्रेस का पंजा पता नहीं कहां कहां जाकर लूट करता है और इसकी कहीं भी हाथ मारने की आदत हो गयी है। कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण की राजनीति करने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। पीएम ने कहा-मैं घरों में नल कनेक्शन देने के लिए पैसा भेजता हूं, कांग्रेस के लोग पानी जैसे पुण्य काम में भी पैसे कमाने का काम करते हैं। कहीं भी हाथ मारने की पंजे की आदत हो गयी है। उन्होंने कहा कि गरीब को धोखा देने वाली कांग्रेस को सरकार में रहने का कोई हक नहीं है।

छग में आखिरी चरण का चुनाव प्रचार समाप्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के दूसरे एवं आखिरी चरण की 70 विधानसभा सीटों पर बुधवार शाम पांच बजे प्रचार थम गया। प्रचार आम तौर पर शान्तिपूर्ण रहा और प्रचार के आखिरी दिन भी दोनो मुख्य दलों कांग्रेस एवं भाजपा के दिग्गज नेताओं ने सभाएं कर माहौल अपने पक्ष में बनाने की कोशिश की।

बाबर ने छोड़ी टेस्ट, वनडे और टी-20 की कप्तानी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब एक और बड़ा झटका लगा। दरअसल, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टेस्ट, वनडे और टी-20 की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। उनके तीनों फॉर्मेट से इस्तीफा देने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में भूचाल सा आ गया है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	57,000 रु./10 ग्राम
चांदी	:	74,000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

कोहली ने 50वां शतक जड़कर बनाया विराट रिकॉर्ड, बने दुनिया के नंबर 1 बल्लेबाज

न्यूजीलैंड से लिया बदला, भारत फाइनल में

एजेंसी

मुंबई। इंडियन क्रिकेट टीम के स्टार अनुभवी बल्लेबाज कोहली ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वनडे में 50वां शतक जड़ विराट रिकार्ड अपने नाम कर लिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले सेमीफाइनल में कोहली ने वनडे करियर का 50वां शतक लगाकर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। अब वो 50 शतकों के साथ वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में शतकों का अर्धशतक लगा दिया है। वो वनडे फॉर्मेट में 50 शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज हैं। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। सचिन के नाम वनडे क्रिकेट में 49 शतक दर्ज थे। कोहली ने अपने नाम 50 शतक कर लिया।

105 गेंदों में शतक : विराट ने 56 गेंदों में 4 चौकों की मदद से पहले अपने 50 रन पूरे किये। इसके बाद कोहली ने आक्रमक अंदाज में बल्लेबाजी कर अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 105 गेंदों में 8 चौके और 1 छक्के की मदद से अपना 50वां शतक पूरा कर लिया।

धोनी से किया वादा रोहित सेना ने पूरा किया

मुंबई। बधाई हो... भारत वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही न्यूजीलैंड के हाथों पिछले वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला बुधवार को यहां ले लिया। रोहित सेना ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से वादा किया था था कि आपको मिली हार का बदला जरूर चुकायेंगे। जिसे इस विश्व कप में पूरा किया। न्यूजीलैंड को पहले सेमीफाइनल में 70 रन से हराते हुए खिताबी मुकाबले का टिकट कटा लिया। भारत से मिले 398 के लक्ष्य के सामने न्यूजीलैंड की टीम ने लंबी लड़ाई के बाद घुटने टेक दिये। भारत ने बड़ा लक्ष्य दिया तो फैंस को उम्मीद कि कीवी रनों के पहाड़ के नीचे दब जायेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। डेरिल मिचेल (119 गेंदों में 9 चौके और 7 छक्के के दम पर 134 रन) लड़े और क्या खूब लड़े। भारत ने विराट कोहली के 50वें शतक और श्रेयस अय्यर की तूफानी संेचुरी के दम पर 4 विकेट पर 397 रन बनाये थे। न्यूजीलैंड की टीम 48.5 विकेट पर 327 रन बना सकी।

अनुष्का की आंखों में खुशी के आंसू

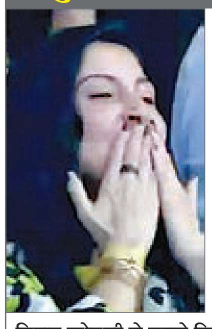

यूं तो क्रिकेट के मैदान का लुत्फ बेहतरीन खेल से आता है, लेकिन कभी कभी ऐसे मौके आते हैं जब परंपराएं टूट जाती हैं और कुछ ऐसा अलबेला हो जाता है कि वो खास लम्हे क्रिकेट प्रेमियों के दिलों पर हमेशा के लिए यादों की बस्ती में जा बसते हैं। ऐसा ही कुछ नजारा बुधवार को मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में देखने को मिला, जब विश्व कप के पहले सेमीफाइनल के दौरान विराट कोहली ने वनडे क्रिकेट का 50वां शतक जड़ा। स्टैंड में बैठी अनुष्का की आंखों में खुशी के आंसू छलक आये। विराट ने पहले फ्लाइंग किस दिया, जिसके जवाब में अनुष्का ने भी फ्लाइंग किस दिया। पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। ये पल इस कद्र हसीन था कि जहां मैदान में विराट और अनुष्का के फैन्स झूम उठे, वहीं मैदान से बाहर भी इस मैच को लाइव देख रहे करोड़ों फैन्स ने इसपर अपनी मुहब्बत न्योछावर कर दी।

खूंटी से पीएम मोदी ने शुरू की विकसित भारत संकल्प यात्रा, कहा

उलिहातू से दिये विकसित भारत बनाने के 4 अमृत मंत्र

- 50 हजार करोड़ की योजनाएं देश को समर्पित
- उलिहातू की मिट्टी का लगाया तिलक
- लगातार आगे बढ़ रहा है झारखंड
- झारखंड आने पर गर्व महसूस होता है

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पीएम मोदी ने बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली खूंटी के उलिहातू में कहा कि मुझे झारखंड आने पर गर्व महसूस होता है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती पर उन्होंने उलिहातू से 26 जनवरी तक चलनेवाली 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' और प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी महान्याय अभियान 'पीएम जन मन' की शुरूआत की। साथ ही 50 हजार करोड़ रुपये की योजनाएं देश को समर्पित की। पीजीटीवी के लिए 24,000 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक योजना की शुरुआत की। पीएम ने प्रधानमंत्री किसान योजना की 15वीं किस्त की 18 हजार करोड़ रुपए की राशि भी जारी की। रांची के बिरसा मुंडा म्यूजियम और उलिहातू में बिरसा मुंडा के गांव में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके परिजनों से मिले। उलिहातू की मिट्टी का उन्होंने तिलक लगा कर नमन किया। बाद में खूंटी में विशाल जनसभा को संबोधित किया। पीएम कहा कि अगले 25 सालों के कालखंड को विकास का अमृत काल के रूप में निर्धारित किया है और इसके लिए चार अमृत स्तंभ तय किये हैं। उन्होंने महिलाओं, किसानों-पशुपालकों, नौजवानों और मध्यम-गरीब वर्ग को चार स्तंभ बताते हुए कहा कि इन चारों को हम जितना मजबूत करेंगे, विकास की इमारत उतनी ही ऊंची होगी। इससे पूर्व खूंटी पहुंचने पर राज्यपाल, सीएम हेमंत सोरेन, अर्जुन मुंडा समेत कई नेताओं ने उनका स्वागत किया।

झारखंड लगातार आगे बढ़ रहा है : पीएम ने कहा कि झारखंड लगातार विकास कर रहा है। देश के कई राज्यों के साथ ही झारखंड ने भी कई ऐसे प्रयास किये हैं जो देश में अग्रणी हैं। झारखंड आज रेलवे के क्षेत्र में 100 फीसदी विद्युतीकरण करने वाला राज्य बन गया है। पीएम ने कहा कि मुझे झारखंड आने पर गर्व महसूस होता है। क्योंकि आयुष्मान भारत योजना की शुरूआत झारखंड से हुई है, जो मुझे यहां आने के लिए प्रेरित करता है। झारखंड के पावन धरती से आज फिर 15 नवंबर को दो ऐतिहासिक अभियानों की शुरूआत होने जा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने का, सशक्त माध्यम बनेगा। पीएम आदिवासी न्याय महाअभियान विलुप्त होने के कगार पर खड़ी जनजातीय को आगे बढ़ायेगी। जिनको अब तक प्रिमिटिव टाइप के तौर पर जानते हैं उनको मजबूत किया जायेगा। (शेष पेज 11 पर)

धरती आबा की संघर्षगाथा प्रेरणास्रोत

देशवासियों को जनजातीय गौरव दिवस की बधाई देते हुए मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की संघर्ष गाथा हर देशवासी को प्रेरणा से भर देती है। तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, नीलाबंर-पीतांबर, फूलो-झानो जैसे अनेक वीर-वीरांगनाओं ने देश का गौरव बढ़ाया है। देश का कोई ऐसा कोना नहीं है, जहां आदिवासी नायकों ने ब्रिटिश साम्राज्य से लोहा नहीं लिया। देश इनका आज भी ऋणी है। आजादी के बाद ऐसे वीर-वीरांगनाओं के साथ न्याय नहीं हुआ। अमृत महोत्सव के दौरान हमने ऐसे वीर-वीरांगनाओं को याद किया और उनकी स्मृतियों को जन-जन तक पहुंचाया।

क्या हैं पीएम मोदी के वो चार मंत्र

पीएम मोदी ने कहा कि मुझे देश में विकास को समझते हुए दो दशक पूरे हो गये हैं। आज मैं भगवान बिरसा मुंडा की इस धरती से विकास के लिए एक मंत्र आपके बीच रखना चाह रहा हूं, अगर भारत के भाग्य को बदलना है और विकास की दिव्य इमारत का निर्माण करना है तो उसके चार अमृत स्तंभों को और मजबूत करना होगा। ये चार अमृत मंत्र हैं, नारी शक्ति और माता बहनों का विकास पहला अमृत स्तंभ है। देश का दूसरा अमृत स्तंभ हमारे भारत के किसान हैं। विकास का तीसरा अमृत स्तंभ भारत के नौजवान देश की युवा शक्ति है। अमृत स्तंभ मध्यम वर्ग यानी मिडिल क्लास है।

स्थापना दिवस पर दिया करोड़ों का तोहफा, बेरोजगारों को ऑफर लेटर

हर चेहरे पर दिखे खुशी, शहीदों के सपनों का बना रहे झारखंड : हेमंत

- विकास के प्रति दृढ़ संकल्पित होकर करें कार्य : राज्यपाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य के 24 वें स्थापना दिवस पर हेमंत सरकार ने राज्यवासियों को करोड़ों रुपये की सौगात दी। साथ ही, कई नयी योजनाओं को लॉन्च किया। सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी अभियान सरकार आपकी योजनाए आपकी सरकार, आपके द्वार के तीसरे चरण का शुभारंभ किया। सीएम हेमंत सोरेन ने इस मौके पर 1714.44 करोड़ रुपये की कुल 229 योजनाओं का उद्घाटन व 5328.30 करोड़ रुपये की कुल 677 योजनाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर राजपाल सीपी राधाकृष्णन और शिबू सोरेन भी मौजूद थे। इस मौके पर राज्यपाल कहा कि झारखंड के विकास के लिए हम सब मिलकर दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करें और यही भगवान बिरसा मुंडा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर सीएम ने कहा कि अलग राज्य के लिए बलिदान देनेवालों के सपनों का झारखंड बना रहे हैं। हमारी सरकार समाज के दबे कुचले आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, महिला, युवाओं तथा किसानों व मजदूरों सभी के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

राज्यपाल ने गिनायी उपलब्धियां गिनायी : मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि झारखंड की धरती पर जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही जो कार्य किया उससे दुनिया उन्हें सदैव याद करते रहेगी। पीएम मोदी ने उलिहातू जाकर भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली को नमन किया।

वे देश के प्रथम पीएम हैं जिन्होंने धरती आबा की जन्मस्थली को नमन कर जनजातियों के कल्याणार्थ 24 हजार करोड़ की योजना की घोषणा की। राज्यपाल ने क हा कि झारखंड अब 24वें वर्ष में पहुंच चुका है। झारखंड के विकास के लिए भाषागत, जातिगत एवं संप्रदाय की भावना से उठकर विकास के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

झारखंड में रेलवे का शत प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। वंदे भारत ट्रेनों का परिचालन हो चुका है। जल जीवन मिशन के तहत पेय जलापूर्ति का कार्य लगातार किया जा रहा है। राज्य के संसाधनों का समुचित उपयोग करने से निश्चित रूप से गरीबी हटेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षा के विकास के कार्यों को उन्होंने करीब से देखा है। चीफ मिनिस्टर स्कूल ऑफ एक्सीलेंस एवं एकलव्य स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के व्यापक कार्य किये गये हैं। गुरुजी स्टूडेंट् क्रेडिट कार्ड स्कीम एवं मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना शुरू की गयी है। सरकार के द्वारा रोजगार के लिए नयी नीति बनी है, उसमें निजी कंपनियों के लिये 75 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना अनिवार्य किया गया है। बिरसा योजना के तहत युवाओं को सूचीबद्ध प्रशिक्षण प्रदाताओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्ति के उपरांत 3 माह के अंदर नियोजित नहीं होने की स्थिति में वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। (शेष पेज 11 पर)

इन योजनाओं की हुई लांचिंग

राज्य स्थापना दिवस पर योजनाओं और पॉलिसी को लॉन्च किया। सरकार की ओर से झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी 2023, झारखंड एमएसएमई प्रमोशन पॉलिसी 2023, झारखंड निर्यात पॉलिसी 2023 और झारखंड आईटी, डाटा सेंटर व बीपीओ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023, अबुआ आवास योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना को लॉन्च किया।

बेरोजगारों को दिया गया ऑफर लेटर : राज्य स्थापना दिवस पर सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए 5,55,652 किशोरियों को 261 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण किया गया। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 70 खिलाड़ियों के बीच लगभग 2 करोड़ पुरस्कार राशि का वितरण किया गया। वहीं श्रम विभाग द्वारा आयोजित रोजगार मेला में 18,034 हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर सौंपा गया।

20 साल से अधिक सेवा दे चुके अब बनेंगे हेडमास्टर

- भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर गुरुजी को राज्य सरकार का तोहफा

सुधीर

रांची। राज्य के सरकारी स्कूलों में 20 साल से अधिक सेवा दे चुके गुरुजी अब सीधे हेडमास्टर बनेंगे। वहीं, 2012 से 2016 में नियुक्त स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक अपनी सेवा के 10 वर्षों के बाद ही हेडमास्टर बन जायेंगे। राज्य की हेमंत सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती सह राज्य स्थापना दिवस के मौके पर गुरुजी को तोहफा दिया है।

सरकार के इस निर्णय से राज्य के 35 हजार शिक्षकों को पहली बार जी (गुरु जी) से साहब (हेडमास्टर साहब) बनने का मौका मिलेगा। इसे लेकर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव के रवि कुमार ने राज्य के सभी जिलों के डीसी के साथ-साथ डीएसई को पत्र लिखा है। सरकार के इस आदेश के बाद अब प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति के लिए शिक्षकों को स्नातक प्रशिक्षित पद पर पांच वर्षों की सेवा पूरी करने की बाध्यता नहीं रहेगी। (शेष पेज 11 पर)

क्या कहता है संघ

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि विभाग की ओर से लिया गया यह निर्णय स्वागत योग्य है। विभाग के इस निर्णय से शीघ्र ही अब राज्य के मध्य विद्यालयों को हेडमास्टर मिल जायेंगे।

आदिवासियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा पीएम का खूंटी दौरा : हेमंत

हमारे हितों की रक्षा जरूरी, नहीं तो खत्म हो जायेगी एक सभ्यता

- हेमंत बोले आदिवासी होने पर मुझे गर्व है
- भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों से मिले मुख्यमंत्री
- धरती आबा के गांव उलिहातू में पीएम का राज्यपाल, सीएम ने किया स्वागत

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची/खूंटी। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि पीएम मोदी का खूंटी दौरा आदिवासियों के लिये मिल का पत्थर साबित होगा। श्री सोरेन बुधवार को खूंटी के कॉलेज मैदान में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पीएम का बिरसा मुंडा की जन्म स्थली उलिहातु आना और कार्यक्रम का आयोजन पूरे देश को जोड़ेगा। उलिहातू की इस पावन भूमि में आप पहली बार आये हैं, आशा और उम्मीद है कि आज के कार्यक्रम से आदिवासी समाज आगे बढ़ेगा। आपका जो संदेश होगा, वह आदिवासियों के लिए मँल का पत्थर साबित होगा। हेमंत सोरेन ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ता रहा है। (शेष पेज 11 पर)

सरना धर्मकोड पर निर्णय का आग्रह

हेमंत सोरेन ने कहा, प्रधानमंत्रीजी, मैं, आदिवासी राज्य का मुख्यमंत्री होने के नाते ना सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे देश के आदिवासियों की तरफ से, आदिवासी धर्म कोड की चिर प्रतीक्षित मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह करता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके सहयोग से आने वाले दिनों में आदिवासी सहित समाज के लोगों का गौरव के साथ कल्याण सुनिश्चित हो पायेगा।

डोडा में बस गहरी खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत

- राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने जताया शोक, मदद का ऐलान

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। डोडा जिले के त्रुंगल अस्सर में बुधवार सुबह एक बस दुर्घटनाग्रस्त में 36 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 22 अन्य घायल हो गये। बस किश्तवाड़ से जम्मू जा रही थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। वहीं, पीएम मोदी ने मृतकों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। साथ ही घायलों को 50 हजार रुपये दिये जायेंगे।

घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत बचाव अभियान चलाकर घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों के लिए पीएमएन आरएफ से दो लाख और घायलों को 50 हजार की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

जम्मू-कश्मीर

जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार के मुताबिक, डोडा जिले में यात्रियों से भरी एक बस बुधवार को सड़क से फिसलकर 300 फीट गहरी खाई में गिर गयी। अधिकारियों ने कहा कि बस में लगभग 60 यात्री सवार थे। ये हादसा तब हुआ, जब बस बटोटे-किश्तवाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रही थी और अचानक अनियंत्रित होकर त्रुंगल-अस्सार के पास सड़क से फिसल गयी और 300 फीट नीचे गिर गयी। इसके बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गयी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रांची और खूंटी दौरे को भाजपा ने बताया हितकारी, कांग्रेस ने इसे सियासी चाल कहा

पीएम ने देशवासियों को त्योहारों का ब्याज सहित उपहार दिया : भाजपा

भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं का जताया आभार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पीएम नमो ने भाई बहनों को त्योहारों का ब्याज सहित उपहार दिया है। श्री मरांडी ने कहा कि भगवान बिरसा जयंती, राज्य स्थापना दिवस, जनजाति गौरव दिवस, भाई दूज, सोहराई पर्व पर झारखंड में उपहारों की बौछार हुई। उन्होंने कहा कि झारखंड के भाई बहन जनजाति समाज, किसान मजदूर के लिए 15 नवंबर का दिन खुशियों की सौगात लेकर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड की जनता को सभी पर्वों का एक साथ ब्याज सहित उपहार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भगवान बिरसा के जन्मस्थान उलिहातु आना, झारखंड के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज के लिए पीएम जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान, पीएम जनमन में आदिवासियों के लिए सम्मान और उनकी मूलभूत समस्याओं का समाधान दोनों समाहित है। उन्होंने कहा कि 24 हजार करोड़ की यह परियोजना वंचित और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की धरती से परियोजना की शुरूआत राज्य के लिए गौरव की बात है। इसके पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झारखंड के जनजाति समाज को समर्पित रहा।

भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी तथा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनवाने में ताकत लगायी। ठंड में पर्व त्योहारों के बीच लाखों लोगों को 10 जिलों से खूंटी पहुंचाना यह कुशल संगठनात्मक संरचना का ही परिणाम है। प्रदेश के तीन महामंत्री सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा एवं बालमुकुंद सहाय शामिल हैं, ने प्रदेश अध्यक्ष की योजनाओं को धरातल पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है हमारा देश : अर्जुन मुंडा

खूंटी/रांची। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि हम देश के विकास के लिए और खास तौर से जनजातियों के विकास के लिए लगातार हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भागवान पर बिरसा मुंडा की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झारखंड आना बताता है कि हम इस समाज के विकास के लिए आगे लगातार काम करते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम भारत को विकसित देश बनाएंगे। आदिवासियों के विकास के लिए हम लोग लगातार योजनाएं चला रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 के पहले आदिवासी कल्याण मंत्रालय का बजट इतना भी नहीं होता था कि बहुत कुछ किया जा सके, लेकिन अब देश के लिए काम करने वाले इस मंत्रालय के पास बड़ा बजट है। हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

उलिहातू में मंच का भगवाकरण करने आये थे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : कांग्रेस

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड स्थापना दिवस और बिरसा मुंडा की जयंती पर पीएम मोदी के झारखंड दौरे को लेकर सियासत तेज हो गयी है। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेस कर पीएम मोदी पर हमला बोला है। राजेश ठाकुर ने आरोप लगाया कि बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने के बहाने खूंटी के उलिहातू में मंच का भगवाकरण किया गया। पीएम मोदी पांच राज्यों के चुनाव में आदिवासी वोट का ध्रुवीकरण के लिए खूंटी आये थे।

पीएम नहीं, भाजपा नेता के रूप में झारखंड आये नरेंद्र मोदी: राजेश ठाकुर ने कहा कि बाबूलाल मरांडी अभी भी विधानसभा में भाजपा के सदस्य नहीं हैं लेकिन उन्हें भाजपा अध्यक्ष के तौर पर जगह दी जाती है इससे यह स्पष्ट होता है कि नरेंद्र मोदी झारखंड में बतौर पीएम नहीं, भारतीय जनता पार्टी के नेता के रूप में आये थे।

पीएम से रॉयल्टी का पैसा देने की मांग की : प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पीएम मोदी एक तरफ बिरसा मुंडा जिस जेल में थे, वहां जाकर उनको श्रद्धांजलि देते हैं। वहीं दूसरी तरफ बिरसा मुंडा को चाहने वाले, उनकी राह पर चलने वाले और जल जंगल जमीन की रक्षा करने वाले राज्य के मुख्यमंत्री को जेल की सलाखों के पीछे भेजने का षड्यंत्र रचते हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पीएम मोदी से रॉयल्टी का 1 लाख 40 हजार करोड देने की मांग की।

सरना धर्म कोड लागू करने की मांग की : मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि पीएम मोदी जब भी आते हैं, तब नयी घोषणा करके चले जाते हैं। 2017 में अमित शाह आये थे। उस समय उन्होंने शहीद ग्राम विकास योजना की शुरूआत करने की बात कही थी लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। विधायक दल के नेता ने पीएम मोदी से आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड लागू करने की मांग की। कहा कि झारखंड सरकार ने विधानसभा से सरना कोड पारित करके राज्यपाल को भेजा है। अगर आप झारखंड की जनता की भलाई चाहते हैं तो सरना कोड लागू करें।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड की जनता पूछ रही है कि आप किस हैसियत से बाबूलाल को मंच पर बैठाये? बाबूलाल की तरह झारखंड में 81 विधायक हैं, उन्हें मंच पर क्यों नहीं जगह दी गयी? कहा कि अगर बाबूलाल को मंच पर जगह देनी थी तो जनजातीय आयोग में सदस्य बनाकर देते। तब हमें आपत्ति नहीं होती।

जब भी चुनाव आता है, मोदी वोटरों को करते हैं प्रभावित : आलमगीर आलम ने कहा कि पीएम मोदी ने 25 हजार करोड़ अनुसूचित जनजाति को लुभाने का जो काम किया है, यह कब तक पूरा होगा यह कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि जब भी चुनाव होता है तो नरेंद्र मोदी पड़ोसी राज्यों में जाकर वोटरों को प्रभावित करने का काम करते हैं। केंद्र की यह सरकार सिर्फ घोषणा करती है।

एचइसी मुद्दे को नजरअंदाज किया : शशि भूषण राय

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि शशि भूषण राय ने कहा कि उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री एचइसी के पुनरुत्थान के लिए कुछ पैकेज की घोषणा करेंगे। लेकिन पीएम की ओर से ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। ज्वलंत मुद्दों को नजरअंदाज किया गया। नई परियोजनाओं की शुरूआत जरूरी है पर जो विरासत में मिली है उसे भी संभालना जिम्मेवारी है। केंद्र की भाजपा सरकार इस जिम्मेवारी से पीछे हट रही है।

खबर एक नजर में

सीएम हेमंत सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर किया माल्यार्पण

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर रांची के कोकर स्थित समाधि स्थल में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। धरती आबा की प्रेरणा से राज्य को विकसित करने की बात कही।

जम्मू में बस दुर्घटना पर राज्यपाल ने जताया शोक

रांची। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बस दुर्घटना में अनेक यात्रियों की दिवंगत होने की खबर से मन व्यथित है। मैं शोक-संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सिल्ली में ₹11 करोड़ की लागत से बनेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

राज्य योजना मद से 17 लाख 30 हजार रुपये आवंटित

रांची। झारखंड की ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करने की कवायद में राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग प्रयास में जुटा हुआ है। इसी कड़ी में रांची जिले के सिल्ली में 11 करोड़ रुपए से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण किया जाएगा। वित्त वर्ष 2023-24 में एनएचएम और राज्य योजना मद से 17 लाख 30 हजार रुपए का आवंटन किया गया है। आवंटित राशि की निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी रांची सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार होंगे, जबकि संपूर्ण राशि के नियंत्री पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह होंगे। राशि की निकासी रांची कोषागार से होगी। निर्देश दिया गया है कि क्वालिटी जांच के बाद ही राशि का भुगतान होगा।

झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने उत्तरकाशी में बचाव अभियान की ली जानकारी

रांची। झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को उत्तरकाशी के जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक रोहिला से मुलाकात कर उनसे प्रारंभ से हो रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की पूरी जानकारी ली। उन्होंने बताया कि कल रात से जो रेस्क्यू की प्रक्रिया चल रही थी उसमें रुकावट आयी है। मशीन खराब हो गयी है। साथ ही, पत्थर आ जाने के कारण रेस्क्यू करने में रुकावट हुई है। इस कारण एयरलिफ्ट कर पाइपलाइन एवं मशीन मंगाया जा रहा है। जिला प्रशासन भी सक्रियता पूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश कर रही है। झारखंड के पदाधिकारियों द्वारा 7-8 किलोमीटर की दूरी पर एक प्रवासी नियंत्रण कक्ष, होटल अनंतम ब्रम्हखाल, उत्तरकाशी में खोल दिया गया है। ताकि श्रमिकों या उनके शुभचिंतकों को कोई भी जानकारी तुरंत उपलब्ध कराई जा सके।

प्रधानमंत्री ने सीसीएल के केडीएच-पूर्णाडीह कोल हैंडलिंग प्लांट का किया शिलान्यास

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में केडीएच-पूर्णाडीह कोल हैंडलिंग प्लांट का कल खूंटी से ऑनलाइन शिलान्यास किया। इसके निर्माण पर 442 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस एतिहासिक क्षण पर सीसीएल के सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल खूंटी पर उपस्थित थे। शिलान्यास स्थल पर सीसीएल के निदेशक तकनीकी राम बाबू प्रसाद, निदेशक तकनीकी बी साईराम, महाप्रबंधक संजय कुमार के अलावा अधिकारी, यूनियन प्रतिनिधि, सीआईएसएफ के अधिकारी आदि मौजूद थे। मालूम हो कि भारत सरकार के पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान के सिद्धांत को सीसीएल में समाहित कर कोयला परिवहन में मेकेनाइज्ड फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जा रहा है। फर्स्ट माइल रेल कनेक्टिविटी की दिशा में केडीएच-पूणार्डीह कोल हैंडलिंग प्लांट एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। इसके तहत सीसीएल के केडीएच और पूर्णाडीह कोयला खदानों से उत्पादित कोयले को निकटतम रेलवे सर्किट तक ले जाने की व्यवस्था की जायेगी। वहां से इसे देश भर के ताप विद्युत संयंत्रों और अन्य उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा। वर्तमान में इन खानों से कोयला टिपर द्वारा सड़क मार्ग से केडीएच रेलवे साइडिंग तक लाया जाता है। इस संयत्र में रिसीविंग हॉपर, क्रशर, 15 हजार टन क्षमता के कोयला भंडारण बंकर और कन्वेयर बेल्ट सम्मिलित हैं। इनकी सहायता से कोयले को 4000 टन भंडारण क्षमता के साइलो बंकर द्वारा रेलवे वैगनों में स्थानांतरित किया जाएगा। 7.5 मिलियन टन प्रति वर्ष क्षमता की इस परियोजना की लागत 442 करोड़ रुपये है। यह एक क्लोज्ड-लूप, पूर्ण यंत्रीकृत प्रणाली है। यह सड़क द्वारा परिवहन को समाप्त करके कोयले के प्रेषण में तेजी और दक्षता लाएगी। डीजल की खपत कम होगी। इस परियोजना के आरंभ होने पर धूल और वाहन जनित उत्सर्जन कम होगा, जिससे क्षेत्र के पर्यावरण में गुणात्मक सुधार होगा। परियोजना का निर्माण लगभग दो वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है।

भगवान बिरसा मुंडा के साहस और संघर्ष को आत्मसात करना ही सच्ची श्रद्धांजलि : सुदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा सदैव हमारे प्रेरणा के स्रोत बने रहेंगे। बिरसा मुंडा का सम्पूर्ण जीवन राज्य की संपदा जल, जंगल व जमीन की सुरक्षा के लिए समर्पित रहा। राज्य की पहचान यहां की जनजातीय सभ्यता और संस्कृति है। प्रदेश के युवाओं को बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए आगे बढ़ने की आवश्यकता है। बिरसा मुंडा के विचारों को, उनके साहस, संघर्ष को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उक्त बातें पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर सिल्ली में आयोजित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के दौरान कही।

झारखंड पवेलियन में राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड को समृद्ध बनाने का संकल्प लिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

नयी दिल्ली/रांची। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारतीय अंतरराष्ट्रीय मेले लगे झारखंड पेवेलियन में झारखंड राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उद्योग निदेशक झारखंड भोर सिंह यादव, संयुक्त निदेशक उद्योग विभाग प्रणव कुमार पाल, उप निदेशक उद्योग एसआर पासवान, सहायक निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग डॉ असीम कुमार ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर उद्योग निदेशक भोर सिंह यादव ने सभी को राज्य स्थापना दिवस, भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए यह संकल्प लेने का दिन है कि हम किस प्रकार झारखंड राज्य को और विकसित और समृद्ध बनायें।

जेएसएससी की अपील- नियुक्ति के झांसे में एडमिट कार्ड और रुपया न गंवायें अभ्यर्थी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की प्रतियोगी परीक्षाओं में नियुक्ति के नाम पर ठगी की बातें लगातार सामने आ रही है। इसे लेकर जेएसएससी ने चिंता जाहिर की है। आयोग ने इस मामले में परीक्षार्थियों को बचने की भी सलाह दी है। आयोग के सचिव ने इस संबंध में सूचना जारी कर बताया है कि ऐसी अफवाह सुनने को मिली है कि कुछ तत्व प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करने वाले विभिन्न आयोगों और संगठनों के परीक्षार्थियों को नियुक्ति का धोखा देते हैं। उनके एडमिट कार्ड सहित मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र और धोखाधड़ी से पैसे भी ठग लेते हैं। ऐसे में आयोग के परीक्षार्थी और उनके अभिभावक सचेत रहें। जेएसएससी की ओर से आयोजित होने वाली परीक्षाओं में ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने से लेकर रिजल्ट तैयार करने तक की सारी प्रक्रिया अनुभवी आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से करायी जाती है। किस परीक्षा केंद्र पर किस विषय की परीक्षा होगी? किस परीक्षार्थी का कौन सा सेंटर होगा? परीक्षा प्रश्नों के चयन का एक्सपर्ट कौन होगा? प्रश्न कौन सा होगा और उनका उत्तर क्या होगा सहित अन्य बिंदुओं तथा परीक्षा की समाप्ति तक कोई भी जानकारी आयोग के पदाधिकारी और कर्मी को नहीं होती। अगर कोई आयोग या आउटसोर्सिंग एजेंसी के नाम पर मदद करने के नाम पर सर्टिफिकेट या पैसे की मांग करे तो आयोग को जानकारी दें। आयोग के ई- मेल पर विस्तृत जानकारी के साथ शिकायत भेजें, ताकि धोखाधड़ी करने वाले के खिलाफ एफआईआर के साथ-साथ जरूरी कदम उठाये जा सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया ओजस्वी भाषण, आदिवासियों के गढ़ से भरी चुनावी हुंकार, कहा

मैंने अंतिम व्यक्ति का नमक खाया है, ऋण चुकाने आया हूं...

कुबेर सिंह

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरे में खूंटी में 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुबह-सुबह रांची में भगवान बिरसा मुंडा मेमोरियल पार्क सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का दौरा किया। मोदी ने आइआइएम रांची और ट्रिपल आइटी के भवनों का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया। मोदी ने अपने ओजस्वी भाषण से न सिर्फ झारखंड वासियों को सौगात दी, बल्कि नमक खाने से लेकर ऋण चुकाने की बात कहकर चुनावी हुंकार भी भर दी है।

कोई बिचौलिया नहीं, किसानों का सीधा नाता मोदी के साथः पीएम मोदी ने कहा कि कोई बिचौलिया नहीं, किसानों का सीधा नाता मोदी के साथ रहता है।

दो करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बना कर रहूंगा

पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड की बेटियां खेल में नाम कमा रही हैं। इससे हमारा सीना चौड़ा हो रहा है। यह वर्ष महिलाओं बेटियों का है। दो करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बना कर रहूंगा। यह भाई बहनों की हर बाधा दूर करता रहेगा। उनके लिए उनका भाई हमेशा खड़ा रहेगा।

किसानों, गरीबों, युवाओं को मोदी की गारंटी

पीएम मोदी ने कहा कि मैं वह दिन देखना चाहता हूं जब हर गरीब के पास राशन कार्ड होगा। सभी के पास बिजली होगी। पांच लाख का मुफ्त इलाज कराया जाएगा। किसानों, गरीबों, युवाओं को मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी मतलब गारंटी पूरा होने की भी गारंटी। मोदी हिम्मत कर निकला है आदिवासी न्याय अभियान को लेकर। आदिवासियों को हमेशा नजर अंदाज किया।

आदिवासी जिलों को आकांक्षी जिला घोषित किया : मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने अंतिम व्यक्ति का नमक खाया है। आज भगवान बिरसा की धरती पर ऋण चुकाने आया हूं। मक्खन पर लकीर तो सभी कोई खींच सकता है। कोई पत्थर पर तो लकीर खींचे। पिछड़े जिलों का ठप्पा लगाकर छोड़ दिया था। इनमें अधिसंख्य आदिवासी जिले। अपने हाल पर छोड़ दिया था। हमारी सरकार ने इस जिलों को आकांक्षी जिलों के रूप में घोषित कर विकसित किया।

अटल जी ने आदिवासियों का नया मंत्रालय बनाया था

पीएम मोदी ने कहा कि अटल जी ने आदिवासियों के लिए नया मंत्रालय बनाया था। मैने बजट छह गुना बढ़ाया। पहली की सरकारों ने अपने फायदों के लिए सिर्फ आंकड़ों को जोड़ने का काम किया। हमें तो सभी के जीवन को जोड़ना है। इस अभियान के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को आभार प्रकट करता हूं। उनकी प्रेरणा से इस महा आभियान आदिवासी न्याय अभियान में सफल होंगे।

पूर्व की सरकार खुद को जनता का माई-बाप समझती थी

पीएम मोदी ने हेमंत सोरेन के सामने ही पूर्व की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्ष में 4 स्तंभों पर जितना कार्य हुआ उतना कभी नहीं। पांच वर्ष में 13 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम सेवा करने के लिए आए हैं। बड़ी आबादी मूलभूत सुविधाओं से वंचित थी। पूर्व की सरकार खुद को माई बाप समझती थी। हमने सेवक बनकर काम शुरू किया। सरकार खुद चलकर उनके पास पहुंची। मलाई खानेवालों में सारे रसूखदार होते थे। उनकी सरकार में पहुंच रहती थी। मूल सुविधाओं से वांची लोगों का ध्यान देनेवाला कोई नहीं था। मोदी ने उनकी सुध ली। विभूतियों को देश आज भी ऋणी है। दुर्भाग्य है कि इनके प्रति न्याय नहीं हुआ। झारखंड आना पुरानी स्मृतियों को याद करने का मुझे अवसर भी प्रदान करता है। यहीं से आयुष्मान भारत योजना की मैने शुरूआत की थी।

पीएम ने भारत संकल्प यात्रा वैन को दिखायी हरी झंडी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा 22 नवंबर तक चलेगी। वहीं शिक्षा, सड़क, रेल से जुड़ी परियोजनाओं का भी लोकार्पण किया। महागामा हंसडीहा फोरलेन सड़क का भी शिलान्यास किया। बासुकीनाथ-देवघर खंड के लिए फोरलन का शिलान्यास किया।

पीएम किसान सम्मान निधि की 15वीं किस्त जारी की : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि की 15वीं किश्त जारी कर दी है। इससे किसानों के खाते में दो-दो हजार रुपये ट्रांसफर होंगे। पूरे देश के आठ करोड़ किसानों के खाते में राशि हस्तांतरित होगी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कई योजनाओं का शुभारंभ और लोकार्पण किया।

उलिहातू जानेवाले पहले पीएम बने नरेंद्र मोदी, आदिवासी परंपरा से हुआ स्वागत

खबर मन्त्र ब्यूरो

खूंटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी और लोक नायक बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर खूंटी जिले स्थित उनके पैतृक गांव उलिहातू में पुष्पांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने उलिहातू जाने वाले पहले प्रधानमंत्री बनने का गौरव पाया। मोदी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर अपने संदेश में एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, भगवान बिरसा मुंडा जी को उनकी जयंती पर सादर श्रद्धांजलि।

इस विशेष अवसर पर देश भर में मेरे परिवार के सदस्यों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। बिरसा मुंडा के बड़े योगदान को स्वीकार करते हुए, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 नवंबर, 2021 को 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया था। इसके बाद से हर साल देश भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में इस दूरदर्शी नेता की भूमिका को याद करता है।

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा- झारखंड अपने खनिज संसाधनों के साथ-साथ आदिवासी समाज के साहस, वीरता और स्वाभिमान के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां के लोगों ने देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं राज्य के स्थापना दिवस पर उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

'अटल जी ने किया झारखंड का गठन, हमने किया विकास' : पीएम मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्ष में जितना कार्य है उतना पहले कभी नहीं हुआ था। हमारी सरकार के समय 13 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। अटल जी के प्रयास से इस राज्य का गठन हुआ था।

भगवान बिरसा स्मृति पार्क सह संग्रहालय पहुंचे मोदी, श्रद्धा-सुमन अर्पित कर किया नमन

पीएम नमो ने उस जगह को नमन किया जहां भगवान बिरसा मुंडा ने ली थी अंतिम सांस...

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे जनजातीय गौरव दिवस पर सबसे पहले भगवान बिरसा को नमन किया। वह सुबह नौ बजे राजभवन से रांची के जेल चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय पहुंचे। जहां राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पीएम का स्वागत किया। स्मृति पार्क पहुंचने पर पीएम मोदी ने सबसे पहले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। इसके बाद पीएम श्री मोदी ने बिरसा मुंडा जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय परिसर का भ्रमण किया। पीएम मोदी उस कारा कक्ष में भी गए जहां धरती आबा बिरसा मुंडा ने अंतिम सांस ली थी।

महज 25 वर्ष की उम्र में बिरसा ने न्योछावर कर दिया था प्राण

देश की आजादी में झारखंड के योगदान की जब कभी भी बातें होगी तो बिरसा मुंडा का नाम लिए बिना पूरा नहीं हो सकता। महज 25 वर्ष की उम्र में अंग्रेजों से लोहा लेकर अपना प्राण न्योछावर करनेवाले बिरसा मुंडा की जयंती पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड आकर बड़ा मैसेज दिया है। दो दिवसीय झारखंड दौरे के क्रम में पीएम मोदी रांची के उस स्थल को नमन करने पहुंचे जहां भगवान बिरसा मुंडा ने अंतिम सांसें ली थी। अंग्रेजी हुकूमत के समय यह कारागार था जहां बैरक नंबर 4 में बिरसा मुंडा ने अंतिम सांसें ली थी। पीएम मोदी यहां पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए उनसे जुड़ी सारी चीजें देखी।

मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री से इस स्थल को और विकसित करने के लिए कहा

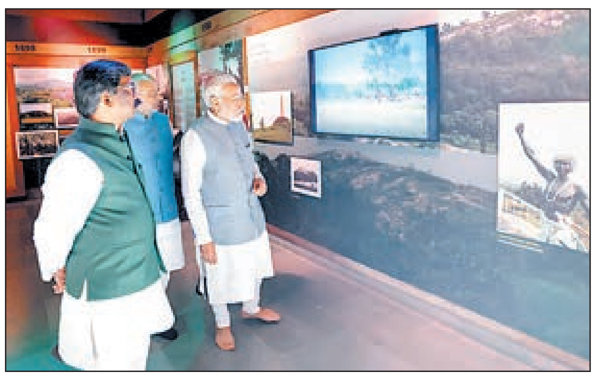

जनजातियों के गौरव गाथा को प्रदर्शित करते इस संग्रहालय के बैरक नंबर 4 में प्रधानमंत्री जैसे पहुंचे, वहां वे काफी गंभीर दिखे। उन्होंने बगल के हॉल में स्वाधीनता संग्राम में जनजातियों की भूमिका से जुड़ी प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। निर्धारित समय से अधिक समय तक यहां रुकने के क्रम में पीएम मोदी केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस स्थल को विकसित करने के लिए कहते हुए तथा कार्यों की जानकारी लेते देखे गए। पीएम ने इस दौरान भगवान बिरसा पर बनी वृत चित्र का भी अवलोकन किया। वे यहां लगभग 28 मिनट तक रूके। यहां से वे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गये।

धरती आबा को नमन

पीएम मोदी ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा के पास तस्वीर खिंचवायी। इस दौरान उनके साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा भी मौजूद थे। पीएम ने सफेद कुर्ता-पायजामा और आसमानी रंग की चेक वाली बंडी पहन रखी थी। राज्यपाल भी आसमानी रंग की बंडी पहने हुए थे। सीएम ने हरे रंग की बंडी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा लाल रंग की बंडी पहनी थी।

केंद्रीय सरना संघर्ष समिति ने धरती आबा बिरसा मुंडा की मनायी जयंती

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति की ओर से बुधवार को समिति मिसिर गोंदा स्थित प्रधान कार्यालय में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इसमें केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति के सदस्य उपस्थित होकर नमन किया और भगवान बिरसा मुंडा के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। साथ ही सभी सदस्यों ने धरती आबा का प्रेरणा स्त्रोत को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप, भानु उरांव, माधो उरांव, कुईली उरांव, बसंती कुजूर, मंजू खलखो, राजेन्द्र उरांव, सती तिर्की, अनीता उरांव इत्यादि उपस्थित थे।

सुरक्षा में चूक : पीएम के कारकेड के सामने आ गयी महिला, हरमू में बाइक सवार की तलाश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी में पीएम की सुरक्षा में चूक हुई है। यह चूक उस वक्त हुई, जब बुधवार की सुबह पीएम नरेंद्र मोदी राजभवन से निकलकर जेल चौक स्थित बिरसा मुंडा पुराने जेल की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान रेडियम रोड से गुजरने के दौरान प्रधानमंत्री के काफिले के आगे एक महिला घुस आई। इस कारण पीएम की गाड़ी को अचानक ब्रेक लगाना पड़ा। इसके बाद स्थानीय पुलिस की टीम ने महिला को हिरासत में ले लिया। पीएम का काफिला रुकने की वजह से तुरंत एसपीजी और दूसरे सुरक्षा गाड्‌र्स अलर्ट हो गये। सुरक्षा टीम और पुलिस ने महिला को तुरंत सड़क से किनारे किया। इसके बाद कड़ी सुरक्षा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला रेडियम रोड से निकला।

पति से परेशान थी महिला, पीएम से मिलना चाहती थी : जानकारी के अनुसार रेडियम रोड की रहने वाली महिला संगीता झा अपने पति को लेकर परेशान थी। इसको लेकर वो प्रधानमंत्री से मुलाकात करने दिल्ली भी गई थी। बुधवार को जब संगीता को यह जानकारी मिली कि पीएम रेडियम रोड से होकर गुजरने वाले हैं तब वो दौड़ कर उनके काफिले में घुस गई और उनकी गाड़ी के सामने आ गयी।

महिला को पूछताछ के बाद छोड़ा गया

पूछताछ के दौरान यह जानकारी मिली कि वह अपने पति से परेशान है और उसी को लेकर पीएम से मिलना चाहती थीं। इसके बाद कागजी कार्रवाई करने के बाद महिला को छोड़ा गया। इस पूरे मामले की जांच रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के नेतृत्व में की जा रही है। उधर सूचना के मुताबिक, हरमू रोड में एक बाइक सवार के कारकेड के बीच आने की खबर भी आयी। खबर के बाद पुलिस युवक की तलाश कर रही है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने राजभवन में फाइटर प्लेन का किया संस्थापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पीएम नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राजभवन में मिग-21 फाइटर प्लेन का संस्थापन किया। इस फाइटर प्लेन का इस्तेमाल 1971 की लड़ाई के दौरान किया गया था। इस दौरान झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और सीएम हेमंत सोरेन भी मौजूद थे। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति में राजभवन में लड़ाकू विमान का संस्थापन किया गया है। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार की रात साढ़े 10 बजे राजभवन पहुंचे। बुधवार सुबह मिग-21 फाइटर प्लेन का संस्थापन किया।

प्रकाश पर्व : निकाली गयी प्रभातफेरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्रीगुरुनानक देव जी के 554वें प्रकाश पर्व पर प्रभातफेरी के दूसरे दिन बुधवार को सिख धर्मावलंबियों ने घंटों कई इलाकों का भ्रमण किया। साथ ही गुरु की अमृतवाणी का गुणगान किया। सुबह पांच बजे फेरी की शुरूआत श्रीगुरुद्वारा साहिब कृष्णा नगर कॉलोनी, रातु रोड से हुई। सुनील मिढ़ा, अमर मुंजाल, अर्जुन देव मिढ़ा की गलियों से होते हुए पूर्व पार्षद सुनीता देवी के आवास लोग पहुंचे। यहां के बाद धर्मावलंबी गुरुद्वारा श्रीगुरु तेग बहादुर स्त्री सत्संग सभा आए, यहां फेरी का फिर स्वागत किया गया। इसके बाद हरगोविंद सिंह और जीवन मिढ़ा की गलियों से होते हुए श्रद्धालु पौने आठ बजे वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचे। यहां चाय नाश्ते का लंगर चलाया गया।

राज्य स्थापना दिवस समारोह में झारखंडी नृत्य

ऑफर लेटर पाकर खिल उठे चेहरे

जनजातीय गौरव दिवस पर प्रधानमंत्री ने खूंटी में संबोधन के दौरान दी जानकारी

झारखंड में रेलवे का 100 फीसदी विद्युतीकरण का लक्ष्य पूरा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रेलवे आधारभूम संरचना के मामले में झारखंड ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। झारखंड में 100 फीसदी रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बात बुधवार को खूंटी में कही। धरती आबा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए खूंटी में पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड के लिए गौरव की बात है कि यहां रेलवे ने 100 फीसदी इलेक्ट्रिफिकेशन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। बता दें कि झारखंड में 2,558 किलोमीटर लंबा रेल नेटवर्क है। इस पूरे रेल ट्रैक का विद्युतीकरण का लक्ष्य पूरा हो चुका है। इसके फायदे भी दिखने लगे हैं। झारखंड में ट्रेनों की स्पीड में सुधार हुआ है। लोगों के अपने गंतव्य तक जाने का समय कम हो गया है। रेल नेटवर्क के विद्युतीकरण की वजह से ट्रेनों की गति बढ़ी है, जिससे लोग जल्दी अपनी मंजिल तक पहुंच रहे हैं। माल ढुलाई भी तेजी से हो रही है। बता दें कि झारखंड खनिज संपदा से संपन्न राज्य है। यहां से कोयला और अन्य खनिज पदार्थ निकलते हैं, जिन्हें अन्य जगहों तक भेजा जाता है। इसकी ढुलाई में रेल नेटवर्क के विद्युतीकरण ने तेजी ला दी है।

ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चलाने का रास्ता हुआ साफ : रेल मंत्रालय की मानें, तो 100 फीसदी इलेक्ट्रिफिकेशन से ज्यादा से ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चलाए जाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। झारखंड से अभी हावड़ा और पटना के लिए वंदे भारत ट्रेनें चल रही है। झारखंड स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल ने कहा है कि आने वाले दिनों में अन्य राज्यों को जोड़ने के लिए भी वंदे भारत ट्रेनों की शुरूआत की जाएगी। वहीं, भारतीय रेलवे का कहना है कि रेलवे नेटवर्क के विद्युतीकरण का काम तेजी से चल रहा है। इससे एक साथ कई लक्ष्य हासिल होंगे। ट्रेनों की स्पीड तो बढ़ ही गई है, लोगों को बेहतर रेलवे सुविधा मिल रही है। विद्युतीकरण के बाद भारत सरकार के नेट जीरो कार्बन एमीशन का लक्ष्य हासिल करने में भी मदद मिलेगी।

100 विद्युतीकरण से प्रदूषण में आएगी कमी : बता दें कि भारत ने शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनने का संकल्प लिया है। अगर रेलवे का 100 फीसदी विद्युतीकरण हो जाएगा, तो प्रदूषण के स्तर में काफी कमी आ जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क वाले देशों में एक है। हर दिन करोड़ों लोग ट्रेन से यात्रा करते हैं। जिन इलाकों में अभी तक इलेक्ट्रिफिकेशन नहीं हो पाया है, वहां डीजल इंजन से ट्रेनें चलती हैं, जिसकी वजह से धुआं निकलता है और पर्यावरण को नुकसान होता है।

छठ महापर्व के पहले दिन हो सकती है हल्की बारिश

रांची। मौसम विभाग ने महापर्व छठ की पहले दिन राज्य में हल्की बारिश की संभावना जतायी है। विभाग के अनुसार 21 नवंबर तक झारखंड में आसमान में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि झारखंड में अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे की बढ़ोत्तरी हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिन इसमें कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 16 को झारखंड में आंशिक बादल छाए रहने की संभावना है। 17 नवंबर को पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। 18 व 19 नवंबर को सुबह में कोहरे या धुंध और बाद में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। वहीं 20 और 21 नवंबर को आसमान में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं।

शहर के तालाब अब भी हैं गंदे, व्रती कैसे करेंगे छठ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सूर्य उपासना का महापर्व छठ दो दिन बाद शुरू हो जाएगा। इसकी तैयारी जहां छठ व्रती कर रही हैं, वहीं उनकी सुविधा के लिये नगर निगम एवं जिला प्रशासन को भी सरकार की ओर से बेहतर व्यवस्था के साथ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिये गये हैं। महापर्व में छठ व्रती धार्मिक परंपरा के अनुसार नदी, डैम एवं तालाबों में डूबते एवं उगते सूर्य को अर्घ्य देती हैं। आस्था के इस महापर्व में महज दो दिन शेष रह गये हैं लेकिन राजधानी के तालाबों की सफाई का कार्य अब तक अधूरा ही है जबकि नगर निगम की ओर से एक दिन पूर्व ही दावा किया गया कि महापर्व के मद्देनजर शहर के तालाबों की सफाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। मगर शहर के तालाबों की तस्वीरें सच्चाई बयां कर रही है। मालूम हो कि बड़ा तालाब में लोग छठ करते हैं। लेकिन इसकी सफाई अभी पूरी नहीं हुई है। मेन रोड के निकट लाइन तालाब में भी पूजन सामग्री फैली पड़ी है। पूजन सामग्री तालाब के अंदर और बाहर पड़ी हुई है। इसकी जल्द सफाई पूरी नहीं की गई तो छठ व्रतियों को काफी परेशानी होगी। टेकर स्टैंट के समीप के तालाब की दशा में भी कुछ ऐसे ही है। तालाब में पूजन सामग्री के साथ विसर्जन की गई प्रतिमा के अवशेष अब भी तालाब में पड़े हैं।

बिरसा हमारे भगवान, अल्पायु में ही किया परमात्मा का साक्षात्कार : प्रो कुंज बिहारी

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में हर्षोल्लास से मना जनजातीय गौरव दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ तथा प्रदर्शन कला विभाग के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को हर्षोल्लास के साथ जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रभारी कुलपति प्रो कुंज बिहारी पांडा ने कहा की बिरसा हमारे भगवान हैं। उन्होंने बचपन में ही रामायण और महाभारत का पठन-पाठन कर लिया था। अल्पायु में ही भगवान बिरसा मुंडा ने परमात्मा का साक्षात्कार किया था। उन्होंने न केवल सबका मन जीता, बल्कि सबका विश्वास भी जीता। धर्मांतरण का उन्होंने कड़ा विरोध किया। वे अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले सवतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने बिरसायत परंपरा की शुरुआत की और जनेऊ तथा तुलसी के पौधे को अपने जीवन में उतरा।

इस अवसर पर रांची के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व सहायक आयकर आयुक्त देव व्रत पाहन ने कहा कि भारत की धरती वीर सपूतों और वीरांगनाओं की जननी है। उलीहातू नामक गांव में सुगना मुंडा एवं करमी मुंडा के घर में बिरसा मुंडा का जन्म हुआ था। मुंडा रिवाज के अनुसार गुरुवार के दिन जन्म होने के कारण उनका नाम बिरसा रखा गया था। जन्म से ही वे विलक्षण बुद्धि के बालक थे। जंगलों में गाय चराते समय बांसुरी बजाते थे और पशु-पक्षी भी तल्लीन होकर उनकी बांसुरी की तान सुनते थे। किसान के शोषण के विरुद्ध लगान माफी के लिए बिरसा ने बड़ा आंदोलन किया। वर्ष 1899 में बिरसा को गिरफ्तार कर लिया गया और हजारीबाग जेल भेज दिया गया। स्वायत्तता और संस्कृति बचाने के इस आंदोलन को उलगुलान का नाम दिया गया। उन्होंने कहा कि 25 वर्ष की छोटी सी अवधि में जनजातियों और देश की हित में बिरसा ने इतने अच्छे-अच्छे कार्य किये कि लोग उन्हें धरती आबा के नाम से याद करते हैं। उन्होंने अपने जीवनकाल में जनजातियों के गौरवशाली इतिहास के संरक्षण और संवर्धन के लिए अहर्निश काम किया। अतः भारत सरकार ने उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव केके राव ने कहा कि भगवान बिरसा का आज अवतरण दिवस है। कम उम्र में जीवन की आहुति देने वाले भगवान बिरसा से हम विद्यार्थियों को यह शिक्षा लेनी चाहिए कि कैसे धर्म एवं संस्कृति की रक्षा की जा सकती है। आज पूरा भारत वर्ष जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। वर्ष 2021 में भारत सरकार ने इसकी विधिवत शुरुआत की थी।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ तथा प्रदर्शन कला विभाग के संयुक्त तत्वाधान में धरती आबा बिरसा मुंडा पर नाटक तथा पारंपरिक संगीत की भी प्रस्तुति दी गयी। प्रदर्शन कला विभाग के समन्वयक डॉ वेंकट नरेश बुरला, सहायक प्राध्यापक डॉ शाकिर तसनीम द्वारा निर्देशित नाटक का मंचन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी डीन, वरिष्ठ प्राध्यापक एवं सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे। पारंपरिक गायन में सुनीता, रुदाली, अपर्णा, निशा प्रिया, कविता, किरण और प्रीतम मौजूद थे। नाटक में अमित कुमार, आनंद केशरी गुप्ता, रिशु रौशन, अभीत कुमार, कावेरी राय, आलोक कुमार शुक्ल, आदर्श केपी, आनंद कुमार शुक्ला, नितिल कुमार उपस्थित थे। मंच संचालन अजा एवं अजजा प्रकोष्ठ के सहायक कुलसचिव डॉ शिवेंद्र प्रसाद ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रदर्शन कला विभाग की सहायक प्रधायापिका डॉ जया साही ने किया।

आज का राशिफल
16-11-2023

विक्रम संवत 2080, **शक संवत** 1945, **मास** : कार्तिक, **पक्ष** : शुक्ल, **तिथि** : तृतीया 12:35 बजे समाप्त। **नक्षत्र** : मूल 02:17 बजे रात्रि में समाप्त। **योग** : सुकर्मा 09:59 बजे समाप्त। **करण** : गर 12:35 बजे तक, तदनंतर वणिज 23:52 बजे समाप्त। चंद्रायु 02.6 घंटे।

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनों के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यो का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-6-7-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। शुभांक-5-6-8

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-1-6-7

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

सीएमपीडीआइ ने एचएमए के साथ किया समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएमपीडीआइ (मुख्यालय) के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) परियोजना के तहत प्रशिक्षण के माध्यम से स्वस्थ मासिक धर्म स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देने और रांची-झारखंड के 50 सरकारी स्कूलों के छात्राओं को आसानीपूर्वक सैनिटरी नैपकिन तक पहुंच एवं निपटान करने के लिए एचएलएल प्रबंधन अकादमी (एचएमए), तिरूवनंतपुरम, केरल के साथ 52 लाख रुपए की राशि के एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (एचआरडी/सीएसआर) श्री आरके महापात्रो एवं एचएलएल प्रबंधन अकादमी के वरीय प्रबंधक मनोज दया के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत रांची-झारखंड के 50 सरकारी स्कूलों की छात्राओं तक सैनिटरी नैपकिन की आसान पहुंच और निपटान के लिए 50 इंसीनरेटर के साथ 50 सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की जाएंगी। इन स्कूलों को 8 महीने तक नैपकिन प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, विशेषज्ञों द्वारा इन स्कूलों में छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर सीएमपीडीआई की सीएसआर टीम के सदस्य एवं एचएलएल प्रबंधन अकादमी के अधिकारीगण उपस्थित थे।

भगवान बिरसा मुंडा के बगैर हम अलग झारखंड राज्य की कल्पना नहीं कर सकते थे : आजसू छात्र संघ

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) रांची विश्वविद्यालय इकाई के सदस्यों ने बुधवार को विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। मौके पर रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के बगैर झारखंड अलग राज्य की कल्पना नही की जा सकती थी। वे वीर योद्धा व कर्मठ क्रांतिकारी वीर सपूत थे। उन्होंने अपना जीवन संघर्ष करते हुए अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये। साथ ही उन्होंने आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए उन्होंने अपना सब कुछ निछावर कर काफी लंबी लड़ाई लड़ी। उनके जन समर्पण भावना को हम लोग कभी नहीं भुला सकते। मौके पर छात्र आजसू के रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला,राहुल तिवारी, रोहित चौधरी , बिपिन यादव, विक्रम यादव, प्रवीण सोरेन, अमित तिर्की, मदन महतो, राकेश, विजय महतो, विशाल कुमार यादव उपस्थित थे।

विवेकानंद यूथक्वेक ने मनायी भगवान बिरसा की जयंती

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन की ओर से बुधवार को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में आदिम जाति सेवा मंडल रांची में मनाया गया। सर्वप्रथम भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्जन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसमें योगा बियॉन्ड रिलीजन संस्था का भी सहयोग रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन के अध्यक्ष अग्रवाल ने किया। वहीं, मुख्य अतिथि के रूप में सुमुर मुंडा, विशिष्ट अतिथि के रूप में नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक सर्वेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य वक्ता के रूप में स्वीटी नायक उपस्थित थीं। मौके पर अतिथियों ने कहा हमे बिरसा मुंडा के जीवनी से सिख लेनी की जरूरत है। सभी बच्चों के मुंह से भारत माता की जय एवं भगवान बिरसा मुंडा की जय के नारे से हॉल गूंज उठा। अंत मे ढोल के साथ सभी अतिथि ने बच्चे के साथ नृत्य कर मिटाई बांटी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से विवेकानंद यूथक्वेक फाउंडेशन के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, योग बियॉन्ड रिलीजन की संस्थापिका राफिया नाज, श्रवण ,विकास एवं आश्रम के कर्मचारी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

क्षेत्रीय भाषा संकाय में जनजातीय गौरव दिवस पर परिचर्चा

रांची। बुधवार को डॉ हरि उरांव की अध्यक्षता में जनजातीय गौरव दिवस एवं बिरसा जयंती की उपलक्ष्य में जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय की अखाड़ा में परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में विषय प्रवेश कराते हुये नागपुरी विभाग के अध्यक्ष डॉ उमेश नन्द तिवारी ने धरती आबा बिरसा भगवान के जीवन पर प्रकाश डाला। खोरठा विभाग की अध्यक्ष कुमारी शशि ने बिरसा के आदर्श में चलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में हम सब लोग लोभ और पूंजीवादी व्यवस्था के चक्कर में पड़े हुये हैं। उससे बाहर निकलने का मार्ग भगवान बिरसा के रास्ते से ही संभव है । पंचपरगनिया विभाग के अध्यक्ष डॉ तारकेश्वर सिंह मुंडा ने कहा कि जो भगवान बिरसा ने जो अपने अनुयायी की विरसइत के लिये जो नियम बनाये, उन पर चल कर ही मानव कल्याण का मार्ग प्रस्त होगा।

सुखदेवनगर थाना में पदस्थापित एएसआइ पर यौन शोषण का आरोप

सीआइडी से शिकायत, महिला थाना में मामला दर्ज

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिला में पदस्थापित एक पुलिस पदाधिकारी के द्वारा नाबालिक लड़की के साथ पिछले एक साल से यौन शोषण किए जाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर नाबालिग लड़की के द्वारा सीआइडी से शिकायत के आधार पर महिला थाने में मामला दर्ज किया गया है। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग लड़की ने सुखदेवनगर थाना में पदस्थापित एएसआइ नीरज खोसला के खिलाफ सीआइडी में अपना बयान दर्ज कराया है।

सीआईडी के समक्ष दिए बयान ने नाबालिक ने कहा है कि 15 अगस्त 2022 की रात मेरी मां बगल में किसी काम से गई हुई थी। मेरे पिताजी भी घर पर नहीं थे, तभी मेरे बगलगीर नीरज खोसला मेरे घर आए और हमको बुलाकर अपने घर ले गये। उसके घर में कोई नहीं था। नीरज अंकल मुझे बुलाकर छत पर ले गये और मेरे साथ गलत तरीके से शरीर को छूने लगे फिर नीचे अपने बेडरूम में लाकर मेरा पैंट खोलकर मेरे साथ गलत करने लगे। मेरे मना करने पर मेरे पिताजी को जान से मारने की धमकी देकर मेरे साथ दुष्कर्म किया। मैं दर्द से कराहती रही, छोड़ने की विनती की परंतु उसने जबरदस्ती मेरे साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद मेरे भाई एवं परिवार को जान से मारने की धमकी देकर मुझे घर भेज दिया। सीआइडी के समक्ष दिए बयान में नाबालिग ने कहा कि इसके बाद नीरज खोसला प्रत्येक दो-चार दिन बाद मेरे मम्मी पापा की अनुपस्थिति में घर आकर मेरे घर पर ही जबरदस्ती मेरे साथ दुष्कर्म करता रहा। घर में अकेला पाकर विगत लगभग एक वर्षो से लगातार मेरे साथ दुष्कर्म करते आ रहा था।

खबर एक नजर में

भगवान चित्रगुप्त की पूजा में सुबोधकांत हुए शामिल

रांची। झारखंड राज्य चित्रगुप्त महापरिवार केंद्रीय पूजा समिति के तत्वावधान में बुधवार को भगवान चित्रगुप्त की आराधना एवं पूजा बिहार क्लब कचहरी रोड के प्रेक्षागृह में प्रातः 11:00 बजे पंडित सुभाष पाठक के द्वारा संपन्न कराई गई। इसमें स्वयं संयोजक डॉ अजित सहाय, अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, संजय सिन्हा गोपु, प्रो राजेश लाल, अभिषेक सहाय, संजय वर्मा, राहुल रंजन, आलोक सिन्हा सहित बड़ी संख्या में चित्रांश समाज के लोगों ने कथा श्रवण किया तथा अपने अधिष्ठाता के समक्ष आय व्यय का प्रतिवेदन लिखित रूप में समर्पित किया। इसके उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण हुआ समाज के गणमान्य लोग पूरे दिन अपने अधिष्ठाता के दर्शन को आते रहे। मुख्य रूप से पूर्व केंद्रीय मंत्री सह अखिल भारतीय कायस्थ समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय भी पूजन स्थल पहुंचे। बाबा के दर्शन एवं वंदन के पश्चात समाज के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

हरमू में चित्रगुप्त पूजा का आयोजन

रांची। एबीकेएमएस फाउंडेशन झारखंड के तत्वावधान में भगवान चित्रगुप्त पूजा का आयोजन श्री मनोकामना सिद्धि हनुमान मंदिर, नया टोली, हरमू हाउसिंग कॉलोनी (नजदीक सेंट्रल बैंक) रांची में, सभी सदस्यों द्वारा भक्ति भाव से किया गया। अवसर पर मशीभाजन ग्रंथ के प्रवेशांक का विमोचन किया गया। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, संजय सेठ, सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, महुआ मांझी, डीजीपी झारखंड, डी जी, सीआईडी, कुलपति आदि ने इस प्रयास की प्रशंसा पत्रिका में की है। यह पत्रिका कायस्थ समुदाय को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति और जागरूक करने एवं राष्ट्र हित में अपना योगदान देने हेतु प्रेरित करेगा तथा समाज में आपसी एकता एवं समरसता की भावना को सुदृढ़ करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता हितेश वर्मा, अध्यक्ष एवं हरिवंश भूषण प्रसाद सिन्हा, संगठन महामंत्री झारखंड ने की।

आइएमए भवन में चित्रगुप्त पूजा आयोजित

रांची । श्री चित्रगुप्त परिवार, मोरहाबादी के द्वारा बुधवार को करमटोली स्थित आईएमए भवन में भव्य श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव का आयोजन किया गया। कायस्थ समुदाय के तीन हजार से अधिक लोग भगवान श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव में शामिल हुए . सामूहिक रूप से श्री चित्रगुप्त भगवान के समक्ष सभी कायस्थों ने अपने आय–व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। विधि विधान से पूजन के बाद प्रसाद वितरण और भाई भोज का आयोजन किया गया। इस मौके पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर युवाओं के बीच परिचर्चा का आयोजन किया गया। साथ ही मेडिकल कैंप, रक्तदान आदि का भी आयोजन किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मना भैया दूज

रांची। बहन–भाई के अटूट प्रेम का प्रतीक भैया दूज बुधवार को राजधानी में हर्षोल्लास के साथ परंपरागत तरीके से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक कर जहां उनकी लंबी आयु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपने प्रेम को दशार्या। बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु की कामना कर रही थी और भाइयों की ओर से उन्हे उपहार भेंट किए।

चित्रगुप्त पूजा के मौके पर लगा स्वास्थ्य शिविर

रांची। चित्रगुप्त पुजा के मौके पर झारखंड स्वास्थ्य मिशन के द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन आई एम ए भवन करमटोली चौक में किया गया। इस जांच शिविर में 200 लोगो का नि:शुल्क ब्लड प्रेशर,शुगर,जेनरल रोग जांच,दांत जांच,नेत्र जांच,स्पीच एंड हियरिंग जांच किया गया। इस मिशन का लक्ष्य है कि शहर से लेकर गांव तक सभी जगहों पर नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवम रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए। ताकि कोई भी इस स्वास्थ्य लाभ से वंचित न रहे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में झारखंड स्वास्थ्य मिशन, के अध्यक्ष संतोष सोनी,का योगदान रहा।

लायंस क्लब ने नेत्रहीन बच्चों को कराया भोजन

रांची। बुधवार को लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट की ओर से बहुबाजार स्थित संत माइकल ब्लाइंड स्कूल के सभी बच्चों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट के सदस्यों ने इन स्पेशल बच्चों के बीच कुछ समय व्यतीत कर इनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट चेयरमैन विशेष केडिया, संगीता गोयल, रेणु जयसवाल उपस्थित थे। क्लब ऑफ रांची ईस्ट के अध्यक्ष नरेश कुमार, सचिव विजया केडिया, कोषाध्यक्ष नीरज कांत शाहा, रतन अग्रवाल आदि कई लोग उपस्थित थे। यह जानकारी लायंस क्लब ऑफ रांची ईस्ट के पीआरवो आशुतोष द्विवेदी ने दी।

डोरंडा में हुआ महाआरती का आयोजन

रांची। श्री चित्रगुप्त पूजा समिति डोरंडा के द्वारा बुधवार को चित्रगुप्त पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर डोरंडा क्षेत्र के चित्रांश बंधुओं के द्वारा पूजा अर्चना किया गया। संध्या 6 बजे महाआरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर संरक्षक विनय सिन्हा दीपू,अध्यक्ष कृष्ण नंदन प्रसाद आदि उपस्थित थे।

आइएचएम के छात्रों का प्लेसमेंट ड्राइव शानदार रहा

रांची। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आइएचएम) में बीएससी इन हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम जो कि एनसीएचएमसीटी, नॉएडा से सम्बद्ध है, के तृतीय वर्ष के छात्रों ने बुधवार को आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में शानदार प्रदर्शन रहा। संस्थान के प्राचार्य डॉ भूपेश कुमार ने सफल छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

धूमधाम से हुई भगवान चित्रगुप्त की पूजा

रांची। भगवान चित्रगुप्त पूजा मनोकामना सिद्धि हनुमान मंदिर, हरमू हाउसिंग कॉलोनी सभी सदस्यों ने भक्ति भाव से किया। इस अवसर पर मशीभाजन ग्रंथ के प्रवेशांक का विमोचन किया गया। राज्यपाल, मुख्य मंत्री, संजय सेठ, सीपी सिंह, नवीन जायसवाल, महुआ मांझी, डीजीपी, कुलपति आदि ने इस प्रयास की प्रशंसा पत्रिका में की है। यह पत्रिका कायस्थ समुदाय को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति और जागरूक करने एवम राष्ट्र हित में अपना योगदान देने के लिये प्रेरित करेगा।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज समय पर नहीं होने से जा सकती है आंखों की रोशनी : डॉ कश्यप

रांची के अपर बाजार के नेत्र जांच शिविर में बोलीं चिकित्सक, 20 नवंबर तक चलेगा वर्ल्ड डायबिटिक सप्ताह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड नेत्र सोसाइटी 14 से 20 नवंबर तक वर्ल्ड डायबिटिक सप्ताह में चेक इयरली सी क्लियरली फ्री डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग अभियान चलायेगी। झारखंड नेत्र सोसाइटी एवं रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया के सहयोग से यह अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत अपर बाजार स्थित डायबिटीज केयर सेंटर शीतल कुंज में कश्यप मेमोरियल आई हॉस्पिटल के सहयोग से बुधवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। डायबिटिक नेत्र स्क्रीनिंग में बड़ी संख्या में लोगों ने अपना चेकअप कराया। मौके पर डॉ भारती ने कहा कि कश्यप आई हॉस्पिटल के पैंप्लेट लेकर आने वाले डायबिटिक रेटिनोपैथी के मरीजों को इलाज में (ओपीडी) आउट पेंशेंट डिलीवर जांच के लिए 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लेजर और एंटीवेजिंग पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। साथ ही इसकी वैलिडिटी 3 महीने तक रहेगी। इस दौरान कोई भी समस्या होने पर मरीज कश्यप मेमोरियल आकर अपनी जांच करा सकते हैं।

डॉ. भारती कश्यप ने कहा कि राज्य के दूर-दराज के क्षेत्रों में यह शिविर 14 से 20 नवंबर तक लगाया जा रहा है। डायबिटीज की वजह से दृष्टिहीनता के सबसे बड़े तीन कारण होते हैं। आंखों के बीच में मैक्युला में सूजन या विट्रियस हेमरेज या आंखों के पर्दे का अपनी जगह से खिसक जाना। डायबिटिक के शुरूआती दौर में 6/18 या उससे बेहतर रोशनी वाले 22 प्रतिशत मरीजों में डायबिटिक रेटिनोपैथी शुरू हो जाती है, मगर इसका कोई लक्षण मरीजों को पता नहीं चलता है। इसलिए डायबिटिक मरीजों को अपनी आंखों का साल में एक बार जरूर पूरी आंखों की जांच करानी चाहिये। डॉ. कश्यप ने बताया कि डायबिटीज से होने वाले मोतियाबिंद का ऑपरेशन करने के बाद रोशनी वापस आ जाती है। ग्लूकोमा को भी दवा से या सर्जरी से ठीक किया जा सकता है। लेकिन डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज अगर समय पर नहीं किया गया तो रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। डॉ. विनय ढूंढूनिया ने कहा कि शुरूआती दौर में डायबिटीज रेटिनोपैथी को ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड को कंट्रोल करके रोका जा सकता है। आंखों के पर्दे के बीच के भाग में सूजन होने से आंखों के अंदर एंटी-वेजएफ इंजेक्शन लगवाने पड़ते हैं। आंखों के अंदर खून की छोटी-छोटी कमजोर नलियों के उग जाने पर इंजेक्शन के साथ-साथ लेजर भी करवाना पड़ता है। अगर आंखों के अंदर खून आ गया है या रेटिनल डिटैचमेंट हो गया है तो विट्रीक्टोमी या रेटीना की सर्जरी करने की जरूरत पड़ती है।

बीएड की चौथी काउंसिलिंग के बाद भी खाली रह गयीं 3000 सीटें

जेसीइसीइबी ने विभाग को लिखा पत्र, जतायी चिंता मांगा मार्गदर्शन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में चौथे राउंड की बीएड की काउंसिलिंग पूरी होने के बाद भी 3000 सीट खाली रह गयी हैं। आगे क्या करना है, इसे लेकर झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद (जेसीईसीईबी) ने झारखंड उच्च एवं तकनीकि शिक्षा विभाग को पत्र भेजा है।

वहीं, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस पर काम चल रहा है। आगे काउंसलिंग की जायेगी या फिर ओपन काउंसलिंग होगी, इसके लिए नोटिफिकेशन बहुत जल्द जारी कर दिया जायेगा।

बताते चलें कि झारखंड में बीएड के कुल 133 कॉलेज हैं, जिसमें से 4 सरकारी कॉलेज है। 129 निजी कॉलेज हैं। इन सभी कॉलेजों में कुल 13,400 सीट हैं। चार काउंसिलिंग के बाद 10,400 ही सीटें भरी हैं। सभी कॉलेजों में लगभग 100-100 सीट है। वहीं, देवघर बीएड कॉलेज में 200 सीटें हैं। मालूम हो कि पिछले साल भी बीएड की यही स्थिति रही थी। काउंसलिंग खत्म होने के बाद भी सीटें नहीं भरी थीं। इसके बाद ओपन काउंसलिंग करने का आदेश जारी कर दिया गया था। इस साल भी संभवत ओपन काउंसलिंग की जा सकती है। पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे राउंड के काउंसलिंग में 6 अलग-अलग तिथियों पर काउंसलिंग की गयी थी। इस दौरान रजिस्ट्रेशन से लेकर सभी अन्य काम किये गये थे।

इन तिथियों को हुई थी काउंसिलिंग

पहले राउंड की काउंसिलिंग 8 जुलाई से हुई थी। दूसरे राउंड की काउंसिलिंग 25 अगस्त से हुई थी। तीसरे राउंड की काउंसिलिंग 14 अगस्त से हुई थी और चौथे राउंड की काउंसिलिंग 5 अक्टूबर से हुई थी। इसके बाद भी बीएड कॉलेजों की सीटें खाली रह गयी हैं।

स्पीड न्यूज

राहे : आजसू पार्टी ने मनाया जनजातीय गौरव दिवस

सोनाहातू/राहे। राहे आजसू पार्टी के प्रभारी संजय सिद्धार्थ के नेतृत्व में धरती आबा बिरसा मुंडा के जन्मदिवस के अवसर पर राहे प्रखंड में कमेटी ने जनजातीय गौरव दिवस श्रद्धा और शान से मनाया ।कमिटी के सदस्यों ने कोलमाएनुरू कोम्बो ओर कोन्ताटोली गांव में स्थित धरती आबा बिरसा मुंडा के प्रतिमा प माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किये। इस दौरान सभी ने बिरसा के सोच को स्थापित करने का संकल्प लिये। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो भूषण महती लोवाहातू मुखिया रम्भावती देवी सताकी मुखिया पांडु मुंडाए आदि मौजूद थे। इधर सोनाहातू में जिप सदस्य मंजू सिंह मुंडा ओर केंद्रीय सदस्य संजय महतो के नेतृत्व में सोनाहातू प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थापित बिरसा प्रतिमा पर माल्यार्पण किये। मौके पर सुषेन प्रामाणिक हलधर मुंडा जीवाधन सिंह मुंडा आदि मौजूद थे।

दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

सिकिदिरी। नेहरु युवा फुटबॉल क्लब जोन्हा के द्वारा दो दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट का उदघाटन बुधवार को जोन्हा मैदान में हुआ। मुख्य अतिथि झामुमो के जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेदिया ने फुटबॉल में किक मारकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग ले रही है। गेतलसूद की टीम ने टाटी की टीम को पेनाल्टी शूट में 3-1 से पराजित कर फाइनल में पहुंच गई है। गुरुवार को फाइनल खेला जाएगा। मौके पर अध्यक्ष जोगेश्वर मुंडा, सचिव समल मुंडा, दिलीप अहिर, विकास ठाकुर आदि उपस्थित थे।

सेंट्रल यूनिवर्सिटी में मनायी गयी बिरसा मुंडा की जयंती

रातू। सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड में ट्राइबल स्टूडेंट्स कल्चरल एसोसिएशन की ओर से भगवान बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती व राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। धरती आबा को श्रद्धांजलि दी गयी और पौधरोपण भी किया गया। पदधारियों ने भगवान बिरसा की जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला। प्राध्यापक डॉ अमृत कुमार, डॉ तुलसी दास मांझी, डॉ रामकृष्णन व डॉ अपर्णा ने छात्रों को अपने अधिकार के लिये भगवान बिरसा मुंडा के बताये मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मौके पर सुमित उरांव, सोम्या भगत, शेखर उराव, आकाश मुंडा, निशि तिग्गा, राहुल, विवेकानंद, ऋतु, न्यारा चाला आदि दर्जनों विद्यार्थी मौजूद थे।

सारले और उमेडंडा में मना सोहराई जतरा

बुढ़मू। प्रखंड क्षेत्र के सारले व उमेडंडा पंचायत के सीमांत क्षेत्र कंडेर में ऐतिहासिक सोहराई जतरा का आयोजन बुधवार को धुमधाम से किया गया। जतरा मंच का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख सत नारायण मुंडाए उप प्रमुख हरदेव साहूए जिप सदस्य रामजीत गंझूए पूर्व जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवीए थाना प्रभारी कमलेशए मुखिया सुमित्रा देवीए मोहन जयसवालए रतन सिंह और सुनिल साहू दिनेश यादवए रोहित उरांव सहित अन्य के द्वारा फीताकाट कर उद्घाटन किया गया। और रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विधायक समरी लाल और कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुरेश बैठा अपने समर्थकों के साथ जतरा में शामिल हुए और जतरा में शामिल ग्रामीणों को सोहराई जतरा की शुभकामनाएं दी।

आदिवासी ही नहीं, सभी लोगों के प्रेरणास्रोत थे भगवान बिरसा मुंडा

जैविक उद्यान में मनी धरती आबा की जयंती

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। विभिन्न संगठनों द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। भगवान बिरसा मुंडा स्माक समिति द्वारा जैविक उद्यान परिसर में आयोजित जयंती कार्यक्रम में आसपास के युवतियां लालपाढ़ साड़ी पहन कर पहुची थी। सभी ने समिति के अध्यक्ष बीना देवी मुंडा की अध्यक्षता में बिरसा मुंडा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया। इससे पूर्व मुख्य पाहन दिल रंजन पाहन द्वारा धूप-दीप से विधिवत पूजा किया गया। वहीं कार्यक्रम में लोगों द्वारा बिरसा मुंडा की जयकारा लगाई गई। मुख्य रूप से उपस्थित टीएसी सदस्य सह मुख्य संरक्षा के जमल मुंडा ने उपस्थित युवाओं को बिरसा मुंडा को दी गई भगवान की उपाधि की जानकारी देते हुए बिरसा मुंडा की गौरव गाथा बताया। वही बीना मुंडा ने कहा भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी सिर्फ आदिवासी समाज के लिए सभी का प्रेरणा श्रोत व देश का गौरव हैं। मौके पर संरक्षक काशीनाथ पाहन, मंगल उरांव, बीना मुंडा, सचिव अशोक कुमार मुंडा, सुरेंद्र उराव, रोपन उरांव, फेकन पाहन, दीपक मुंडा, सुखराम उराव, सुरेंद्र मुंडा, प्रतित कच्छप, नेवाराम मुंडा, रेशमी कुमारी, सुप्रिया कुमारी, रतनी देवी, रश्मि देवी, लेवंती देवी, जानो देवी, शांति कुमारी, संगीता कुमारी, एकता कुमारी व आषा कुमारी मौजूद थीं।

बिरसा जैविक उद्यान में समिति के साथ कार्यक्रम में शामिल युवतियां।

राजनीतिक दलों में बिरसा मुंडा के प्रति दिखी आस्था

रातू। प्रखंड के विभिन्न भागों में बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा जयंती और राज्य का 23वें स्थापना दिवस की धूम रही। मुंडाटोली, कमड़े और पूरब तारूप में आयोजित समारोह के दौरान धरती आबा और उलगुनान के महानायक बिरसा मुंडा 148वीं जयंती पर श्रद्धा से याद किये गये। आदिवासी छात्र संघ, कांग्रेस, भाजपा, आजसू व खूंटकटी मुंडा सभा ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। केक काटा गया और मिठाईयां भी बांटी गयी। वक्ताओं ने भगवान बिरसा की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मौके पर संघ के केंद्रीय मीडिया प्रभारी सुमित उरांव, जिला प्रवक्ता मंगल उरांव, प्रखंड अध्यक्ष रोशन तिग्गा, सचिव अमित तिग्गा, उपाध्यक्ष रोहित उरांव, महावीर उरांव, संदीप उरांव व प्रदीप उरांव आदि मौजूद थे।

राहे में मना गौरव दिवस

राहे। प्रखंड स्थित सर्वोदय स्कूल में बुधवार को जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूल के बच्चों के द्वारा जनजातीय नृत्य एवं गाना प्रस्तुत किया गया ।साथ ही स्कूल के बच्चों के बीच भाषण प्रतियोगिता प्रश्नोत्तरी और गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देवी सिंह मानकी और सचिव कार्तिक झरिया उपस्थित रहे। वहीं स्कूल के प्रबंधक भी मौजूद थे।

झामुमो ने धरती आबा को किया नमन

खलारी। धमधमिया बिरसा चौक पर झामुमो खलारी प्रखंड के सभी पदाधिकारी ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मालार्पण किये। नेतृत्व खलारी प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान ने किया। इस अवसर पर श्री अनिल ने कहा कि धरती आबा के सपने एवं बलिदान को भुलाया नही जा सकता। मौके पर सुभाष प्रजापति राजेश प्रसाद शंभू दास महेंद्र चौहानए राजकुमार गंझू दिनेश्वर सिंह रंथु उरांव जगन्नाथ महतो रंजीत रजक मंजीता देवी चितरंजन सिंह सोनू ठाकुर वीरू सिंह धर्मदेव भोक्ता पुष्पा देवी विक्की मुंडा सहित अन्य मौजूद थे।

संविधान की रक्षा करना हम सभी का दायित्व : राजू महतो

जेबीकेएसएस ने निकाली बाइक रैली

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेबीकेएसएस के सक्रिय सदस्य राजू महतो ने भगवान बिरसा मुंडा जयंती और झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति, सिल्ली विधानसभा द्वारा बाइक रैली निकाली। रैली शहीद निर्मल महतो चौक, झारखंड मोड़ से सोनाहातू चौकाहातू हाड़साली स्कूल मैदान तक निकाली गई। श्री महतो ने बताया कि हाड़साली एशिया का सबसे पुराना हाड़ साली है, जो लगभग 2500 साल पुराना है। हाड़साली का मतलब है यहां आदिवासी समाज की मृत्यु होने के बाद उनके हाड़ को यहां गाड़ दिया जाता था। आज भी यह परंपरा चल रही है, जो यह साबित करती है कि हम झारखंडी कितने पुराने हैं। जेबीकेएसएस के केंद्रीय सदस्य राजू महतो और उनकी टीम ने उपस्थित मानकी मुंडा, आदिवासी अभिभावक को फूल माला पहना कर और साल सम्मानित किया। उन्होंने संविधान की महत्ता को बताया और कहा कि संविधान की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने संविधान को बेहतर जानने वाले टाइगर जयराम महतो को साथ देने का आग्रह किया।

बाइक रैली में ये लोग थे शामिल

जेबीकेएसएस की बाइक रैली को सफल बनाने में चोकाहातू के गोपाल सिंह मानकी, श्याम सुंदर मुंडा, अर्जुन महतो, सूरजमल मांझी, महाबीर मुंडा, देवी पाहन, विराट महतो, अरविंद महतो, शंकर महतो, नीतीश, रमेश कुमार, मुकेश कुमार, बिनोद कुमार, रामधन महतो, जितेन, विजय, काशी महतो, धर्मेंद्र कुमार, भुनेश्वर महतो, संजय महतो, जीतेन्द्र महतो आदि का विशेष योगदान रहा।

कुच्चू-ओरमांझी सड़क पर ऑटो बाइक में टक्कर, युवक की मौत

असंतुलित होकर ऑटो से टकरायी बाइक

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के कुच्चू ओरमांझी सड़क पर बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में थाना क्षेत्र के बरवे निवासी मनु उरांव का 25 वर्षीय बेटा शुभम उरांव की मौत हो गई। ओरमांझी कुच्चू रोड़ में बुधवार शाम 5.30 बजे हुई दुर्घटना के संबंधा में बताया गया कि शुभम उरांव अपने आर-वन बाइक जेएच01ईएम- 1249 में सवार हो तेज गति से अपना घर जा रहा था। जैसे ही हरचंडा के पास पहुंचा, बाइक का संतुलन बिगड़ गया और सामने से आ रहा एक आटो जेएच24सी-0169 जे जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि आटो पलट गई, वहीं बाइक का अगला भाग छतिग्रस्त हो गया। युवक का माथा में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत गई। बताया गया कि युवक डिप्लोमा कर एचईसी में कार्य करता था। कुछ माह पूर्व ही उसने काम छोड़ दिया था। वहीं उसकी एक वर्ष पूर्व ही विवाह भी हुई थी। उसकी मौत की सूचना मिलते ही स्वजनों में चिख-पुकार मच गई।

शुभम उरांव की फाइल फोटो।

जन्मदिन पर ही फंदे पर झूल गया युवक, मौत

तीन वर्ष पहले किया था प्रेम विवाह, पत्नी चली गयी थी मैके

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। पुलिस द्वारा 22 वर्षीय युवक मिथलेश सिंह का शव उसके कमरे से बरामद किया गया है। थाना क्षेत्र के रूक्का निवासी पिता जगरन्नाथ सिंह के अनुसार युवक प्रेम विवाह किया था। उसका एक बेटा व बेटी भी है। विवाह के बाद से पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। 15 दिन पूर्व उसकी पत्नी सुषमा देवी दोनो बच्चों को लेकर अपने पिता के घर खूंटी चली गई है। मंगलवार रात को युवक भोजन कर अपने कमरे में सोने गया। सुबह देर तक बाहर नहीं आया तो घर वाले उठाने गए तो देखा कि उसका शव एसवेस्टस मकान के छत पर लगी एंगल के सहारे फांसी पर लटका था। आसपास के लोगों की मदद से उसे उतारा गया। तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस द्वारा पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। युवक के असमय मौत से गांव वालों ने दुख जताया।

झारखंड स्थापना दिवस पर हुआ था जन्म

युवक के पिता व छोटा भाई रूपेश सिंह ने बताया कि युवक का जन्म बिरसा मुंडा जयंती झारखंड स्थापना के दिन ही हुई थी। आज उसका जन्मदिन था और आज के दिन ही उसने आत्महत्या कर लिया। बताया गया कि गांव में अपने मामा के घर रहने वाली सुषमा से उसने प्रेम विवाह किया था। युवक के स्वजनों के अनुसार प्रेम विवाह से पत्नी के मामा व स्वजन नाराज थे। पत्नी से भी उसका रिस्ता ठीक नहीं था। एक वर्ष पूर्व पत्नी द्वारा ओरमांझी थाना में मारपीट करने की शिकायत भी की गई थी। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे पूर्व पंस सदस्य समीउल्लाह अंसारी ने कहा कि उस वक्त काफी समझा-बुझा कर दोना के बीच समझौता कराया गया था। युवक की मौत पर दुख भी जताया।

एक नजर में

कृषि क्षेत्र में नैनो टेक्नोलॉजी के उपयोग पर चर्चा

खूंटी। बुधवार को खूंटी में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान कृषि क्षेत्र में नावाचार पर चर्चा की गई। इसमें नैनो टेक्नोलॉजी, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी के उपयोग के बारे में चर्चा की गई। इस मौके पर खूटी, गुमला, पश्चिम सिंहभूम, दुमका, पलामू, गोड्डा, पाकुड़, सिमडेगा, साहिबगंज के जनजातीय क्षेत्र में टेक्नोग्राउंड ड्रोन से नैनो यूरिया, नैनो डीएपी और सागरिका का ड्रोन से छिड़काव कराया गया। इसके बाद से झारखंड में किसानों का रुझान तरल उर्वरकों के प्रति दिखाई दे रहा है। कई किसानों ने इसे अपनाने की बात कही है।

■ **विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में ड्रोन का प्रक्षेपण**

आइएचएम के विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

मांडर। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में शानदार प्रदर्शन दिखाया। पहले चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में देश के नामी.गिरामी होटल एवं अन्य संस्थाओं जैसे ताज ग्रुप आईटीसी द ओबेरॉयए द पार्क होटल सोडेक्सो एवं नुटेस्ट फूड एंड ड्रिंक्स ने शिरकत की, जिसमें कुल 17 छात्रों का चयन हुआ तथा दूसरे चरण के प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन दिनांक एक दिसंबर को किया जायेगा। सोडेक्सो के नेशनल अकाउंट डायरेक्टर श्री मंजीत अहलावत ने संस्थान के छात्रों की कौशल की सराहना करते हुए बताया की आईएचएम रांची के शिक्षक वास्तव में कॉलेज के मानकों और अनुभव को अगले स्तर पर लाने के लिए प्रयासरत हैं। संस्थान के प्राचार्य डॉ भूपेश कुमार द्वारा सभी सफल छात्रों को शुभकामना दिया गया।

पीएम ने किया शायलो प्रोजेक्ट का शिलान्यास

खलारी। झारखंड स्थापना दिवस के पावन अवसर पर बिरसा मुंडा के पावन धरती खूंटी जिला से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के द्वारा उत्तरी कर्णपूरा क्षेत्र में 442.72 करोड़ की लागत से केडीएच पुरनाडीह कोल हैंडलिंग प्लांट ;शायलो ऑनलाइन शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर सीसीएल व मधुकोन प्रोजेक्ट लिमिटेड के द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया था। जिसमे एरिया प्रबंधन ने शिलान्यास स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था। कार्यक्रम में यूनियन नेता गोल्डन यादव कमलेश सिंह डीपी सिंह दिनेश भर कृष्णा चौहान ललन सिंह प्रेम कुमार सुनील सिंह रंथु उराँव प्रखंड प्रमुख सोनी तिग्गा मुखिया ललिता देवी दीपमाला कुमारी शिवरत मुंडा भाजपा नेताओ में से श्याम सुंदर सिंह शशि साहू सत्रुनजय सिंह अरविंद सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

कलिंदर महतो की स्मृति दिवस पर प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मानित

इटकी। इटकी दरहाताड़ में बुधवार को क्षेत्र के समाज सेवी सह सफल किसान स्व कलिंदर महतो की 39 वीं स्मृति दिवस भव्य रूप से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दरहाटांड़ स्थित स्व कलिंदर महतो स्मारक स्थल में स्थापित मूर्ति पर अतिथियों द्वारा फूल माला चढ़ाकर की गयी। समारोह के मुख्य अतिथि मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने स्व महतो द्वारा कृषि व समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये रचनात्मक कार्यो की चर्चा की। इस मौके पर प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

रातू : भईया दूज और चित्रगुप्त पूजा की धूम

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। प्रखंड में बुधवार को भईया दूज, कलम-दवात और चित्रगुप्त पूजा की धूम रही। चारो ओर चहल-पहल रही। मुख्य समारोह काठीटांड़ स्थित ललितग्राम में आयोजित किया गया। इसे लेकर भव्य पंडाल बनाये गये थे। चित्रगुप्त पूजा समिति की ओर से इष्टदेव की मूर्ति स्थापित कर पूजा-अर्चना की गयी। वहीं बहनों ने भाइयों के लंबी उम्र की कामना कर यम कूटने की रश्म अदा की। आरती में भक्तों की भीड़ उमड़ी। उनके बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा अनुष्ठान पुजारी वीरेंद्र पाठक ने कराया। मौके पर डॉ सीबी सहाय, डॉ सुजित कश्यप, रंजेश श्रीवास्तव, रामकुमार सिन्हा, प्रदीप सिन्हा, पंकज वर्मा, आशीष सिन्हा, आनंद कुमार, नीरज कुमार, संजय सिन्हा, नरेश प्रसाद, दिनेश प्रसाद, अनिल लाल, जयदीप सिन्हा, अशोक कुमार, शिवम वर्मा, बिक्रम लाल व राजकुमार सिन्हा आदि मौजूद थे।

विधायक ने मनायी बिरसा मुंडा की जयंती, प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। शहीद बिरसा मुंडा की जयंती झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर प्रखंड मुख्यालय परिसर स्थित शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर विभिन्न राजनीतिक दल के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मल्यापर्ण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मौके पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। विधायक ने कहा कि बीर बिरसा मुंडा के संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। युवा पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर प्रमुख दीपा उरांव, उप प्रमुख जयपाल हजाम, वरिष्ठ कांग्रेसी शिवदास गोस्वामी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष विशाल स्वासी, कार्यकारी अध्यक्ष मुन्ना मुंडा, शफीक अंसारी, समीम खान, पूर्व मुखिया अनिता देवी इत्यादि ने भी शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मल्यपर्ण किए। जोन्हा तथा रूपडू में भी बिरसा मुंडा की जयंती मनायी गयी।

विधायक ने किया डुकू तालाब छठ घाट का निरीक्षण

बेड़ो। बेड़ो के डुकू छठ तालाब का बुधवार को विधायक शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छठ घाट के साफ सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मौके पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि तालाब परिसर साफ हो। जिससे छठव्रतियों को किसी भी तरह से कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही सारी व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने का निर्देश दिया गया।

भाई दूज : बहनों ने भाई की लंबी उम्र की कामना की

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। भाई.बहनों के प्रेम व स्नेह का त्यौहार भाई दूज बुधवार को प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान बहनों व महिलाएं परंपरागत पहनावा में पूजा.अर्चना की। परंपरा के अनुसार बहनों ने अपने भाई के दुश्मन का गोबर से तस्वीर बनाकर भाई के दुश्मनों को लाठियों से कुटाई करते हुए अपने भाई की लंबी उम्र की कामना की। साथ ही मौके पर पारंपरिक गीत भी महिलाओं ने गाए। बहनों अपने भाइयों के चिरंजीवी और यशस्वी होने की कामना करते हुए माथे पर तिलक लगाया। और उनके उज्जवल भवष्यि की कामना की।मौके पर भाइयों ने बहनों को उपहार प्रदान किया।वहीं दिन भर बहनों का अपने भाईयों के यहां टीका लगाने के लिए पहुंचने का सिलसिला जारी रहा।

सिल्ली में भाई दूज की रही धूम

सिल्ली। सिल्ली आसपास एवं पश्चिम बंगाल के तुलीनए झालदा के क्षेत्रों में बुधवार को भाई.बहन के स्नेह का त्योहार भाई दूज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाई को तिलक लगाकर बहनों ने लंबी उम्र की कामना किया। बंग समुदाय ने इस त्योहार को भाई फोटा रुप में मनाया। विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर बहनें भाई को तिलक लगा मिठाई खिलाई।

लोकसभा-विधानसभा से भी मजबूत होती है ग्रामसभा : विधायक

खबर मन्त्र संवाददाता

लापुंग। लापुंग के बिरसा चौक में मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की के विधायक मद से धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की स्थापित नई आदमकद प्रतिमा का कांग्रेस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की और खुद विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने संयुक्त रूप से नवनिर्मित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कम खाएं परन्तु बच्चों को पढ़ाएं यही हमें संघर्ष करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ हमें आजादी दिलाने के लिए महज 25 वर्ष की आयु में ही अपना सर्वोच्च बलिदान दे दिया। ऐसे महान आत्मा के सपनों को पूरा करने की जरूरत है। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आदिवासियों का संरक्षक बनने वाले जमीन के दलालों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की जमीन की दलाली कर आदिवासी समाज को खोखला करने वालों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि झारखंड में एक बार फिर से प्रधानमंत्री आवास का आबंटन आ गया है लेकिन मिलेगा या नहीं उसकी कोई गारंटी नहीं। लेकिन मुख्यमंत्री अबुआ आवास योजना का लाभ जरूरत मंदों को जरुर मिलेगा।

जल, जंगल, जमीन की लड़ी थी लड़ाई

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बन्धु तिर्की ने कहा भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रजो के खिलाफ जल जंगल और जमीन की लड़ाई लड़ते हुए शहीद होकर देश को आजादी दिलायी और उसी समय आदिवासी जमीन को बचाने के लिए सीएनटी एक्ट बना। इसी एक्ट से आदिवासियों के हक और अधिकार की रक्षा होती है लेकिन कुछ जमीन के दलाल और बिचौलियों के कारण आदिवासियों की जमीन लूटती रहीं हैं। झारखंड राज्य में जातीय जनगणना बहुत ही जरूरी है। इससे राज्य में किस जाति की कितनी संख्या है पता चलेगा। बंधु तिर्की ने कहा कि लोकसभा और विधानसभा से भी मजबूत होती है ग्रामसभाए ग्रामप्रधानों को ग्राम सभा के माध्यम से असीम शक्ति प्रदान की गई है। इसे बारीकी से समझने की जरूरत है। इस मौके पर खूंटी जिले से आए सरना धर्म गुरुओं ने जय मंगल मुंडा के नेतृत्व में बिरसा मुंडा की प्रतिमा की विधिवत पूजा अर्चना की गई और सामुहिक प्रार्थना का आयोजन किया। वहीं दूसरी ओर गाड़ी गांव में भगवान बिरसा मुंडा की याद में जतरा का आयोजन किया गया। उधर पबिरा गांव में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान यहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही।

नदी जोड़ो अभियान

राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा नदियों को जोड़ने वाली परियोजना को मंजूरी मिली। इसे ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री ने इस परियोजना को समूचे बुंदेलखंड के सुनहरी भविष्य की भाग्यरेखा बताया। निस्संदेह इस परियोजना के अस्तित्व में आने से जहां लाखों हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी, वहीं प्यासे बुंदेलखंड की प्यास भी बुझेगी। जहां प्रगति के द्वार खुलेंगे, वहीं क्षेत्र से लोगों का पलायन रुकेगा, जो आने वाली पीढ़ियों की दुश्वारियों का अंत करेगी। समाज व सरकार की सक्रिय भागीदारी योजना के क्रियान्वयन में तेजी लायेगी। इस परियोजना से जहां दोनों राज्यों के अंतर्गत आने वाले बुंदेलखंड के 10.62 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई संभव होगी, वहीं 62 लाख घरों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके अलावा मध्य प्रदेश के पन्ना जनपद में केन नदी पर एक बांध भी बनाया जायेगा, जिससे करीब 221 किलोमीटर लिंक नहर भी निकाली जायेगी, जो झांसी के निकट बेतवा नदी को जल उपलब्ध करायेगी। इस लिंक नहर के जरिये उन बांधों को भी पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा, जो बरसात के बाद भी जल उपलब्ध करा सकेंगे। दरअसल, यूपीए सरकार के दौरान 2005 में उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश में समझौता हुआ था। जल शक्ति मंत्रालय की कोशिश है कि जलवहन प्रणाली के माध्यम से मानसून अवधि में जल का संग्रहण करके गैर मानसून अवधि में पानी का उपयोग किया जा सके। यह विडंबना ही है कि देश की आजादी के सात दशक बाद भी हम हर व्यक्ति तक पेयजल नहीं पहुंचा सके। विडंबना यह भी है कि राज्य सरकारों की प्राथमिकता में जल संसाधनों का संरक्षण व संवर्धन शामिल ही नहीं रहा है। जल अपव्यय रोकने और कुशल जल प्रबंधन में कामयाब नहीं रहे हैं। यही वजह है कि देश में जल संग्रहण के परंपरागत स्रोत खात्मे की कगार पर हैं।

एआई का खतरा

हाल ही में बॉलीवुड की एक नायिका के वीडियो में छेड़छाड़ करके उसे विकृत करने के मामले ने इन आशंकाओं की हकीकत को बताया है। दरअसल, डीपफेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के टूल द्वारा छवियों और वीडियो को शरारतन बदलने का वह जरिया है, जिससे समाज में भ्रामक स्थिति पैदा की जा सकती है। उसमें वह कहा या होता दिखा दिया जाता है जो वास्तव में होता ही नहीं है। लेकिन असली होने का भ्रम पैदा करता है। निश्चित ही जिस व्यक्ति को निशाने पर लिया जाता है उसके लिये इससे असहज व अपमानजनक स्थिति पैदा हो जाती है। यकीनी तौर पर डीपफेक के जरिये भ्रामक सूचना प्रसारित करने व गोपनीयता उल्लंघन की क्षमता चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, आईटी साधनों के जरिये अपराधी सोच के लोग क्राइम करने, किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने, चुनाव के संवेदनशील समय का दुरुपयोग करने तथा लोगों का लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास कम करने का कुत्सित प्रयास कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑनलाइन सभी डीपफेक वीडियो में 98 फीसदी वयस्कों से जुड़ी सामग्री होती है। जो ज्यादातर महिलाओं को निशाना बनाती है। सबसे ज्यादा चिंता की बात तो यह है कि भारत दुनिया के असुरक्षित देशों में छठे स्थान पर आता है। हाल ही में बॉलीवुड की अभिनेत्री के वीडियो से छेड़छाड़ के प्रकरण ने शासन-प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। साथ ही देश में वायरल फुटेज के लिये दोषी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग तेज हुई है। दरअसल, हाल के दिनों में सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। लोग सहज भाव से अपनी फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते हैं। जो ऐसे खतरों की जद में लगातार बने रहते हैं।

कश्मीर जन्नत है, अब यह सभी को नसीब है

केंद्र ने भारतीय नागरिकों के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्त होने के एक साल बाद कई कानूनों में संशोधन करके जम्मू-कश्मीर में सभी भारतीयों के जमीन खरीदने का तोहफा दिया है। पिछले साल अगस्त में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए को निरस्त करने से पहले, जम्मू-कश्मीर में गैर-निवासी कोई अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे। ताजा बदलावों ने गैर-निवासियों के लिए जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदने का मार्ग प्रशस्त किया है। दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर के नजरबंद नेताओं ने रिहा होते ही फिर से अपनी पुरानी खुराफात चालू कर दी है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, माकपा तथा जम्मू-कश्मीर अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने यह मांग कर दी कि भारत सरकार राज्य के लोगों को वो सारे अधिकार फिर से वापस लौटाए जो पांच अगस्त 2019 से पहले उनको हासिल थे।

अब उनके द्वारा इस नए कदम का विरोध भी वहां शुरू हो गया है। पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकर डिक्लेरेशन ने जम्मू और कश्मीर में सात मुख्यधारा की पार्टियों के एक सम्मेलन में भूमि कानूनों में बदलाव की निंदा की और सभी मोर्चों पर इसके लड़ने की कसम खाई। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें संशोधन अस्वीकार्य है। जम्मू और कश्मीर के संशोधित कानून अधिसूचना ने राज्य के भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 30 और भाग शक्क को भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजा और पारदर्शिता के अधिकार के साथ बदल दिया है।

अधिसूचना द्वारा निरस्त किए गए अन्य प्रमुख कानूनों में जम्मू-कश्मीर बिग लैंडेड इस्टेट्स (उन्मूलन) अधिनियम, शेख अब्दुल्ला द्वारा लाया गया एक ऐतिहासिक अधिनियम शामिल है, जिसने भूमिहीन टिलर को भूमि अधिकार दिया। जेके एलियनेशन ऑफ लैंड एक्ट, 1995, जेके कॉमन लैंड्स (विनियमन) अधिनियम, 1956 और जेके कंसॉलिडेशन ऑफ होल्डिंग्स एक्ट, 1962 को भी निरस्त कर दिया गया। इस पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि यह जम्मू-कश्मीर के लोगों को कहीं का न छोड़ने के लिए उठाया गया कदम है। उन्होंने ट्वीट किया, 'यह जम्मू-कश्मीर के लोगों को कमजोर करने और उन्हें कहीं का न छोड़ने के भारत सरकार के नापाक मंसूबों से जुड़ा एक और कदम है। असंवैधानिक तरीके से अनुच्छेद 370 हटाकर हमारे प्राकृतिक संसाधनों की लूट की इजाजत दी गई और अब जम्मू-कश्मीर की जमीन बिक्री के लिए रख दी। निरस्त किए जाने वाले अन्य कानूनों में कृषि होल्डिंग्स अधिनियम, 1960 के विखंडन की जम्मू और कश्मीर रोकथाम; भूमि के रूपांतरण और बागों के अलावा पर जेके निषेध अधिनियम, 1975;जेके राइट ऑफ प्रायर प्रोक्योरमेंट एक्ट, 1936 ए डी; टेनेंसी की धारा 3 (निष्कासन कार्यवाही का ठहराव) अधिनियम 1966; भूमि अधिनियम, 2010 का जेके उपयोग; जम्मू और कश्मीर भूमिगत उपयोगिताएं (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकारों का अधिग्रहण) अधिनियम शामिल है।

ये कदम संवैधानिक वैधता और उचित प्रतिबंध के साथ आया है। संविधान मूल रूप से अनुच्छेद 19 और 31 के तहत संपत्ति के अधिकार के लिए प्रदान किया गया। अनुच्छेद 19 सभी नागरिकों को संपत्ति के अधिग्रहण, धारण और निपटान के अधिकार की गारंटी देता है।

अनुच्छेद 31 में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति कानून के अधिकार द्वारा अपनी संपत्ति बचाने से वंचित नहीं होगा। यह भी प्रदान किया कि मुआवजे का भुगतान उस व्यक्ति को किया जाएगा, जिसकी संपत्ति सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए ली गई है। संपत्ति के अधिकार से संबंधित प्रावधानों को कई बार बदला गया। 1978 के 44 वें संशोधन ने संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया। एक नया प्रावधान, अनुच्छेद 300-ए को संविधान में जोड़ा गया था, जो प्रदान करता था कि कोई भी व्यक्ति कानून के अधिकार से अपनी संपत्ति बचाने से वंचित नहीं होगा। अनुच्छेद 19 के तहत सभी नागरिकों को अधिकार है कि उसे भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोगों को इकट्ठा करने के लिए और बिना हथियारों के,संघों या यूनियनों के गठन के लिए, पूरे भारत में स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए, भारत के किसी भी भाग में निवास करना और बसना, किसी भी पेशे का अभ्यास करना, या किसी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय को करना दिए गए है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (डी) और (ई) भारत के प्रत्येक नागरिक को भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से स्थानांतरित करने और भारत के क्षेत्र के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने के अधिकार की गारंटी देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के खंड (5) के अनुसार दो आधारों पर आंदोलन की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगाया जा सकता है- आम जनता के हित में एवं अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण के लिए, खड़क सिंह बनाम यूपी मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से स्थानांतरित करने का अधिकार का अर्थ है निर्बाध रेखा का अधिकार जो किसी को भी पसंद करने के अधिकार को दर्शाता है, और हालांकि वह पसंद करता है।

उत्तर प्रदेश बनाम राज्य कौशल्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि वेश्याओं के आंदोलन का अधिकार सार्वजनिक स्वास्थ्य के आधार पर और सार्वजनिक नैतिकता के हित में प्रतिबंधित किया जा सकता है। निवासी की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 (1) (ई) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (ई) भारत के प्रत्येक नागरिक को गारंटी देता है। भारत के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने का अधिकार। इस अधिकार को उचित प्रतिबंधों के अधीन किया जाता है, जो कि अनुच्छेद 19 के खंड (5) के तहत है, आम जनता के हित में या किसी अनुसूचित जनजाति के हितों की रक्षा के लिए, राज्य द्वारा लगाया जा सकता है। आंदोलन और निवास की स्वतंत्रता केवल भारत के नागरिकों पर लागू होती है।

- प्रियंका सौरभ

> अनुच्छेद 19 के तहत सभी नागरिकों को अधिकार है कि उसे भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोगों को इकट्ठा करने के लिए और बिना हथियारों के,संघों या यूनियनों के गठन के लिए, पूरे भारत में स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए, भारत के किसी भी भाग में निवास करना और बसना, किसी भी पेशे का अभ्यास करना, या किसी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय को करना दिए गए है।

खास बात

बेहाल मजदूर

नागेन्द्र सिंह

किसी भी समाज, देश संस्था और उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों की अहमियत किसी से भी कम नहीं आंकी जा सकती। इनके श्रम के बिना औद्योगिक ढांचे के खड़े होने की कल्पना नहीं की जा सकती। दिहाड़ीदार मजदूर की गतिविधियों या डेटा के संग्रह की किसी कानूनी प्रावधान के तहत संजोकर नहीं रखा जाता है मतलब ये की सरकार इनका खाता नहीं रखती है। इन दिहाड़ीदार मजदूरों/अनौपचारिक / असंगठित क्षेत्र का जीडीपी और रोजगार में योगदान के मामले में भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख स्थान है। देश के कुल श्रमिकों में से, शहरी क्षेत्रों में लगभग 72 प्रतिशत दिहाड़ीदार/अनौपचारिक क्षेत्र में लगे हुए हैं।

शहरी विकास में दिहाड़ीदार/अनौपचारिक क्षेत्र का महत्व बहुत ज्यादा है। भारत के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 500 मिलियन श्रमिकों के भारत के कुल कार्यबल का लगभग 90% अनौपचारिक क्षेत्र में लगा हुआ है। यही नहीं प्रवासी दिहाड़ीदार मजदूर न केवल आधुनिक भारत, बल्कि आधुनिक सिंगापुर, आधुनिक दुबई और हर आधुनिक देश का निर्माता है जो आधुनिकता की ग्लैमर सूची में खुद को ढालता है। भारत में शहरी अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के अनुरूप है, जो अनौपचारिक श्रमिकों दिहाड़ीदार मजदूरों और असंगठित क्षेत्र द्वारा लाइ गई है। आधुनिक अर्थव्यवस्था के पहियों को चालू रखने के लिए फ्रंट-एंड इंडिया को दैनिक जरूरत का समर्थन प्रदान करता है। फैक्ट्रियां, औद्योगिक इकाइयां, होटल, रेस्तरां और कई अन्य प्रतिष्ठान, भले ही बड़े नाम और उनके प्रसिद्ध संचालकों के बावजूद ऐसे श्रमिकों या दिहाड़ीदारों पर निर्भर करते हैं। ये अलग-अलग कार्यों के लिए आते हैं। उबर और ओला ड्राइवर,राजमिस्त्री, बढ़ई, फूड डिलीवरी बॉय, पेंटर, प्लम्बर और कई अन्य हैं। प्रवासन आय में सुधार, कौशल विकास, और स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी सेवाओं तक अधिक पहुंच प्रदान करने जैसे कार्यों में मदद कर सकता है। इसके बावजूद ये दिहाड़ीदार बहुत सी समस्यों से घिरे हुए है।

गुरुमुख कौन?

धर्म-प्रवाह

साध्वी मनीषा

हमारी चेतना के साथ प्रकाश का जुड़ाव बहुत गहरा है। भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि जिस प्रकार एक ही सूर्य संपूर्ण लोक को प्रकाशित करता है, वैसे ही एक आत्मा संपूर्ण क्षेत्र को प्रकाशित करती है। ऋषि मुनियों और संतों का अनुभव भी यही है कि स्वांसों के भीतर की शक्ति को जानने के प्रयोग में सबसे आखिर में जो बचता है, वह प्रकाश ही है। सभी सच्चे गुरु एक महासूर्य के समान होते हैं। प्रकाश की तरफ मुंह करने का मतलब है गुरुमुख होना। जैसे ही कोई मनमुख गुरुमुख होता है तो उसके जीवन में प्रकाश का प्रवेश शुरू हो जाता है। बाहर के प्रकाश से भीतर का अंधकार नहीं मिटता लेकिन भीतर के प्रकाश से बाहर का अंधेरा भी प्रकाशमान अवश्य हो जाता है। भीतर के इस प्रकाश के लिए क्रियाओं के अभ्यास से भीतर की बत्ती जलानी होती है।

प्रकाश की किरणें दिखाई पड़ना शुरू हो जाती हैं, ठीक वैसे ही जैसे सूर्य खुद को जलाकर प्रकाशित होता है। दिव्य ज्योति के प्रकाश की उर्जा जिनके भीतर फूटी है, सोहं, शिवोहं का उद्घोष उन्होंने ही किया है।

जैसे सूर्य लाखों-करोड़ों को जीवन देता है, वैसे ही जिस व्यक्ति के भीतर इस दिव्य ज्योति का उदय हो गया हो, वह भी लाखों-करोड़ों के जीवन की करुणा का अविरल स्रोत होता है। करुणा से ही मनुष्यता है और करुणा भीतर के प्रकाश का सहज परिणाम होती है। आओ सभी अभ्यास के प्रति प्रतिबद्ध होकर अपने भीतर की बत्ती जलाएं।

कार्टून वर्ल्ड

आपके ट्वीट

जम्मू कश्मीर के डोडा में बस के खाई में गिरने से कई लोगों की मृत्यु होने की अत्यंत दुःखद सूचना मिली। पीड़ित परिवारों एवं प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ।

-सुदेश महतो, आजसू सुप्रीमो

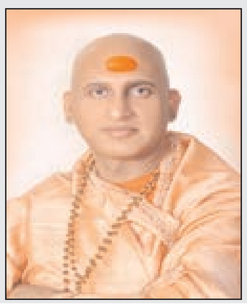

अरण्य अनेक सभ्यता संस्कृति व लोकोपकारी वृत्तियों के जनक हैं। रामायण,महाभारत,वैदिक ऋचाओं और उपनिषदों का उद्गम अरण्यों में ही हुआ है। अतः जैव जगत के अभ्युत्थान हेतु वन-उपवनों का अभिरक्षण हो !

-स्वामी अवधेशानंद गिरी

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के शुभ अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी का झारखण्ड की वीर भूमि पर हार्दिक अभिनंदन, स्वागत और जोहार। मुझे गर्व है आदिवासी होने पर।

-हेमंत सोरेन

भगवान बिरसा ने समाज को नई दिशा दी

रानी राज

बिरसा मुंडा जीवन की कई घटनाएं उचित दस्तावेज के उपलब्ध न होने के कारण आज भी अनसुलझा हुआ है जैसे इनका जन्म तारीख , जन्म स्थल और मृत्यु। इस बारे में सष्टता नहीं की क्या इन्होंने ईसाई धर्म अपनाया था या केवल स्कूल में पढ़ने के कारण पालन करते थे। बिरसा ने चाईबासा के जर्मन मिशन स्कूल में शिक्षा प्राप्त की थी, लेकिन वह 'जल्द ही अपने पूर्वजों के पुराने मुंडा विश्वास में लौट आए।'

लेकिन इन अनसुलझे रहस्यों के बीच भी बिरसा मुंडा अपने लक्ष्यों को लेकर साफ थे। वे अपने लोगो को शोषण से मुक्त करना चाहते थे , अपना पुराना मुंडा शासन प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करना चाहते थे और दिकुओं , जमींदारों और ब्रिटिश अधिकारियों को अपने मुंडा देश से बाहर करना चाहते थे।

बिरसा के सामाजिक , धार्मिक और राजनीतिक कार्यों का प्रभाव केवल मुंडाओं तक सीमित नहीं था , न ही ये केवल किसी एक देश काल तक सिमित रहा। उनके सामाजिक और राजनैतिक कार्यों का प्रभाव कृषकों से लेकर महिला तक पड़ा। सरदारी आंदोलन के आर्थिक कारणों ने बिरसा के आंदोलन की आधार शिला रखी थी। सरदार मुंडा और उरांव के शिक्षित ईसाई वर्ग थे । ये अपने छोटानागपुर में अपने भूमि के जमींदारों द्वारा हड़प लेने और कई तरह के

सामयिक

कानूनी टैक्स लगाने से आंदोलित थे। ये सरकार को ज्ञापन दिए , चर्च का साथ दिए और कलकत्ता कोर्ट में कानूनी लड़ाई लड़े तब भी इनकी बात सुनी नहीं गई। छोटानागपुर में मुंडाओं के खुंटकट्टी अधिकारों का हनन होता रहा और जमींदारों ने मुंडाओं के पुश्तैनी जमीन पर अधिकार जारी रखा। बिरसा अपने युवा होते यह बात समझ चूका था की साहब साहब एक टोपी है , मतलब चर्च और ब्रिटिश अधिकारी एक है। सरदारी आंदोलन के समर्थक बिरसा के विचारों से प्रभावित होकर बिरसा के समर्थक बन गए। बिरसा ने शुरुआती चरण में अपने आंदोलन को धार्मिक और सामाजिक सुधार तक सीमित रखा। बहुदेववाद के आदिवासी प्रणाली में यह एक नवीन जागरण था। सरना स्थल में पूजा पर जोर दिया और सबसे बड़ी बिरसा ने धार्मिक पुनर्वापसी का आंदोलन चला कर ईसाइयो में बदले मुंडाओं को मुंडाओं के मूल धर्म में लाने की कोसिस की। यह एक ऐसा अभियान है जो शायद ही किसी अन्य आदिवासी नेता ने इससे पहले या बाद में किया। उसने मुंडाओं के ईसाई बनने का विरोध किया। अपने मुंडा धर्म में सुधार कर उसे मजबूत करने का प्रयास किया। कमजोर पड़ रहे मुंडा आस्था को मजबूत करने के लिए नियमित पूजा , हड़िया / शराब पर पाबंदी और बलि प्रथा पर रोक का अभियान चलाया। उसने के धार्मिक पुस्तक भी लिखी जिसको आज रोंगोटो लेख के नाम से जानते है। यह बिरसा के धार्मिक प्रार्थना पुस्तक की प्रतिलिपि मानी जाती है। बिरसा द्वारा शराब पर पाबन्दी ने महिलाओ के शोषण को कम किया। उसने एक महिला से ही शादी करने की प्रणाली का विचार मुंडाओं को दिया। इससे जहा मुंडाओं की आर्थिक मजबूती कायम हो सकती थी वही महिलाओ का शोषण पुरुषवादी व्यवस्था में कम हो सकता था। वैसे भी बिरसा आंदोलन में महिलाओ ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया था।

पलामू तक उसके अनुयाई बन चुके थे। कहते है कुछ दिन के लिए वे आसाम भी गए थे। बिरसा ने मुंडाओं को बता दिया की बिना राजनितिक स्वतंत्रता और अबुआ राज कायम किये बिना मुंडाओं की जमीनों का अतिक्रमण नहीं रुकेगा , न ही जमींदार उनका शोषण बंद करेंगे।

लगातार बढ़ती सड़क दुर्घटना चिंता का विषय

समस्या

आर.के. सिन्हा

एक बार फिर से देश में सड़क हादसों पर फोकस बढ़ गया है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल यानी 2022 में 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। ये वास्तव में एक बहुत ही बड़ा आंकड़ा है। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क हादसे हुए। हम जिस रिपोर्ट की बात कर रहे हैं उसे सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने ही जारी किया है। हादसों का वे अभागे लोग खासतौर पर शिकार हुए जो सीट बेल्ट और हेलमेट का इस्तेमाल नहीं करते।

मेरा मानना है कि हमारे यहां निजी कारों और दूसरे वाहनों को चलाने वाले ड्राइवरों को जितना काम करना पड़ता है उसके चलते भी बहुत सारे हादसे होते हैं। एक ड्राइवर दिन में 14-15 घंटे ड्यूटी करता है। उसे सोने का सही से मौका नहीं मिलता। उसकी कायदे से नींद पूरी ही नहीं हो पाती। चूंकि उसे अपने बीवी- बच्चों का पेट भरना होता है इसीलिए उसे दिन-रात गाड़ी चलानी पड़ती है। आप कभी किसी सरकारी या अन्य बिल्डिंग की पार्किंग को देख लें। वहां पर सैकड़ों कारें खड़ी मिलेंगी। किसी एक कार के बोनट पर चार-पांच ड्राइवर ताश खेल रहे होते हैं। उन्हें उनके कुछ साथी देख भी रहे होते हैं। अचानक से बॉस का फोन आया। एक ड्राइवर ने अपने ताश के पत्ते साथी को दिए और निकल पड़ा बॉस को लेने। यही ड्राइवर की जिंदगी है। कब कहां जाना है, कुछ पता नहीं। उसे सवाल पूछने तक का हक नहीं है। उसकी ड्यूटी का कोई समय नहीं। टेंट में चाय बनाने वाला एक स्टोव भी रखा होता है। कई ड्राइवरों से बात हुई। सबका कहना था कि जब किसी को लेकर शहर से बाहर जाते हैं, तो रात को गाड़ी में ही सो जाते हैं। इतना पैसा तो मिलता नहीं कि होटल या धर्मशाला में रुक सके। बेशक, ड्राइवरी के पेशे से वे ही जुड़ते हैं जिनके पास कोई विकल्प नहीं होता। कोई भी ड्राइवर नहीं बनना चाहता। कोई ड्राइवर अपने बच्चों को ड्राइवर बनाना भी नहीं चाहता। पर मजबूरी क्या नहीं करवाती।

औसत ड्राइवर तो जीवन भर संघर्ष ही करता रहता है। चूंकि ड्राइवरों को रोज 14-15 घंटे तक काम करना होता है तो इनकी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। सोने का इन्हें समय नहीं मिलता। इसका नतीजा यह होता है कि इतने ज्यादा हादसे होते हैं। ड्राइवर कभी यह नहीं कह सकता कि रात के वक्त चलना खतरे से खाली नहीं है। ड्राइवरों को तो हुक्म को मानना ही है। उसकी सिर्फ कमी निकाली जाएगी। कौन सुनता है उसकी कहानी।

आप जानते हैं कि टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में ही अकाल मौत हुई थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, मशहूर कलाकार जसपाल भट्टी, कांग्रेस नेता राजेश पायलट और केन्द्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे सड़क हादसों का ही शिकार हुए। अभी तो इन्हें देश को बहुत कुछ देना था। सायरस मिस्त्री की मौत से भारत का आमजन और कॉरपोरेट संसार हिल गया था।

मिस्त्री चमक-धमक से दूर रहने वाले, सज्जन, प्रतिभाशाली और गर्मजोशी से भरे मनुष्य थे। मिस्त्री अपनी पीढ़ी के श्रेष्ठ व्यावसायिक प्रतिभाओं में से एक और बेहद सज्जन व्यक्ति थे। उनका वैश्विक दिग्गज कंपनी शापूरजी पालोंजी को बड़ा करने में अहम योगदान था। सायरस मिस्त्री में नेतृत्व के पर्याप्त गुण थे।

लेटर टू एडिटर

संकट और शिक्षा

वर्तमान में शिक्षा की दशा और दिशा ने ध्यान आकर्षित किया। देश में यदि करोना केस लाखों में है तो अभिभावक की नजर से सरकार के इस फैसले का स्वागत नहीं किया जा सकता। इसमें स्वैच्छिक विकल्प और अनुमति का प्रश्न ही नहीं उठता। लेकिन इस बात की क्या गारंटी है कि बच्चे और स्कूल, नियमों के पालन में लापरवाही नहीं करेंगे? इस बात पर ध्यान दें सरकार।

-मनोज, चांडिल

विस्तार मिले

हिन्दी एकमात्र ऐसी भाषा है जो संपूर्ण देश को एक सूत्र में जोड़ने का काम कर सकती है। भारतीय संस्कृति की आत्मा एवं संस्कारों का प्रतिबिंब तथा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। हिंदी को अधिक शक्तिशाली बनाने की आवश्यकता है। हिंदी को साहित्य, संस्कार एवं संस्कृति के अतिरिक्त शोध, अनुसंधान, ज्ञान-विज्ञान, जनसंचार, प्रौद्योगिकी तथा रोजगार से भी जोड़ने की आवश्यकता है।

-आवंतिका, रांची

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

डीसी व एसपी ने बिरसा मुंडा को किया नमन

रामगढ़। झारखंड स्थापना दिवस व भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर बुधवार को छत्तरमांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर उपायुक्त चंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे, उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, अनुमंडल पदाधिकारी शीलवंत कुमार भट्ट सहित जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उपायुक्त ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए यह संकल्प लेने का दिन है कि हम किस प्रकार झारखंड को एक विकसित राज्य बनाने में अपना योगदान दें एवं समाज के आखिरी व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं।

काली पूजा पर भव्य भंडारा आयोजित

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल सहित आसपास क्षेत्रों में काली पूजा के अवसर पर भव्य भंडारा का आयोजन हुआ। दत्तो नलकारी व भुरकुंडा टिपला रेलवे साइडिंग में भंडारे का शुभारंभ भारतीय जनतंत्र मोर्चा की महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की समाजसेवी निशि पांडेय ने प्रसाद का वितरण कर किया। पांडेय ने कहा कि भंडारे से लोगों के बीच भक्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि पूजा में सहयोग करने से मन व आत्मा दोनों को संतुष्टि मिलती है।

रजरप्पा : खेत में लगी फसल नष्ट

रजरप्पा। खेत में लगी फसल को बर्बाद करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। बड़कीपोना निवासी शोभा मुंडा ने एसपी को पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने खेत में खड़ी फसल (बैंगन) को नष्ट कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी है। शोभा ने बताया कि लोहिया भवन मुंडा टोला स्थित भूमि पर खेत में लगी फसल को स्थानीय निवासी चंद्रकिशोर पासवान अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर फसल को नष्ट कर दिया. साथ ही विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी है. उन्होंने पुलिस से उचित न्याय की मांग की है। दूसरी तरफ गांव के चंद्रकिशोर पासवान ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

काली पूजा पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्रीश्री महाकाली पूजा समिति कशमीर चैक लबगा के तत्वावधान में मंगलवार की देर शाम लबगा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि आजसू के केंद्रीय महासचिव रोशन लाल चौधरी, पार्षद राजाराम प्रजापति, लबगा पंचायत की मुखिया प्रभारी किरण यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने आकर्षक नृत्य व गीत प्रस्तुत कर उपस्थित ग्रामीणों को झुमाए रखा।रोशन लाल चौधरी ने कहा कि ऐसे आयोजनो से आपसी भाईचागरी बढ़ती है। साथ ही ग्रामीणों को मनोरंजन करने का अवसर भी मिलता है। मौके पर लखन मुंडा, पूर्व उप मुखिया लालू महतो, वार्ड सदस्य सुरेश गोप, समाजसेवी रंजीत यादव सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

दोतल्ला पंचायत में मनी बिरसा मुंडा की जयंती

भुरकुंडा (रामगढ़)। बुधबाजार दोतल्ला पंचायत के बिरसा चौक में बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ देवलाल मुंडा ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का पारंपरिक तरीके से पूजा-अर्चना व माल्यार्पण कर किया। बिरसा मुंडा के सपनों को साकार करने के लिए उनके बताए मार्ग व सिद्धांतों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुखिया सत्यवंती देवी, पूर्व मुखिया लव कुमार महतो, रोशन कुमार, रितिका भोक्ता, रंजीत बेसरा, मिथिलेश टुडू, राजन करमाली, सेरोफेना एक्का, प्रेमनाथ साहू, संतोष उरांव, सामू मुंडा, किशुन महली, हीरामणि उरांव, राजकुमार गौड़, अविनाश कुमार, संजय कुमार, ज्योति लकड़ा, अनीता देवी, महेंद्र सोरेन, पिंटू उरांव, संजय शर्मा सहित दर्जनों लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

सास-बहू सम्मेलन आयोजित

विष्णुगढ़। मंगेरो कलस्टर नावाटांड में सास-बहू सम्मेलन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया चंद्रशेखर पटेल एवं संचालन सहिया मंजू देवी ने किया। इस कार्यक्रम में दर्जनों सास व बहुओं ने भाग लिया। सास बहू की 10 जोड़ी सास बहू के रिश्ता बेटी के जैसा हो और अच्छा सवाल जवाब देने वाली जोड़ियां को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित सहीया साथी अंजू देवी, सहिया मंजू देवी, सहिया पिंकी देवी ने उपस्थित दंपति को शादी के 3 साल के अंतराल पर पहला बच्चा, अस्थाई बंध्याकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ हीं लोगों को सम्मानित किया गया।

देश के स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति समाज का रहा बहुमूल्य योगदानः पुन्नू

रजरप्पा। चितरपुर प्रखंड के लारीकलां पंचायत के छोटकीलारी गांव में बुधवार को महान स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। पूर्व प्रधानाचार्य पुन्नू राम नायक एवं बच्चों ने भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। उनके आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के विरुद्ध आजादी की लड़ाई में उलगुलान छेड़ दिया जो उस वक्त युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरे और आजादी के लिए युवाओं का मूल मंत्र बन गए थे। 15 नवंबर जनजाति गौरव दिवस मनाने की घोषणा को लेकर केंद्र सरकार को बधाई दी। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजाति समाज का बहुमूल्य योगदान रहा।

स्थापना दिवस पर हजारीबाग में कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने 72.28 करोड़ रुपये की परिसंपतियों का वितरण, कहा

बेघरों को अबुआ आवास देगी सरकार

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। राज्य स्थापना दिवस के मौके पर जिला स्तरीय कार्यक्रम नगर भवन में हुआ। बतौर मुख्य अतिथि बादल पत्रलेख ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए राज्यवासियों को स्थापना दिवस की शुभकामना दी। उन्होने कहा बिरसा मुंडा के अबुआ दिशुम अबुआ राज अर्थात अपना देश अपना राज के संकल्प को हेमन्त सरकार पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य के वंचित बेघरों के लिए अबुआ आवास योजना से पक्का मकान, सभी वृद्धजनों के लिए सर्वजन पेंशन योजना, किसानों के लिए ऋणमाफी, सुखाड़ राहत जैसी योजना लाकर बेरोजगारों को रोजगार, स्वरोजगार के नए अवसर सरकार ने दिया है। बरकट्ठा विधायक अमित यादव ने कहा प्रस्तावित पंचायत स्तरीय शिविर में सरकार की योजना को धरातल पर पहुंचाने के लिए सरकारी तंत्र खासकर निचले स्तर पर अधिकारियों, कर्मचारियों को संवेदनशीलता के साथ साथ सही व्यक्ति को निर्धारित समय सीमा में योजना डिलीवर करने के लिए जिम्मेवारी तय करने, ईमानदारी से जनता की समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता बताई। उपायुक्त नैन्सी सहाय ने कहा ज़िला प्रशासन सरकार की कल्याणकारी एवं विकास योजना को धरातल पर प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए काम कर रही है। योजना की पहुंच सभी लोग तक पहुंचे इसके लिए योजनाओं की सही जानकारी जरूरी है। मौके पर अतिथियों के द्वारा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 5 छात्रा, कल्याण विभाग की तरफ से कोचिंग सेंटर संचालक एवं कपड़ा जूता व्यवसाय के लिए अनुदान राशि, सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत पत्र, जेएसएलपीएस के माध्यम से संचालित फूलों झानो आशीर्वाद योजना, सामुदायिक निवेश निधि बैंक क्रेडिट लिंकेज योजना के तहत लाभुकों को चेक प्रदान किया गया। मौके पर डीएमएफटी, जिला परिषद, ग्रामीण कार्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, भवन निर्माण से संबंधित योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया गया।

सोहराय डायर जतरा मेला झारखंडी संस्कृति की पहचान : जयंत सिन्हा

बासल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करते सांसद जयंत सिन्हा

भुरकुंडा (रामगढ़)। बासल थाना क्षेत्र के किन्नी गांव में मंगलवार की देर शाम सोहराय डायर जतरा मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसका हजारीबाग सांसद जयंत व विधायक अम्बा प्रसाद, जिला पार्षद राजाराम प्रजापति, हजारीबाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि नारायण चंद्र भौमिक, कुमेल उरांव, बलकुदरा मुखिया विजय मुंडा, कुरसे मुखिया संदीप उरांव, विकास नायक, युवा जनक्रांति फाउंडेशन के विकास कच्छप, लबगा पंचायत के पूर्व मुखिया शिवप्रसाद मुंडा, विजय मुंडा, उप मुखिया लालू महतो, एडवोकेट भवानी गोप, दिनेश मुंडा, प्रदीप महतो, बिमल मुंडा, हेमन्त यादव, प्रदीप महतो, धनेश्वर मुंडा, कृष्णा उरांव, दीपक लिंडा, नंदकिशोर मुंडा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। पायल म्यूजिकल ग्रुप के गायक मोनिका, पायल ने अपने गीत-संगीत व नृत्य की प्रस्तुति से ग्रामीणों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मेला में दर्जनों गांव के हजारों ग्रामीण उपस्थित हुए। जयंत सिन्हा आदि अतिथियों ने पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोहराय डायर जतरा मेला झारखंडी संस्कृति की पहचान है। मेला में झारखंड की सभ्यता व संस्कृति झलकती है। श्री सिन्हा ने कहा गया कि ऐसे आयोजनों से आपसी भाईचागरी बढ़ती है। विधायक अम्बा प्रसाद ने कहा कि झारखंड की बेटी हूं। और ऐसे आयोजन मेरे झारखंडी परिवार का धरोहर है। इसे और भी बेहतर बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रकाश मुंडा, जोगेन्द्र सिंह, खरवार, शशि सिंह खरवार, बिमल मुंडा, आनंद महतो, नरेश महतो, अर्जुन यादव, आर्यन महतो, तुलसी मुंडा, शशि मुंडा, प्रकाश सिंह खरवार, मंगल महतो, भुनेश्वर पाहन, सुर्जनाथ महतो, फलेंद्र चैधरी, बसंत महतो आदि का विशेष योगदान रहा।

अमृतलाल मुंडा ने बिरसा मुंडा को किया नमन

रजरप्पा।आजसू प्रधान कार्यालय चितरपुर में भगवान बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान आजसू नेता अमृतलाल मुंडा ने कहा कि झारखंड के एक गरीब किसान परिवार में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में आदिवासी समाज के लोगों को संगठित कर अंग्रेजी हुकुमत के दांत खट्टे कर दिये थे। समाज में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने बेहद कम उम्र में अपना अलग मुकाम हासिल किया। मौके पर आजसू प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर नायक, सचिव दसरथ महतो, अशोक राम बेदिया, एससी जिला उपाध्यक्ष मलेश्वर नायक ईश्वरी महतो समेत कई लोग उपस्थित थे।

चतरा के डीसी ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

चतरा। समाहरणालय सभा कक्ष में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखण्ड स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को उपायुक्त अबु इमरान, एसपी राकेश रंजन, उप विकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता, अपर समाहर्त्ता पवन कुमार मंडल समेत जिले के अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी ने भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनके संघर्षों एवं बलिदान को याद किया।

भुरकुंडा में चित्रांश परिवार ने की भगवान चित्रगुप्त की पूजा

भुरकुंडा (रामगढ़)। चित्रांश परिवार ने बुधवार को चित्रगुप्त महाराज की पूजा की। पुरोहित मनोज कुमार पांडेय ने पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विशेष पूजा अर्चना सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। पूजा में बतौर यजमान प्रशांत कुमार उर्फ बंटी और नरेंद्र सिन्हा उर्फ नप्पू शामिल हुए। पूजन के बाद हवन एवं महाआरती हुआ, जिसमें दर्जनों श्रद्धालु शामिल हुए। इसके बाद प्रसाद वितरण और प्रीतिभोज हुआ। कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा व सांसद प्रतिनिधि रणंजय कुमार उर्फ कुंद्दू बाबू ने प्रसाद वितरण कर किया। प्रसाद पाने के लिए दर्जनों लोगों की भीड़ उमड़ी। अरुण कुमार सिन्हा व रणंजय कुमार उर्फ कुंद्दू बाबू ने चित्रगुप्त महाराज के समक्ष मत्था टेक क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली की कामना की। साथ ही कहा कि प्रसाद का अर्थ प्रभु का साक्षात दर्शन करना है। इसलिए सबों को हर हाल में प्रसाद ग्रहण करना ही चाहिए। उन्होंन कहा कि भक्ति आयोजनो से क्षेत्र हरियाली-खुशहाली का आगमन होता है। चित्रगुप्ता पूजा को ले मंदिर प्रांगण को आकर्षक रूप में सजाया गया। यहां की विद्युत सज्जा लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष विकाश कांत सिन्हा, सचिव प्रशांत कुमार, कोषाध्यक्ष सुनील सिन्हा, पंकज सिन्हा, सुमित अंबष्टा, समीर वर्मा, कुंवर बक्सी, अनूप बक्सी, संजीव अंबष्टा, उमेश सिन्हा, पिंकू सिन्हा, राजीव रंजन व अन्य शामिल थे।

परवरिश एजुकेयर स्कूल में मनी धरती आबा की जयंती

कुजू। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती बुधवार को परवरिश एजुकेयर स्कूल में बुधवार को मनाया गया। स्कूल निदेशक शैलेन्द्र कुमार, प्रबंध निदेशक विकास कुमार सिंह, प्रिंसीपल नेहराज बनर्जी ने बिरसा मुंडा जयंती और झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर गहन भावनाएँ व्यक्त किया। बिरसा मुंडा की विरासत हमारे छात्रों के लिए लचीलेपन और साहस का प्रतीक है। हम न केवल एक वीर शख्सियत को याद करते हैं, बल्कि अपने छात्रों में समावेशिता, विविधता के प्रति सम्मान और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करते है। मौके पर रणजीत सिंह, नाजो खातून, सोमा दास गुप्ता आदि शामिल थे।

बिरसा मुंडा के अधूरे सपनों को पूरा करना सभी का दायित्व : डॉ. आशीष

भुरकुंडा (रामगढ़)। कोल माइंस वर्कर्स यूनियन के कार्यालय नकारी में बुधवार को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती धूमधाम से मनाई गई। डॉ आशीष कुमार ने कहा कि बिरसा मुंडा का सपना था कि आदिवासियों को जल, जंगल व जमीन पर अधिकार मिले। अच्छी शिक्षा व रोजगार मिले। लेकिन 23 साल बीत जाने के बाद भी झारखंड प्रदेश के आदिवासी मुख्यमंत्री होते हुए भी आदिवासियों का कोई कल्याण नहीं हुआ ना ही उन्हें रोजगार मिला।श्री कुमार ने भगवान बिरसा मुंडा के अधूरे सपने को पूरा करना हम सभी का दायित्व है। बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने वाले में जयकुमार सिंह, रतीश कुमार, सोमरा मुंडा, नवीन राम, लखन मुंडा, तेज नारायण सिंह, मानवी कुमारी, अनु कुमारी, महिला नेत्र प्रतिभा पटेल आदि शामिल थे।

चतरा के टंडवा में धूमधाम से मनायी गयी चित्रगुप्त पूजा

चित्रांश परिवार ने समर्पित किया वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा

खबर मन्त्र संवाददाता

टंडवा(चतरा)। लेखनि-कटनि हस्त चित्रगुप्त !नमोऽस्तुते। श्लोक के साथ टंडवा के विभिन्न क्षेत्रों के चित्रांश परिवार ने लेखनि को गति प्रदान करने वाले भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा की और वार्षिक लेखा-जोखा भगवान को समर्पित किया।

इस दौरान टंडवा के खद्धैया,वृंदा, कसियाडीह, टंडवा में सामूहिक रुप से पूजा अर्चना की।

इस पूजा सबसे बड़ी महत्ता है कि हर चित्रांश परिवार सालाना आय-व्यय की वार्षिक लेखा-जोखा का व्यौरा भगवान के चरणों में समर्पित करते हैं जो कि अद्वितीय रुप से की जाती है। खधैया में सामूहिक पूजा में किशोरी मोहन प्रसाद, अनिल सिन्हा,विजय सिन्हा,मनोज सिन्हा, सच्चिदानंद प्रसाद, विकास अंबष्ट,विनय सिन्हा,भोला प्रसाद, प्रकाश सिन्हा,अनूप सिन्हा, प्रदीप सिन्हा, निरज सिन्हा , राकेश सिन्हा, अमित सिन्हा,पियुष सिन्हा,शुभम सिन्हा, आर्यन, किसन, सावन, प्रतीक,रौनक,आनंद, उज्वल लाला, सुधांशु सिन्हा, उत्कर्ष, पार्थ आदि शामिल हुए । साथ हीं सभी घरों में बहनो ने अन्नकूट कर भाईदूज की पूजा की और सूती के रक्षा सूत्र भाई की कलाई पर बांध उनके दीर्घायु रहने की कामना की।

इटखोरी में चित्रांश परिवार ने की चित्रगुप्त की पूजा

इटखोरी। इटखोरी के चट्टी मोहल्ला में बुधवार को चित्रांश परिवार ने भगवान चित्रगुप्त की पूजा की। पूजा के बाद चित्रांश परिवार के सदस्यों ने प्रसाद वितरण किया। चित्रांश परिवार के सदस्यों तथा अन्य श्रद्धालु भक्तों ने घी के दिए से भगवान चित्रगुप्त की आरती उतारी। चित्रगुप्त पूजा को लेकर चित्रांश परिवार के सदस्य सुबह से ही तैयारी में जुटे हुए थे। अधिवक्ता रंजीत सिन्हा, संदीप सिन्हा, बिजेश कुमार सिन्हा, अजीत कुमार सिन्हा अशोक वर्मा पूजा में विशेष रूप से उपस्थित थे। प्रतिमा विसर्जन के दिन पूजा स्थल पर भंडारा होगा। भंडारे के बाद मिट्टी से बनी चित्रगुप्त की प्रतिमा को टाल तालाब में विधान पूर्वक विसर्जित किया जाएगा।

एक नजर में

बिरसा मुंडा से प्रेरणा लें युवा : राजसिंह चौहान

बरही। सद्भावना विकास मंच के अध्यक्ष सह आजसू बरही विधानसभा प्रभारी राजसिंह चौहान ने समस्त झारखंडवासियों को आह्वान करते हुए बताया कि बिरसा मुंडा के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि धरती आबा बिरसा मुंडा युवाओं के प्रेरणा पुंज हैं। उनसे आज के युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा चाहते तो अपना जीवन धर्मांतरित कर सुख चैन से बीता सकते थे पंरतु उन्होंने संघर्ष का जीवन चुना। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा मिशनरियों के बीच में हुई फिर भी उन्होंने राष्ट्रभक्ति का जज्बा अपने अंदर जगाए रखा। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के विरुद्ध उलगुलान पारंपरिक भू व्यवस्था को जमींदारी व्यवस्था में बदलने का काम किया। चौहान ने कहा कि बिरसा मुंडा के अधूरे सपनों को पूरा करना हमसबों का दायित्व है।

मनोज यादव ने धरती आबा को किया नमन

बरही। खोड़ाहर पंचायत के जतरा मेला में स्थापित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने माल्यार्पण किया। पूर्व विधायक ने समस्त आमजनों को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए यह संकल्प लेने का दिन है कि हम किस प्रकार झारखंड राज्य को एक विकसित राज्य बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने बताया कि धरती आबा युवाओं के प्रेरणा पुंज हैं। उनसे आज के युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उनका बलिदान देश की अखंडता एवं वनवासियों के लिए आज भी प्रासंगिक है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी रंजीत चन्द्रवंशी, जिला परिषद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव, अशोक बड़ा, रौशन लिंडा सहित कई भगवान विरसा मुंडा के अनुयायी उपस्थित थे।

सर्व समाज भी करे भगवान चित्रगुप्त की पूजाः आलोक सिन्हा

हजारीबाग। अंतर्राष्ट्रीय कायस्थ महापरिवार के संस्थापक अलोक सिन्हा द्वारा नवनिर्मित श्री चित्रगुप्त मंदिर,भरकट्टा (गिरिडीह) मे कलम जीवियों के आराध्य, सम्पूर्ण ब्रह्मांड के पाप पुण्य का लेखा जोखा रखने वाले,न्यायधीशों के न्यायधीश कायस्थ पिता श्री चित्रगुप्त भगवान का वार्षिक पूजनोत्सव समूहिक रूप हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। पूजा के उपरांत जमुई से उपस्थित सूर्य प्रकाश सिन्हा व पूजा समिति के बुजुर्गो द्वारा 101 नौनिहालों को पठान पाठन के सम्बन्धित यथा स्कूल बाग,कलम, कॉपी, पेंसिल बॉक्स वितरित किया गया। सूर्य प्रकाश सिन्हा(पूर्व प्रत्याशी,जमुई जिला) ने कहा कि आपसी भाई चारा का यह संदेश आगामी सामाजिक सशक्तिकरण मे मिल का पत्थर साबित होगा। मंदिर समिति के संरक्षक महेन्द्र किशोर प्रसाद ने कहा कि इस तरह का आयोजन मंदिर के प्रण प्राथिष्ठा के वर्ष से ही चालू किया गया है, जो की निरंतर यह नौनिहालों को प्रोत्साहन हेतु जारी रहेगा।मंदिर के संस्थापक व अंतर्राष्ट्रीय कायस्थ महापरिवार के राष्ट्रीय महासचिव अलोक सिन्हा ने कहा कि चित्रगुप्त भगवान की आराधना कायस्थो के साथ साथ सर्व समाज के द्वारा भी करनी चाहिए। यह सभी का उत्तरदायित्व बनता है। पूजा को सफल बनाने मे सर्व श्री अनिल कुमार सिन्हा,मनोज सिन्हा,निर्भय सिन्हा,अभय सिन्हा,दिलीप सिन्हा,विनय सिन्हा,संदीप सिन्हा,रोहित सिन्हा,अभिशेख सिन्हा,अर्णव अलोक,अक्छत सहित सर्व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भेलवारी टोला में भव्य जतरा मेला आयोजित

कटकमसांडी। भेलवारी टोला अखाड़ा में बुधवार को स्थानीय वनवासी कल्याण केन्द्र सरना समिति आदिवासी कुटुम्ब जतरा मेला का भव्य आयोजन हर साल की भांति इस साल भी पारंपरिक तरीके से किया गया। जिसमें समाजसेवी श्रद्धानंद सिंह और वनवासी कल्याण केन्द्र से जुडे.चंद्रेश्वर मुंडा, कटकमसांडी विधायक प्रतिनिधि किशोरी राणा सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए। श्रद्धानंद सिंह ने कहा कि जल, जंगल और जमीन से जुड़ा आदिवासी समुदाय का अपना एक अलग पारंपरिक रीति-रिवाज है। खेती- बारी के कार्यों से निपटने के बाद मन को सुकून और शरीर का थकान दूर करने हेतु उल्लास और उमंग के साथ जतरा मेला का आयोजन किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा की हजारीबाग गौसाला परिसर में जनजातीय बच्चों के हितों के लिए विशेष बोर्डिंग स्कूल का निर्माण किया जा रहा है जहां भारतीय प्राचीन संस्कृति के साथ गुरुकुल पद्धति की शिक्षा प्रदान की जायेगी । चन्द्रेश्वर मुंडा ने कहा कि भेलवारी का यह सरना अखड़ा स्थल जीर्ण शीर्ण अवस्था में था लेकिन ग्रामीणों के आग्रह पर हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल के सहयोग से इसका समतलीकरण कराया गया । मौके पर किशोरी राणा, रीतलाल यादव, सदर विधायक के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रहमत अंसारी, इंद्रदेव यादव, हलधर यादव, डॉ. अजीत दास, भुनेश्वर यादव, सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बरही में कायस्थ परिवारों ने की चित्रगुप्त की पूजा

बरही। चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर चित्रांश परिवार की ओर से सूर्य मंदिर स्थित चित्रगुप्त मंदिर में अराध्यदेव श्री चित्रगुप्त जी महाराज का पूजा किया गया। पूजा में यजमान सचिव आशुतोष कुमार सिन्हा सहित चित्रांश परिवार के लोगो ने श्री चित्रगुप्त जी महाराज से सुख, समृद्धि और शांति की कामना किया। उपेंद्र प्रसाद ने बताया कि चित्रगुप्त जी महाराज सिर्फ कायस्थाँ के ही नहीं बल्कि विश्व के सभी जीवों के कर्मों का लेखा जोखा रखते है। यह सिर्फ कायस्थ्यो के ही नही बल्कि सभी सनातनियो के अराध्यादेव है। अध्यक्ष मनोज घोष ने बताया कि पूजा चित्रांश समाज के वरिष्ठों के निर्देशन और संरक्षण में आयोजित किए गए है, जिसमे सभी का सहयोग रहा है। रात्रि में स्वजातीय प्रीति भोज का आयोजन किया गया है। पूजा में वरिष्ठ चित्रांश उपेंद्र प्रसाद, श्याम सुंदर प्रसाद, डॉ प्रकाश ज्ञानी, जयप्रकाश कटरियार, गोपाल चंद्र घोष, राजेंद्र रुखरियार, अजीत कटरियार, शैलेंद्र सिन्हा, बिनोद कुमार सिन्हा, शेखर प्रसाद सिन्हा, विनय कुमार सिन्हा, महेश श्रीवास्तव,लक्की कुमार सिन्हा, निशांत कुमार सिन्हा आदि लोगो ने सार्थक भूमिका निभाई।

दारू में चित्रगुप्त पूजा पर प्रीतिभोज आयोजित

दारु। बक्शीडीह में भगवान चित्रगुप्त जी महाराज के मंदिर में चित्रांशों ने चित्रगुप्त जी की पूजाधूमधाम से किया। पूजा के बाद भगवान चित्रगुप्त जी के जयकारे के उनकी आरती किया गया और फिर मौजूद चित्रांशो के बीच प्रसाद का वितरण किया। शाम में चित्रांश परिवार के सदस्यों के बीच प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। प्रीतिभोज के बीच चित्रांश परिवार के सदस्यों के बीच डांस और क्विज प्रतियोगिता हुआ, भाग लेने वाले प्रत्येक प्रतिभागी सम्मानित किया गया । चित्रगुप्त पूजा के सफल आयोजन मे समिति के अध्यक्ष राजन सिन्हा,सचिव विकाश कश्यप,कोषाध्यक्ष रौशन सिन्हा,उपकोषाध्यक्ष राकेश कुमार ,भैया संतोष सिन्हा, कमल किशोर प्रसाद,राजकुमार सिन्हा, बजरंग सहाय,रंजीत कुमार सिन्हा,अंकित अनुराग,प्रवीण सिन्हा,प्रकाश सिन्हा,भैया सुमित, भैया शिशिर आदि का योगदान सराहनीय रहा।

ऊर्जा और शक्ति का स्रोत सूर्य, देश में हैं अनेक प्रसिद्ध सूर्य मंदिर

संसार में सूर्य उपासना भारत की देन है।

बासुकीनाथ पाण्डेय ।

राजस्थान में झालरापाटन का सूर्य मंदिर यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह मंदिर अपनी प्राचीनता और स्थापत्य वैभव के कारण कोणार्क के सूर्य मंदिर और ग्वालियर के 'विवस्वान मंदिर' का स्मरण कराता है। शिल्प सौन्दर्य की दृष्टि से मंदिर की बाहरी व भीतरी मूर्तियाँ वास्तुकला की चरम ऊँचाइयों को छूती है।

सूर्य को ऊर्जा एवं शक्ति का स्त्रोत माना गया है। रविवार के दिन सूर्य देव की पूजा-अर्चना का विधान है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य देव प्रत्यक्ष रूप से दर्शन देने वाले देवता हैं। पौराणिक वेदों में सूर्य का उल्लेख विश्व की आत्मा और ईश्वर के नेत्र के तौर पर किया गया है। सूर्य की पूजा से जीवनशक्ति, मानसिक शांति, ऊर्जा और जीवन में सफलता की प्राप्ति होती है। यही वजह है कि लोग उगते हुए सूर्य को देखना शुभ मानते हैं और सूर्य को अर्घ्य देते हैं। मान्यता यह भी है कि रविवार के दिन सूर्य देव का व्रत रखने से सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

वैदिक काल से ही भारत में सूयोर्पासना का प्रचलन रहा है। पहले यह सूयोर्पासना मंत्रों से होती थी। भविष्य पुराण में ब्रह्मा विष्णु के मध्य एक संवाद में सूर्य पूजा एवं मन्दिर निर्माण का महत्व समझाया गया है। अनेक पुराणों में यह आख्यान भी मिलता है, कि ऋषि दुवार्सा के शाप से कुष्ठ रोग ग्रस्त श्री कृष्ण पुत्र साम्ब ने सूर्य की आराधना कर इस भयंकर रोग से मुक्ति पायी थी। रामायण में भी इस बात का जिक्र है कि भगवान राम ने लंका के लिए सेतु निर्माण से पहले सूर्य देव की आराधना की थी।

श्रीकृष्ण के पुत्र सांब भी सूर्य की उपासना करके ही कुष्ठ रोग से मुक्ति पाई थी। वैदिक साहित्य के साथ-साथ आयुर्वेद, ज्योतिष, हस्तरेखा शास्त्रों में सूर्य का महत्व प्रतिपादित किया गया है। आज तो सूर्य बिजली उत्पादन करने के विशाल श्रोत के रूप में देखा जा रहा है।

जब मूर्ति पूजा का प्रचलन हुआ तो सूर्य की मूर्ति के रूप में पूजा प्रचलित हुई। इसी कारण भारत में सूर्य देव के कई प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर पाये जाते हैं। भारत के सूर्य मन्दिरों में उलार्क सूर्य मंदिर, कोणार्क सूर्य मंदिर, मोढ़ेरा सूर्य मंदिर, कटारमल सूर्य मन्दिर, रणकपुर सूर्य मंदिर, सूर्य पहर मंदिर, सूर्य मंदिर, प्रतापगढ़, दक्षिणार्क सूर्य मंदिर, औंगारी सूर्य मंदिर, बेलार्क सूर्य मंदिर, सूर्य मंदिर, हंडिया, सूर्य मंदिर, गया, सूर्य मंदिर, महोबा, रहली का सूर्य मंदिर, सूर्य मंदिर, झालरापाटन, सूर्य मंदिर, रांची, सूर्य मंदिर, जम्मू, मार्तंड मंदिर, कश्मीर एवं सूर्य मंदिर, कंदाहा आदि शामिल हैं। यहां आपको कुछ प्रमुख सूर्य मन्दिरों के बारे में बता रहे हैं।

कोणार्क का सूर्य मंदिर

ओडिशा में भुवनेश्वर के समीप कोणार्क का मंदिर न केवल अपनी वास्तुकलात्मक भव्यता के लिए जाना जाता है बल्कि यह शिल्पकला के गुंथन और बारीकी के लिए भी प्रसिद्ध है। यह कलिंग वास्तुकला की उपलब्धियों का उच्चतम बिन्दु है जो भव्यता, उल्लास और जीवन के सभी पक्षों का अनोखा ताल मेल प्रदर्शित करता है। इस मंदिर को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत घोषित किया गया है और इसका निर्माण 1250 ई. में पूर्वी गंगा राजा नरसिंह देव प्रथम के कार्यकाल में किया गया था। इसमें कोणार्क सूर्य मंदिर के दोनों और 12 पहियों की दो कतारें है। इनके बारे में कुछ लोगों का मत है कि 24 पहिए एक दिन में 24 घण्टों का प्रतीक है, जबकि अन-?य का कहना है कि ये 12 माह का प्रतीक हैं। यहां स्थित सात अश्व सप्ताह के सात दिन दशार्ते हैं। समुद्री यात्रा करने वाले लोग एक समय इसे ब?लैक पगोडा कहते थे, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह जहाजों को किनारे की ओर आकर्षित करता था और उनका नाश कर देता था।

झालरापाटन का सूर्य मंदिर

राजस्थान में झालरापाटन का सूर्य मंदिर यहाँ के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह मंदिर अपनी प्राचीनता और स्थापत्य वैभव के कारण कोणार्क के सूर्य मंदिर और ग्वालियर के 'विवस्वान मंदिर' का स्मरण कराता है। शिल्प सौन्दर्य की दृष्टि से मंदिर की बाहरी व भीतरी मूर्तियाँ वास्तुकला की चरम ऊँचाइयों को छूती है। मंदिर का ऊर्ध्वमुखी कलात्मक अष्टदल कमल अत्यन्त सुन्दर जीवंत और आकर्षक है। शिखरों के कलश और गुम्बज अत्यन्त मनमोहक है। गुम्बदों की आकृति को देखकर मुगलकालीन स्थापत्य एवं वास्तुकला का स्मरण हो जाता है। इस मंदिर का निर्माण नवीं सदी में हुआ था। यह मंदिर अपनी प्राचीनता और स्थापत्य वैभव के कारण प्रसिद्ध है। कर्नल जेम्स टॉड ने इस मंदिर को चार भुजा (चतुर्भज) मंदिर माना है। वर्तमान में मंदिर के गर्भग्रह में चतुर्भज नारायण की मूर्ति प्रतिष्ठित है।

सूर्य मंदिर, मोढ़ेरा

यह मंदिर अहमदाबाद से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसे भारत के तीन प्रसिद्ध प्राचीनतम सूर्य मंदिरों में से एक माना गया है। इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पूरे मंदिर के निर्माण में जुड़ाई के लिए कहीं भी चूने का उपयोग नहीं किया गया है। ईरानी शैली में निर्मित इस मंदिर को भीमदेव ने तीन हिस्सों में बनवाया था। पहला हिस्सा गर्भगृह, दूसरा सभामंडप और तीसरा सूर्य कुण्ड है। ये मंदिर गुजरात के मोढ़ेरा में स्थित है। मोढ़ेरा मेहसाना से 25 किलोमीटर व अहमदाबाद से 102 किलोमीटर की दूरी पर है।

लोहार्गल सूर्य मंदिर

यह मंदिर राजस्थान के झुंझुनू जिले में स्थित है ।यहा मंदिर के सामने एक प्राचीनतम पवित्र सूर्य कुण्ड बना हुआ है। मान्यता है की यहा स्नान के बाद ही पांडवो को ब्रहम हत्या के पाप से मुक्ति मिली थी।

मार्तंड मंदिर प्रतिरूप

दक्षिण कश्मीर के मार्तण्ड के प्रसिद्ध सूर्य मंदिर के प्रतिरूप का सूर्य मंदिर जम्मू में भी बनाया गया है। मंदिर मुख्यतः तीन हिस्सों में बना है। पहले हिस्से में भगवान सूर्य रथ पर सवार हैं जिसे सात घोड़े खींच रहे हैं। दूसरे हिस्से में भगवान शिव का परिवार दुर्गा गणेश कार्तिकेय पार्वती और शिव की प्रतिमा है और तीसरे हिस्से में यज्ञशाला है।

औंगारी सूर्य मंदिर

नालंदा का प्रसिद्ध सूर्य धाम औंगारी और बडगांव के सूर्य मंदिर देश भर में प्रसिद्ध हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सूर्य तालाब में स्नान कर मंदिर में पूजा करने से कुष्ठ रोग सहित कई असाध्य व्याधियों से मुक्ति मिलती है। प्रचलित मान्यताओं के कारण यहां छठ व्रत त्यौहार करने बिहार के कोने-कोने से ही नहीं, बल्कि देश भर के श्रद्धालु यहां आते हैं। लोग यहां तम्बू लगा कर सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ संपन्न करते हैं। कहते है कि भगवान कृष्ण के वंशज साम्ब कुष्ठ रोग से पीड़ित था। इसलिए उसने 12 जगहों पर भव्य सूर्य मन्दिर बनवाए थे और भगवान सूर्य की आराधना की थी। ऐसा कहा जाता है तब साम्ब को कुष्ठ से मुक्ति मिली थी। उन्ही 12 मन्दिरो मे औगारी एक है।

उन्नाव का सूर्य मंदिर

उन्नाव के सूर्य मंदिर का नाम बह्यन्य देव मन्दिर है। यह मध्य प्रदेश के उन्नाव में स्थित है। इस मन्दिर में भगवान सूर्य की पत्थर की मूर्ति है, जो एक ईंट से बने चबूतरे पर स्थित है। जिस पर काले धातु की परत चढी हुई है। साथ ही, साथ 21 कलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सूर्य के 21 त्रिभुजाकार प्रतीक मंदिर पर अवलंबित है।

रणकपुर सूर्य मंदिर

राजस्थान के रणकपुर नामक स्थान में अवस्थित यह सूर्य मंदिर, नागर शैली मे सफेद संगमरमर से बना है। भारतीय वास्तुकला का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता यह सूर्य मंदिर जैनियों के द्वारा बनवाया गया था जो उदयपुर से करीब 98 किलोमीटर दूर स्थित है।

सूर्य मंदिर रांची

रांची से 39 किलोमीटर की दूरी पर रांची टाटा रोड़ पर स्थित यह सूर्य मंदिर बुंडू के समीप है 7 संगमरमर से निर्मित इस मंदिर का निर्माण 18 पहियों और 7 घोड़ों के रथ पर विद्यमान भगवान सूर्य के रूप में किया गया है। 25 जनवरी को हर साल यहां विशेष मेले का आयोजन होता है।

मार्तंड सूर्य मंदिर

मार्तण्ड सूर्य मंदिर जम्मू और कश्मीर राज्य के अनंतनाग नगर में स्थित एक प्रसिद्ध मंदिर है। मार्तण्ड का यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है। यहाँ पर सूर्य की पहली किरण के साथ ही मंदिर में पूजा अर्चना का दौर शुरू हो जाता है। मंदिर की उत्तरी दिशा में सुन्दर पर्वतमाला है। यह मंदिर विश्व के सुंदर मंदिरों की श्रेणी में भी अपना स्थान बनाए हुए है।

बेलाउर सूर्य मंदिर

यह मंदिर पश्चिभिमुख है। सूर्य पूजा का छठ पर्व पर हजारो श्रद्धालु इस सूर्य मंदिर में दर्शन करने दूर दूर से आते है। वे भगवान सूर्य को जल से अर्घ्य देते है। मंदिर में सात घोड़े वाले रथ पर सवार भगवान भास्कर की प्रतिमा ऐसी लगती है मानों वे साक्षात धरती पर उतर रहे हों।

झारखंड की संस्कृति से छात्रों को समृद्ध और मतबूत बना रहा है उर्सुलाइन कॉलेज: सुदेश महतो

उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची के दो दिवसीय वार्षिक समारोह के दूसरे और अंतिम दिन छात्राओं ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आजसू सुप्रीमो सुदेश महतों ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची की सबसे बड़ी बात इस स्कूल का अनुशासन है। अगर मुझसे कोई पूछता है कि अपनी बेटी का नामांकन कहां करा दूं तो मैं उसे उर्सुलाइन का नाम बता देता हूं। मुझे गर्व है कि सिल्ली मुरी में मेरी पढ़ाई भी उर्सुलाइन स्कूल से ही आरंभ हुई है। श्री महतो ने कहा कि हमारा जीवन कल आज और कल की संभावनाओं पर ही है। हमें इसको लेकर सचेत और सजग रहना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सिर्फ राजनैतिक संभावनाओं की बात नहीं है शैक्षणिक विकास भी झारखंड के लिये बहुत आवश्यक है। राज्य के निमार्ण में हमारे उर्सुलाइन की छात्राओं को पूरा योगदान देना चाहिए जिससे हमारा राज्य शिक्षित, अनुशासित और बेहतर राज्य बन सके। शहर में अनेक स्कूल है लेकिन उर्सुलाइन का अनुशासन इस प्रकार का है कि यह स्कूल अन्य स्कूल से बिलकुल अलग हो गया है।

झारखंड के स्थापना दिवस पर शुभकामना देते हुए श्री महतो ने कहा राज्य के निमार्ण में उर्सुलाइन की छात्रायें आगे आए। साथ ही उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने जितने कम समय में विद्रोह को संचालित किया अगर वे सुरक्षित रह जाते तो आजादी की लड़ाई जोरदार होती।

इस अवसर पर उर्सुलाइन इंटर कॉलेज की प्राचार्या डॉ मेरी ग्रेस ने कहा कि स्कूल की बेहतरीन परीक्षा परिणाम के साथ ही हमारे अनुशासन से एक बेहतर समाज के निमार्ण में हम सतत प्रयत्नशील है। हमारे वार्षिक समारोह को रोचक और ज्ञानवर्द्धक बनाने में हमारी पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इस अवसर पर मोटिवेटर सह काउंसलर और खबर मन्त्र के चीफ सब एडिटर ने कहा कि आपकी बुद्धिमता तब तक सार्थक है जब तक उसके साथ आचरण, वाणी ।और व्यवहार के गुण लगे हुए है। इन गुणों के बिना आपका व्यवहार किसी भी प्रकार से प्रगति के लिये समर्पित नहीं हो सकता है।

छात्राओं ने इस अवसर आदिवासी नृत्य प्रस्तुत कर झारखंड के कला संस्कृति को दर्शाया। वही योग को नृत्य के माध्यम से करके छात्राओं ने उपस्थित लोगों की वाह-वाही बटोरी। उर्सुलाइन की शिक्षिकाओं ने हास्य व्यंग्य की नाटिका गब्बर सिंह प्रस्तुत कर माहौल को हास्य रस से भर दिया। छह घंटे के इस मोगा कार्यक्रम में मराठी, गुजराती और पंजाबी के गीत और नृत्य प्रस्तुत किये गये।

उर्सुलाइन इंटर कॉलेज राजा उलातू की छात्राओं ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के

स्पीड न्यूज

भगवान बिरसा मुंडा को किया गया नमन

लोहरदगा। महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा जयंती सह राज्य स्थापना दिवस पर महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा समेत अन्य महापुरुषों की प्रतिमा पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, एसपी हारिस बिन जमा, वन प्रमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार, डीडीसी जय ज्योति सामंता समेत अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित किया।

टेंपो-बाइक की भिड़ंत में दो की मौत

कुडू। एनएच 143 ए कुडू-लोहरदगा मुख्य पथ पर कुडू ननतिलो झखराटोली के मंटु ढाबा के नजदीक एक ऑटो और बाइक में हुई जोरदार टक्कर में बाइक सवार एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वही रिम्स के जाने के क्रम में एक अज्ञात महिला की भी मौत हो गयी। जबकि एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसा मंगलवार देर रात हुआ। मृतक की पहचान लातेहार के हुंडरू निवासी हेमलाल मेहता के पुत्र के रूप में हुई है। जबकि टेंपो सवार कुडू थाना क्षेत्र के चन्दलासो निवासी कय्यूम अंसारी के पुत्र शमशाद आलम, इस्लाम अंसारी के पुत्र जमशेद अंसारी, कुडू ब्लॉक मैदांन मुहल्ला हमीद नगर के असलम खान के पुत्र आजाद खान के रूप में हुई है।

कातिंग पंचायत भवन में मना जनजातीय गौरव दिवस सह भगवान बिरसा जयंती

चैनपुर। चैनपुर मुख्यालय के कातिंग पंचायत भवन के सभागार में जनजातीय गौरव दिवस तथा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती बड़े धूम धाम से मनाया गया। जहां सर्वप्रथम भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए मुखिया माधुरी मिंज ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। जिसके बाद झारखंड राज्य के बारे में यहां की संस्कृति तथा यहां के वासियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मौके पर कातिग पंचायत उपमुखिया उर्मिला लकड़ा, रोजगार सेवक-मंजर सिदिकी, वाड अंजनी देवी, बसंत टोप्पो, जेवियर प्रकाश तिर्की, विजय बड़ा समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

थाने में पिता की गुमशुदगी की शिकायत

घाघरा। थाना क्षेत्र के नवडीहा निवासी प्रदीप यादव ने बुधवार घाघरा थाना में अपने पिता रामदेव गोप की गुमशुदगी की शिकायत की। प्रदीप ने बताया कि उसके पिता 8 नवंबर को घर से घास काटने की बात कहकर निकले थे। जिसके बाद वह नहीं लौटे। सगे संबंधियों सहित अन्य जगहों पर उनकी खोजबीन की गई लेकिन उनका कोई सुराग नही मिल सका। जिसके बाद आज घाघरा थाना पहुच लिखित आवेदन दिया।

फरार अभियुक्त को पुलिस ने भेजा जेल

घाघरा। घाघरा पुलिस ने कांड संख्या 36/23 के अप्राथमिक अभियुक्त कादिर लेन अमलाटोली लोहरदगा निवासी सिदिक अंसारी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में गुमला भेज दिया। बुधवार को घाघरा थाना प्रभारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उक्त अभियुक्त 7 मई 2023 से मामले में फरार था। उसपर धारा 27 बी 2 ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट 1940 एवं 21 सी एनडीपीएस एक्ट 1985 का अप्राथमिक अभियुक्त था। जो फरार था। जिसे उसके घर लोहरदगा कादिर अमलाटोली से गिरफ्तार कर गुमला न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। टीम में पुलिस सब इंस्पेक्टर टेकलाल महतो, अभिषेक कुमार सहित कई जवान शामिल थे।

बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आजसू नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

गुमला। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आजसू पार्टी गुमला जिला के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने बिरसा मुंडा पार्क स्थित बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर जिलाध्यक्ष दिलीप नाथ साहू, केंद्रीय सचिव गोपीनाथ सिंह, केंद्रीय सदस्य दुर्गा साहू, जिला महासचिव आनंद गुप्ता, महिला अध्यक्ष किरण सिंह, अजय भगत मोती, मेघनाथ साहू, आमीर खान, उत्तम साहू, गोलु श्रीवास्तव, मनोज साहू, पवन बड़ाईक, मुनेश्वर साहू आदि उपस्थित थे।

चैती दुर्गा पूजा ने बांटा 15 क्विंटल गेहूं

गुमला। चैती दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सुरेश मंत्री के नेतृत्व में बुधवार को छठ महापर्व के उपलक्ष में देवी मंडप परिसर में छठ व्रतियों के बीच नि:शुल्क गेहूं बांटा गया। लगभग 350 छठ व्रतियों के बीच कुल 15 क्विंटल गेंहू बांटा गया। गेहूं लेने के लिए शहरी क्षेत्र के अलावे सिसई, भरनो एवं पालकोट प्रखंड के गांव भी पहुंचे थे। मौके पर सचिव सरजू साहू, संरक्षक संजीव उर्वशी, सुदेश सौरभ, रितेश कुमार, राजेश गुप्ता, राजीव कुमार, प्रेम सागर जायसवाल, द्वारिका मिश्रा सुमन, दामोदर कसेरा, श्री गुप्ता, शंभू चौरसिया, मोहित गुप्ता, डॉ अनुपम कुमारी, उषा रानी आदि उपस्थित थे।

भाइयों की लंबी उम्र व अकाल मृत्यु से रक्षा को बहनों ने की यमराज की पूजा

गुमला। भाइयों की लंबी उम्र की कामना व उनके अकाल मृत्यु से रक्षा के लिए बुधवार को बहनों ने यमराज की पूजा की। मंदिरों व घरों में सामूहिक रूप से बहनों ने पूजा अर्चना कर भाइयों के जीवन रक्षा की प्रार्थना की। उपवास रख बहनों ने यमराज व उनकी बहन यमुना की कहानी सुनी है। यमराज ने यमुना के घर भोजन कर उन्हें आशीर्वाद दिया कि आज के दिन जो भाई अपने बहन के घर भोजन करेगा उसकी अकाल मृत्यु नहीं होगी।

अगले तीन वर्षों में अबुआ आवास योजना से आठ लाख आवास बनवायेगी राज्य सरकार: वित मंत्री

राज्य के विकास के लिए राजनीति से ऊपर उठकर करना होगा कार्य : धीरज प्रसाद साहू

- भगवान बिरसा मुण्डा जयंती सह राज्य स्थापना दिवस पर विकास मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

खबर मन्त्र टोली

लोहरदगा। भगवान बिरसा मुंडा जयंती-सह-राज्य स्थापना दिवस पर बुधवार को विकास मेला-सह सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। इस मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में वित मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इससे पूर्व अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया।

इस मौके पर वित मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि झारखण्ड निर्माण के लिए कई आंदोलन चले। शुरूआत हुई तो नेता जयपाल सिंह जी थे, बाद में दूसरे नेता थे। फिर पदार्पण हुआ गुरूजी शिबू सोरेन जी का। बिनोद बिहारी महतो, एके राय जी का आंदोलन में योगदान रहा। 80 के दशक में आंदोलन अपने चरम पर था। आंदोलन का कारण था कि झारखण्ड का क्षेत्र खनिज संपदा से भरा हुआ हरा-भरा जंगल वाला क्षेत्र था। इससे काफी आय होती थी लेकिन सारा पैसा बिहार के क्षेत्र में खर्च हुआ करता था। आंकड़े बताते हैं कि अगर 1 रूपया आता था तो बारह आना झारखण्ड इलाके का था और चार आना बिहार के क्षेत्र का था। जब खर्च होता था तो चार आना खर्च झारखण्ड के क्षेत्र के लिए था और बारह आना बिहार के क्षेत्र के लिए। तब मांग होती थी कि झारखण्ड से होनेवाली आय का पूरा खर्च झारखण्ड में होगा। उसके बाद राज्य अलग हुआ और झारखण्ड बना। अब राज्य का पूरा राजस्व राज्य पर ही खर्च होता है। सरकार पिछड़ापन दूर करने को और गरीबी उन्मूलन पर सारा खर्च करती है।

15 नवंबर 2000 में जब झारखंड बना, तब से अब तक राज्य का विकास कई चरणों में हुआ। शुरूआत में सड़के नहीं थीं। बिजली की स्थिति बहुत खराब थी, शिक्षा की स्थिति लचर थी। स्कूलों की संख्या कम थी, आधारभूत संरचना ठीक नहीं थी, शिक्षकों की कमी थी, अस्पताल बहुत कम थे, डॉक्टर नहीं थे। अस्पतालों में दवाईयां नहीं थीं। आज स्थिति बेहतर हो गई है। राज्य का विकास हुआ है। अभी हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कोरोना में विकास की गति धीमी रही लेकिन अब तेजी से हम आगे बढ़े हैं।

राज्यवासियों के हरा राशन कार्ड शुरू किया गया है। लगभग 64 लाख से ज्यादा राशनकार्डधारी हैं। सभी कार्डधाारियों को धोती-साड़ी योजना का लाभ मिल रहा है।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित अतिथि, लाभुक को योजनाओं का लाभ देते मंत्री व कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोग।

लोगों के जीवन को बदल देगी आनेवाली दो योजनाएं

मुख्य अतिथि ने कहा कि राज्य सरकार अगले तीन वर्षों में अबुआ आवास योजना अंतर्गत 8 लाख आवास बनवायेगी। प्रत्येक आवास में दो लाख रुपये खर्च होंगे। तीन कमरे होंगे। जिनका कच्चा मकान होगा उनका पक्का मकान बनवाया जायेगा। इसका फायदा आम लोगों को मिलेगा। दूसरी योजना अंतर्गत सरकार सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के लिए मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना अंतर्गत वाहन चलवायेगी। इससे यातायात की सुविधा सुगम होगी।

गांव का होगा विकास : राज्य सरकार आनेवाले समय में सभी गांवों में अखड़ा का निर्माण करायेगी। साथ ही, वाद्य यंत्रों का वितरण होगा। लोहरदगा जिला में 300 मांदर और नगड़ा बांटा गया है। 62 अखड़ा में सोलर लाईट लगाया जा रहा है जिसकी संख्या और बढ़ेगी। लोहरदगा जिला को मॉडल जिला बनाया जायेगा।

वनाधिकार अधिनियम : आज भी वन क्षेत्र में रहनेवाले लोग जिनको अभी भी अधिकार नहीं मिला है वैसे लोगों के लिए सरकार प्रयास कर रही है। वनाधिकार अधिनियम 2006 में बना लेकिन अभी भी कई लोगों को अधिकार नहीं मिला। जमीन व्यक्ति की पहचान होती है। इसमें तेजी लाने की जरूरत है। सरकार पिछड़ापन और गरीबी को दूर करने को प्रयासरत है।

क्या बोले सांसद धीरज

राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि झारखंड राज्य बहुत मुश्किल से मिला है। पहले एकीकृत बिहार हुआ करता था तो बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जो विकास होना चाहिए था वैसे नहीं हुआ था। राज्य बनने के बाद यहां विकास हुआ। अभी भी राज्य विकास कर रहा है। यह राज्य खनिज संपदा से भरा है। वर्तमान सरकार अभी अपने वादे पूरा कर रही है। जो वादा पूरा नहीं हुआ है वह भी पूरा होगा। सभी लोग मिल जुल कर खेल हो या पढ़ाई हो या कोई भी क्षेत्र हो उस क्षेत्र में बेहतर करने का कार्य करेंगे। बीएस कॉलेज परिसर में क्रिकेट स्टेडियम बन कर तैयार है जिसमें जल्द ही क्रिकेट प्रतियोगिता करायी जायेगी। यहां के बच्चों में प्रतिभा है, उनका विकास करने के लिए हम पूरी तरह समर्पित रहेंगे।

क्या बोले उपायुक्त : उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि झारखण्ड में बिरसा मुण्डा को भगवान का दर्जा प्राप्त है। वे स्वतंत्रता सेनानियों के जननायक रहे। उन्हें धरती आबा से पुकारा जाता है। आज उनके जन्म दिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। आज कुल 8.5 करोड़ की परिसंपत्तीका वितरण किया जा रहा है जिनमें पशुपालन, कृषि, कल्याण विभाग, जिला उद्योग केंद्र, मनरेगा, जेएसएलपीएस, भूमि संरक्षण विभाग, समाज कल्याण आदि विभाग प्रमुखता से सम्मिलित है। कुल 40 स्टॉल लगाये गये हैं। इस कार्यक्रम का पूरा लाभ उठाएं। आज दो महत्वकांक्षी योजनाओं का शुरूआत किया गया है जिनमें गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना और अबुआ आवास योजना। जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते है लेकिन वित्तीय अभाव है।

आदिवासियों की जीवनशैली है जतरा अखरा और झखरा : सुखदेव भगत

रामपुर में आयोजित ऐतिहासिक सोहराय पड़हा जतरा हर्षोल्लास के साथ संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। सदर प्रखंड के ग्राम रामपुर में ऐतिहासिक सोहराय पड़हा जतरा का भव्य आयोजन सरना स्थल रामपुर में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोहरदगा लोकसभा कांग्रेस प्रभारी सह पूर्व विधायक सुखदेव भगत थे। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर सुखदेव भगत के पहुंचने पर उनका आयोजन समिति के द्वारा पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया।

मौके पर सुखदेव भगत ने कहा की जतरा, अखरा, झखरा आदिवासियों की जीवन शैली है। जतरा आदिवासी समाज की संस्कृति और सभ्यता की पहचान है। हमारे पूर्वजों द्वारा प्रारंभ किया गया जतरा का हमारे जीवन में विशेष महत्व रखता है। जतरा के माध्यम से आदिवासियों के रीति रिवाज परंपरा को प्रगाढ़ता मिलती है।

साथ ही साथ समाज में सद्भावना और समुदायिकता को भी बल मिलता है। जतरा समाज को एक सूत्र में बांधने का भी कार्य करता है। आदिवासी समाज ही एक ऐसा समाज है जिसमें तीन पीढ़ी एक साथ सामूहिक नृत्य करती है। हम सभी को अपनी रीति रिवाज परंपरा को बचाने के लिए जतरा को और बेहतर ढंग से आयोजित करने की जरूरत है। सुखदेव भगत ने कहा कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए हमें शिक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा दारू- हाड़ी से दूर रहने की आवश्यकता है। इस जतरा में 15 गांव के खोड़हा दल शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में महेश्वर उरांव, रमेश उरांव, राजकुमार उरांव, जिला पड़हा दीवान संजीव भगत, पड़हा संयोजक बंदे भगत, जयस अध्यक्ष कलिंदर उरांव, कोटवार किशने उरांव, प्रमोद उरांव, मंगलेश्वर उरांव, इंद्रदीप उरांव, पाहन बजरंगी उरांव, दासमुनि उरांव, अमिता उरांव, लच्छू उरांव सचिन उरांव सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जतरा में शामिल सुखदेव भगत।

सबका लेखा-जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त की पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। प्राणियों का यमलोक में पाप पुण्य का लेखा जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त की पूजा बुधवार को आस्था और विश्वास के साथ हुई। डीएसपी रोड स्थित चित्रगुप्त भवन में श्री चित्रगुप्त महापरिवार के सदस्यों ने भगवान चित्रगुप्त की मूर्ति स्थापित कर पूजा की। वहीं कलम दवात की भी विशेष पूजा हुई। आचार्य हरिशंकर पाठक के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की गयी। चित्रांश परिवार के सदस्य आरती में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया। जानकारी के अनुसार कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि को यम द्वितीया के रूप में जाना जाता है और इसी दिन कायस्थ समुदाय के घरों में कलम दवात की पूजा होती है। इस दिन कायस्थ समुदाय के सदस्य लेखनी का प्रयोग नहीं करते। लोक मान्यता है कि कायस्थ समुदाय भगवान चित्रगुप्त के वंशज हैं।

हर झारखंडी के लिए आदर्श हैं भगवान बिरसा मुंडा : डॉ उरांव

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना के अवसर पर शंख मोड़ स्थित भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की गई।

स्थानीय विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव एवं राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा की भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे नायक थे जिन्होंने भारत के झारखंड में अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। काले कानूनों को चुनौती देकर बर्बर ब्रिटिश साम्राज्य को खदेड़ने का काम किया इसके साथ आर्थिक स्तर पर सुधार ताकि आदिवासी समाज को जमींदारों और जागीरदारों क आर्थिक शोषण से मुक्त किया जा सके।

खास बातें : बिरसा मुंडा ने जब सामाजिक स्तर पर आदिवासी समाज में चेतना पैदा कर दी तो आर्थिक स्तर पर सारे आदिवासी शोषण के विरुद्ध स्वयं ही संगठित होने लगे। राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि बिरसा मुंडा की जयंती पर आज पूरा देश उन्हें नमन कर रहा है। इस महानायक ने आजादी और आदिवासियों के अधिकारों के लिए क्रांति की जो मशाल जलायी वह युगों-युगों तक पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी। बिरसा मुंडा का जीवन मानव स्वतंत्रता के लिए संघर्ष की महागाथा है।जिलाध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा की देश की स्वाधीनता, आदिवासी समाज की संस्कृति और गौरव को सुरक्षित करने का उनका कार्य अविस्मरणीय है। आदिवासी क्षेत्रों में प्राचीन परंपरा और भारतीय संस्कृति आज भी जीवंत दिखाई देती है। मौके पर हाजी सकिल नेसार अहमद, निशीथ जायसवाल, रीना कुमारी, विशाल डुंगडुंग, विनय उरांव, सीमा परवीन,सदरूल अंसारी, सामूल उरांव, जमील अंसारी समेत कई आदि उपस्थित थे।

251 नगाड़ों आदिवासी वाद्ययंत्रों की धुन से संवाद का हुआ आगाज

19 तक चलेगा संवाद महोत्सव, आदिवासी नृत्य, देशभर से लगाये गये 41 आदिवासी स्टॉल

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर टाटा स्टील फाउंडेशन की मेजबानी में गोपाल मैदान,जमशेदपुर आज दसवें आदिवासी सम्मेलन संवाद के आगाज का गवाह बना। यह आदिवासी मिलन समारोह 19 नवंबर तक चलेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत में टाटा स्टील के एमडी एंड सीइओ जो टाटा स्टील फाउंडेशन के चेयरमैन भी हैं की अगुवाई में अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद संथाली प्रार्थना- जोहार-जोहार बाबा बिरसा की प्रस्तुति की गई। इसके बाद करसा जावा यानी मटका जावा लेकर बिड़होर समुदाय की बच्चियां मंच पर पहुंची और अतिथियों को जावा भेंट किया। इसके बाद जावा के ऊपर लगे पत्तल को हटा कर संवाद के आगाज की घोषणा टीवी नरेंद्रन और देश परगना बैजू मुर्मू ने संयुक्त रुप से की। इसके बाद 251 नगाड़ों समेत कुल 301 आदिवासी वाद्य यंत्रों की धून से आयोजन स्थल गूंजायमान हो गया। झारखंड के सांस्कृतिक पहचान रहे आदिवासी विद्वान स्व. रामदयाल मुंडा के पुत्र गुंजन इकीर मुंडा के नेतृत्व में आदिवासी कलाकारों ने बोंगा धून, पाइका धून,तारीम सुसुम धून, करम सुसुन हो समुदाय का धून, बाहा पर्व धून, शिकार धून आदि की आधे घंटे तक प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। धून इतनी प्यारी थी कि मुख्य अतिथि टीवी नरेंद्रन, श्रीमती रुचि नरेंद्रन,टाटा स्टील के वीपी चाणक्य चौधरी समेत अन्य अतिथि भी आदिवासी कलाकारों के साथ थिरकने पर मजबूर हो गए। कार्यक्रम में अतिथियों को शॉल ओढ़ा कर टाटा स्टील फाउंडेशन के सीइओ सौरव राय ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन जीरेन टोपनो और शुभ्रा कर रहे थे।

पसंद के आदिवासी व्यंजन घरों पर मंगा पायेंगे जमशेदपुरवासी

सौरव राय ने बताया कि संवाद कई स्थानों पर आयोजित किया जाता है और इस वर्ष यह पांच स्थानों - टीएसएफ कम्युनिटी हॉल (आरडी भट्टा), जमशेदपुर नेचर ट्रेल, ट्राइबल कल्चर सेंटर, गोपाल मैदान और जोहार हाट तक विस्तारित है। गोपाल मैदान और ट्राइबल कल्चर सेंटर संवाद 2023 के लिए मुख्य गतिविधि क्षेत्र हैं। प्रकृति विहार में जोहार हाट क्षेत्र में एक क्लाउड किचन सुविधा स्थापित की जा रही है, जहां होम डिलीवरी के लिए भोजन तैयार किया जाएगा, और आधिकारिक डिलीवरी पार्टनर जोमैटो के माध्यम से की जाएगी।

मटका जावा और बिरहोर समाज की बालिका के साथ संवाद के उद्घाटन की घोषणा करते टाटा स्टील के सीइओ एवं एमडी टीवी नरेंद्रन।

समारोह में आदिवासी धुन पर नृत्य करते टीवी नरेंद्रन, श्रीमती रुचि नरेंद्रन व अन्य।

देशभर से जुटे हैं 350 जनजातीय समुदाय से 2500 युवा

100 जनजातीय समूहों, 20 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों (लगभग) से जनजातीय नेतृत्व कार्यक्रम समूह के 350 से अधिक जनजातीय चेंज मेकर्स वास्तविक जीवन के अनुभवों को साझा करने के लिए संवाद सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। इसमें 110 कारीगरों द्वारा स्थापित 42 स्टालों में हस्तशिल्प के क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ कार्यशालाओं और सत्रों के साथ-साथ भारत भर के 37 आदिवासी समुदायों के 28 कला प्रारूपों को प्रदर्शित किया गया है। 170 आदिवासी चिकित्सक सफलता की कहानियों की जानकारी के साथ 22 स्टालों पर उपचार और दवाएं पेश करने के लिए एक साथ आएं हैं। शहरवासी आकर यहां मार्केटिंग कर सकते हैं।

भारत के 17 राज्यों की 37 जनजातियों के 140 घरेलू रसोइये बेहतरीन भोजन अनुभव प्रदान करने के लिए क्यूरेटेड लंच पेश करेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर करीब से नजर डालने के लिए टीएसएफ सामुदायिक हॉल में हीलर्स वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। जमशेदपुर नेचर ट्रेल में समुदाय के साथ फिल्मों की स्क्रीनिंग और वर्कशॉप के साथ-साथ एक इमर्सिव आर्टिजन वर्कशॉप भी आयोजित की जाएगी।

समारोह में उपस्थिति

टाटा स्टील लिमिटेड के एमडी एंड सीइओ तथा टाटा स्टील फाउंडेशन के चेयरमैन टीवी नरेंद्रन, टाटा स्टील के स्वतंत्र निदेशक डा शेखर मांडे व विजय कुमार शर्मा, देश परगना धाड़ दिशोम बैजू मुर्मू, टाटा स्टील के वीपी चाणक्य चौधरी, मुंडा मानकी संघ के अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा, पड़हा राजा कोल्हान-पोड़ाहाट सन्नि भेंगरा,लक्ष्मी नारायण भगत-उरांव समाज, उत्तम सिंह सरदार- भूमिज समाज, कानू महाली-महाली समाज देश परगना, सुनील खड़िया- खड़िया समाज, पशुपति कोल- कोल समुदाय के माझी,चंदन होनहागा-मुंडा मानकी संघ,कोल्हान।

गुंजन इकीर मुंडा अपनी टीम के साथ प्रदर्शन करते हुए।

स्पीड न्यूज

समाजसेवी, मुखिया ने छठ घाट एवं रास्ते की जेसीबी मशीन से कराई सफाई

सफाई कराते लोग।

महुआडांड़। महुआडांड़ प्रखंड अंतर्गत ग्राम चटकपुर में बुधवार को उरम्बी जाने वाले चटकपुर छठ घाट एवं रास्ते की सफाई जेसीबी मशीन के द्वारा कराई गई। छठ महापर्व लोक आस्था का पर्व माना जाता है। सफाई का खास ध्यान दिया जाता है। छठव्रतियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो इसे लेकर सारी व्यवस्था की जा रही है। समाजसेवी सुभाष प्रसाद एवं रौनियार वैश्य समाज चटकपुर के सचिव हरिलाल गुप्ता ने बताया कि चार दिवसीय महा पर्व पूरे धूम धाम के साथ मनाया जाएगा । इस सफाई कार्यक्रम में चटकपुर पंचायत के मुखिया रेखा नगेसिया, पंसस सुभाष केरकेट्टा, समाजसेवी सुभाष प्रसाद, चटकपुर के सचिव हरिलाल गुप्ता, दीनबंधु कुमार (सोनु), शिवपूजन प्रसाद, कन्हाई लाल गुप्ता, उमेश प्रसाद, अयोध्या राम समेत दर्जनों कार्यकर्ता ने पूरे तन मन के साथ सफाई किया।

अधेड़ को पीट-पीटकर किया अधमरा

बालूमाथ। बालूमाथ थाना क्षेत्र के गणेशपुर ग्राम में बुधवार की अहले सुबह फुलेश्वर साब 45 वर्ष पिता स्वर्गीय दुखान साव को उन्हीं के गोतिया भोला साब, मुकेश साव, विष्णु साव, जीरा देवी द्वारा पीट-पीट कर अधमरा कर दिया गया है। फुलेश्वर साव की बहू पूनम देवी ने बालूमाथ थाना में आवेदन देकर कहा है कि आज सुबह मेरे ससुर शौच के लिए जा रहे थे इसी क्रम में झालो साव ने मेरे ससुर को कुछ जरूर कार्य करने की बात को लेकर बुलाया और लाठी डंडा टागी से हमला कर दिया। जिससे फुलेश्वर साव के दोनों हाथ टूट गया है। वहीं सर पर गंभीर चोट लगी हैं। परिजनों द्वारा आनन-फानन में उसे बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सक डॉ. संजय सिद्धार्थ द्वारा प्राथमिक ईलाज के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया। फुलेश्वर साव की बहू ने बालूमाथ थाना प्रभारी से कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में फुलेश्वर साव ने कहा कि मुझे पीटते वक्त यह कहा जा रहा था कि तुम ओझा हो हमारे परिवार में ओझा गुनी कर दिया इसलिए हम लोगों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बालूमाथ में धूमधाम से मनायी गयी चित्रगुप्त पूजा

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय समेत आसपास के क्षेत्र में कायस्थ समाज के लोगों ने चित्रगुप्त पूजा धूमधाम से मनाई। इंसान के कर्मों का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त की पूजा कायस्थ समाज के लोगों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलम, दवात, कॉपी व पुस्तक रखकर किया और भगवान चित्रपगुप्त से मनोवांछित कामना किया। मौके पर संजीव सिन्हा, निर्मल सिन्हा, रविन्द्र सिन्हा, शम्भू लाल, सुमन सिन्हा, देवेंद्र सिन्हा, अजित सिन्हा, अशोक सिन्हा, अनिल सिन्हा, अमन श्रीवास्तव, पंकज सिन्हा, प्रशांत सिन्हा, राजन लाल, विक्की सिन्हा, बंटी सिन्हा, विपुल सिन्हा, प्रियांश कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

सिबला गोनिया पथ पर सड़क हादसे में एक की मौत

बारियातू। थाना क्षेत्र के राजगुरु ग्राम निवासी धानेश्वर साव (70) वर्षीय पिता भुखलाल साव की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजगुरु गोनिया पथ झूमेली महुआ स्थित भुइयांटोली के पास अपने टीवीएस लूना बाइक से अपने घर जा रहे थे। तभी झूमेली महुआ भुइयाँ के पास गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल धानेश्वर साव को परिजनों ने बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चकित्सकों ने नाजुक स्थिति को देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया। रांची रिम्स ले जाने के क्रम में रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मृतक को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार ले जाया गया। इधर इस तरह के अचानक हुए हादसे से परिजनों में मातम छाया हुआ है।

छठ व्रतियों को बेहतर सुविधा देने में जुटा युवा भारत

चंदवा। युवा भारत चंदवा छठ महापर्व में छठ व्रतियों को बेहतर सुविधा देने को लेकर तैयारियों में जुटा हुआ है। इस वर्ष पहली बार घाट के पूर्व-दक्षिणी छोर में महिलाओं के लिए अस्थायी शौचालय का निर्माण युवा भारत के द्वारा कराया जा रहा है। घाट की तैयारी अब अपनी अंतिम चरण में है। हिंडाल्को के परमेश्वर कुशवाहा के द्वारा घाट सफाई और मरम्मती का कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है। युवा भारत के कृपाचार्य उर्फ दारा सिंह ने बताया कि इस बार छठ व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसे लेकर युवाओं को अलग अलग जवाबदेही सौंपी गयी है। युवा भारत के आशीष गुप्ता, राजू प्रसाद, दीपक निषाद, आदर्श रविराज, रंजन सिंह, अंकित कुमार, कमलेश प्रसाद, मनीष गुप्ता चांदो, राकेश रंजन गिरी, रवि गंझू, विजय कुमार, सचिन कुमार, अर्जुन कुमार समेत कई युवा अपने कार्यो को अंजाम देने में जुटे हुए है।

11वीं जीत भी हमारी होगी, भारत खिताब से एक कदम दूर

भारत फाइनल में, रोहित सेना ने न्यूजीलैंड को 70 रनों से हराया

एजेंसी

मुंबई। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को विश्व कप 2023 के पहले सेमीफाइनल में 70 रनों से हराते हुए खिताबी मुकाबले का टिकट कटा लिया। वर्ल्ड कप में यह भारत की लगातार दसवीं जीत है। पूरे देश को उम्मीद 11 वीं जीत भी हमारी ही होगी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड से तमाम हारों का बदला ले लिया। भारत ने 397 रन बनाये थे, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने लंबी लड़ाई के बाद घुटने टेक दिये। अब 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खिताबी मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जायेगा।

मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में पहले सेमीफाइनल में भारत के भौकाल के बाद न्यूजीलैंड का युद्ध देखा...। वो भी क्या खूब देखा। भारत ने बड़ा लक्ष्य दिया तो फैंस को उम्मीद कि कीवी रनों के पहाड़ के नीचे दब जायेंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। डेरिल मिचेल (119 गेंदों में 9 चौके और 7 छक्के के दम पर 134 रन) लड़े और क्या खूब लड़े। न्यूजीलैंड भले ही हार गया, लेकिन इस बल्लेबाज ने सारी चमक लूट ली। भारत ने विराट कोहली के 50वें शतक और श्रेयस अय्यर की तूफानी सेंचुरी के दम पर 4 विकेट पर 397 रन बनाये थे, जबकि जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.5 विकेट पर 327 रन बना सकी। मोहम्मद शमी (9.5 ओवरों में 57 रन) ने विकेटों का सत्ता जड़ा। इस तरह से भारत ने आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में न्यूजीलैंड के भूत को भगाने में कामयाबी हासिल की और फाइनल का टिकट कटा लिया। यह भारत की लगातार 10वीं जीत है।

कोहली का 50वां शतक तो श्रेयस का तूफान : इससे पहले विराट कोहली ने वनडे में शतकों का अर्धशतक पूरा करके सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जबकि श्रेयस अय्यर ने लगातार दूसरे मैच में सैकड़ा ठोका। अय्यर ने 70 गेंद पर 105 रन बनाये। इन दोनों ने 128 गेंद पर 163 रन जोड़े। इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा ने 29 गेंद पर 47 रन की तूफानी पारी खेल कर भारत को तेज शुरुआत दिलाई जबकि बीच में रिटायर्ड हर्ट होने वाले शुभमन गिल ने अंतिम ओवर में वापसी की और कुल 66 गेंद पर नाबाद 80 रन की पारी खेली। केएल राहुल 20 गेंद पर 39 रन बना कर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से टिम साउदी सबसे महंगे लेकिन सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 100 रन देकर 3 विकेट लिये।

रोहित के बाद गिल ने संभाला मोर्चा : रोहित की आतिशबाजी के बाद गिल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने लॉकी फर्ग्यूसन को निशाने पर रखा और इस तेज गेंदबाज पर छक्का लगाकर 13वें ओवर में भारत का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। गिल ने 41 गेंद पर वनडे में अपना 13वां अर्धशतक पूरा किया। जब वह 79 रन पर खेल रहे थे तब बाएं पांव में ऐंठन के कारण उन्हें क्रीज छोड़नी पड़ी। उन्होंने प्रवाहमय बल्लेबाजी की और अपनी पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगाए। लेकिन इससे न्यूजीलैंड को किसी तरह की राहत नहीं मिली क्योंकि अय्यर ने एक तरह से गिल की पारी को ही आगे बढ़ाया। उन्होंने रचिन रविंद्र को कुंद करने के अलावा बोल्ट और साउदी की गेंद को भी छक्के के लिए भेजा। इस बीच कोहली ने भी साउदी पर छक्का लगाया। राहुल ने पांच चौके और दो छक्के लगाकर डेथ ओवरों में बखूबी जिम्मेदारी संभाली।

पहले ही ओवर से रोहित ने मचाया कोहराम

कप्तान रोहित ने ट्रेंट बोल्ट के पहले ओवर में दो चौके लगाकर जतला दिया था कि वह बड़े शॉट खेलने से नहीं हिचकिचाएंगे। उन्होंने बोल्ट और साउदी दोनों को निशाने पर रखकर छक्के जड़ने की अपनी काबिलियत का खुलकर प्रदर्शन करके वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। केन विलियमसन को छठे ओवर में ही बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर को गेंद सौंपनी पड़ी। भारतीय कप्तान ने उनका स्वागत चौके और छक्के से किया, लेकिन साउदी पर ऊंचा शॉट लगाते समय उनकी टाइमिंग सही नहीं थी और विलियमसन ने दौड़ लगाकर उसे कैच में बदल दिया। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाए तथा विश्व कप में सर्वाधिक छक्के लगाने के क्रिस गेल (49) के रिकॉर्ड को तोड़ा।

दूसरा सेमीफाइनल आज : ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका में टक्कर

एजेंसी

कोलकाता। आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 का दूसरा सेमीफाइनल मैच ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका के बीच गुरुवार (16 नवंबर) को खेला जाने वाला है। इन दोनों टीम के बीच ये मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में दोपहर 2 बजे से खेला जाने वाला है। इस मैच में पैट कमिंस के हाथो में ऑस्ट्रेलिया की टीम की कमान होगी तो वहीं, साउथ अफ्रीका की कप्तानी टेम्बा बावुमा करते हुए आएंगे. इस मैच को जीतकर दोनों टीमें मोटेरा में फाइनल खेलना चाहेंगी।

कैसा होगा पिच का मिजाज : ईडन गार्डन्स की विकेट शुरू से ही बल्लेबाजी के लिए अच्छी मानी जाती है, लेकिन इस विश्व कप में गेंदबाजों को भी यहां मदद मिली है। इस विश्व कप में यहां ज्यादा बड़े स्कोर नहीं देखने के लिए मिले हैं। इस पिच पर अंतिम लीग मैच में इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ 337 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने 3 मैच खेले हैं जिसमें से उसे 2 में जीत और 1 में हार मिली है। साउथ अफ्रीक ने इस मैदान पर 6 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 3 में जीत 2 में हार मिली है। इस पिच पर बल्लेबाज सेट होने के बाद बड़ा स्कोर खड़ा कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी संभालने के बाद किसी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहली बार खेलेंगे, लेकिन कमिंस को लीग स्टेज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का समाना करना पड़ा था।

दोनों टीमें शानदार : ऑस्ट्रेलिया की टीम के सभी खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं। ऐसे में कमिंस के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन करना मुश्किल होगा। लेकिन वो मैच से पहले ही अपनी प्लेइंग 11 का खुलासा करेंगे। वो टीम में किसी ऑलराउंडर या एक अतिरिक्त बल्लेबाज को जगह दे सकते हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड हमेशा अच्छा रहा है। कमिंस ने कहा कि, 'हमने काफी लंबा सफर तय किया है। 'दक्षिण अफ्रीका ने विश्व कप में अभी फाइनल नहीं खेला है। वो 4 बार सेमीफाइनल में पहुंचा है लेकिन बाहर हो गया। अब उसके पास मौका होगा कि वो ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाये। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया मानसिक रूप से साउथ अफ्रीका से आगे रहने वाला है।

मौसम की मैच पर पड़ सकती है मार: इस मैच में बारिश का अनुमान भी जताया जा रहा है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर बारश हो सकते हैं। ऐसे में दोनों टीमें चाहेंगी कि मैच पूरा 50 ओवर का खेला जाये। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ने वनडे फॉर्मेट में अब तक आपस में 105 मैच खेले हैं. इस दौरान साउथ अफ्रीका को 55 और ऑस्ट्रेलिया को 50 मैचों में जीत मिली है. इन दोनों के बीच पिछले 10 मैचों में 8 मैच साउथ अफ्रीका ने जीते हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 2 मैचों में जीत मिली है।

एक नजर में

छठ व्रतियों के लिए हिंदू महासभा की ओर से लागत मूल्य पर सामग्री का वितरण करने का कार्य दूसरे दिन भी जारी

वितरण करते हिंदू महासभा के लोग।

महुआडांड़। स्थानीय दुर्गा बाडी परिसर मे महापर्व छठ पूजा को लेकर महुआडांड़ हिन्दू महासभा की ओर से छठ वतीर्यों के लिए लागत मुल्य पर तथा गरीब तबके के लोगो के लिए फ्री मे सामग्री वितरण करने का कार्य बुधवार को भी जारी रही। दूसरे दिन बुधवार को छठ पुजा सामग्री खरीदने के लिए छठव्रतियों की भीड़ लगी रही। वहीं छठ पूजा के सफल आयोजन को लेकर हिन्दू महासभा के अध्यक्ष मनोज जायसवाल के नेतृत्व में महुआडांड हिन्दू महासभा के पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी के सदस्य गण तन मन और धन से लगे हुए हैं। हिन्दू महासभा के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने कहा कि यदि कोई छठव्रती की आर्थिक स्थिति ठीक नही है, या कोई नि:शुल्क मे सामग्री प्राप्त करना चाहते है तो उन्हे भी हिन्दू महासभा सामग्री उपलब्ध करा रही है साथ ही प्रत्येक वर्ष के भांति इस बार भी जायसवाल समाज की ओर से दुर्गा बाड़ी परिसर में गेहूँ, तेली समाज की ओर से गुड़, भोला सोनी एवं राजेश सोनी की ओर से चावल तथा सत्येन्द्र प्रसाद व उषा देवी की ओर से सुप का वितरण भी नि:शुल्क किया जा रहा है। वहीं छठ व्रतीयों के लिए मात्र 100-100 रूपया में धोती साड़ी कपड़ा भी उपलब्ध कराया गया है।

पूर्व प्रखंड उपप्रमुख सरिता जायसवाल कर रही हैं आम की सूखी लकड़ी का वितरण कार्य

लोक आस्था का महापर्व छठ पुजा को लेकर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्व महुआडांड प्रखण्ड उपप्रमुख सरिता जायसवाल की ओर से उनके निजी आवास पर छठ वतीर्यों के लिए नि:शुल्क आम की सुखी लकड़ी का वितरण करने का कार्य किया जा रहा है, आम की सुखी लकड़ी लेने के लिए भी छठव्रतियों की भीड़ देखी जा रही है।

लातेहार में मनाया गया भैया दूज का पर्व

लातेहार। भाई और बहन के प्रेम का पर्व भैया दूज (गोधन) बुधवार को को जिले में पांरपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के विभिन्न चौक चौराहों में बहनों को सामुहिक रूप से पूजा अर्चना करते देखा गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाईयों को तिलक लगा कर उनकी लंबी उम्र की कामना की। शहर के राजहार, गुरूद्वारा रोड, शिवपूरी, बानपुर, धर्मपुर, चंदनडीह समेंत कई इलाकों में बहनों ने सामुहिक रूप से पूजा अर्चना कर अपने भाईयों की लंबी उम्र की कामना की। पुजारी राजेश पाठक ने बताया कि भाई दूज को लेकर यह मान्यता प्रचलित है। इस दिन भाई को तिलक लगाकर प्रेम पूर्वक भोजन कराने से परस्पर तो प्रेम बढ़ता ही है, भाई की उम्र भी लंबी होती है। उन्होने बताया कि इस दिन यमुना जी ने अपने भाई यमराज से वचन लिया था और उसके अनुसार भाई दूज मनाने से यमराज के भय से मुक्ति मिलती है। गारू, मनिका, बरवाडीह व महुआडांड़ प्रखंड मुख्यालय एवं नेतरहाट समेंत आसपास के क्षेत्र में भी भैया दूज का पर्व श्रद्धा और प्रेम के साथ मनाया गया। बहनों ने सामुहिक रूप से गोबर से भाई दूज परिवार का निर्माण कर पूजन अर्चना की।

टूढ़ामू में सर्पदंश से युवती की मौत

चंदवा। प्रखण्ड के अलौदिया पंचायत अंतर्गत टूढ़ामू ग्राम में सर्पदंश से 19 वर्षीय युवती मनीषा उरांव पिता शंकर उरांव की मौत हो गयी। सर्पदंश के बाद गम्भीर अस्वस्थ में परिजनों द्वारा मनीषा को इलाज के लिए लातेहार के मिशन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी। घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि मंगलवार को मनीषा उरांव को किसी विषैले सांप ने काट लिया था, जिसके बाद उसकी स्थिति नाजुक हो गयी थी। परिजनों के द्वारा उसे लातेहार मिशन अस्पताल ले जाया गया था। इधर घटना के बाद प्रखंड उप प्रमुख अश्विनी मिश्रा, भाजपा नेता विजय दुबे ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया व प्रावधान के तहत मुआवजा दिलाने को लेकर परिजनों से मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराने का आग्रह किया, लेकिन परिजन पोस्टमार्टम को तैयार नहीं हुए। जिसके बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

रेलवे साइट पर हुई गोलीबारी में अमन साव गिरोह के मयंक सिंह ने ली जिम्मेदारी

बालूमाथ। टोरी से शिवपुरी थर्ड लाइन निर्माण कार्य कर रहे कृपा शंकर कंस्ट्रक्शन कंपनी के बुकरू साइट पर मंगलवार की शाम अज्ञात अपराधियों द्वारा किए गए गोलीबारी का जिम्मेदारी अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने लिया है। उन्होंने कंपनी के एमडी कृपाशंकर सिंह के व्हाट्सएप पर लिखित भेज कर कहा है कि तीन दिनों के अंदर मैनेज कर ले अन्यथा बुरा अंजाम की जाएगी। वही लिखा है कि लातेहार चतरा हजारीबाग ,रामगढ़, पलामू में जो भी काम करेगा मयंक सिंह से मैनेज करना होगा। इधर घटना के बाद बालूमाथ पुलिस रेलवे का चल रहे कार्य पर लगातार कैंप कर रही है। इधर घटना के बाद रेलवे संवेदक एवं कर्मियों के बीच दहशत का माहौल है।

बालूमाथ में बाइक से गिरकर वृद्ध घायल, रिम्स रेफर

बारियातू प्रखंड के राजगुरु शिबला मुख्य मार्ग स्थित जूमेली महुवा के पास अनियंत्रित होकर लूना बाइक से गिरकर एक वृद्ध घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार लूना बाइक पर सवार होकर राजगुरु निवासी धनेश्वर साहू कुछ आवश्यक काम को लेकर शिबला जा रहा था । इसी दौरान अनियंत्रित होकर जूमेली महुवा के समीप बाइक पलट गई। जिससे वह घायल हो गया। जिसके बाद आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से घायल वृद्ध को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। वही स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए वृद्ध को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

बेतला पंचायत की मुखिया मंजू देवी ने कूप निर्माण की रखी नींव

कूप निर्माण की नींव रखतीं मुखिया।

▸▸ पंचायत को संपूर्ण विकसित बनाने के लिए हूं संकल्पित : मंजू देवी

खबर मन्त्र संवाददाता

बेतला। बरवाडीह प्रखंड के बेतला पंचायत अंतर्गत ग्राम कुटमू में रीता देवी एवं पोखरी खुर्द में इस्माइल अंसारी के खेत मे बिरसा सिंचाई संवर्धन मिशन के तहत कूप निर्माण कि बुधवार को विधिवत पूजा पाठ कर शुभारंभ किया गया। इस दौरान पंचायत के मुखिया मंजु देवी ने कहीं की पंचायत क्षेत्र में ग्रामीणों को किसी भी प्रकार से परेशानी ना हो इसके लिए सदैव तत्पर हूँ। झारखंड सरकार के महत्वाकांक्षी योजना बिरसा सिंचाई कूप योजना है। जो लाभुक है। स्वयं अच्छे एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करें। सिंचाई की समुचित व्यवस्था होने के बाद लोग रोजगार से जुड़ेंगे एवं जीवन यापन करने में उन्हें काफी सहूलियत मिलेगी। मौके पर पंचायत सेवक देवलाल राम, रोजगार सेवक मनोज कुमार, पंचायत के पूर्व मुखिया संजय सिंह, आवास मित्र उमेश कुमार, लाभुक रीता देवी, इस्माइल अंसारी, जमुना सिंह, अख्तर अंसारी, रोहित कुमार समेत कई लोग मौजूद थे।

पंचायत प्रतिनिधि व प्रखंड कर्मियों ने धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती मनायी

खबर मन्त्र संवाददाता

जयंती मनाते लोग।

बारियातू। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में पंचायत प्रतिनिधि व प्रखंड कर्मियों ने कार्यक्रम आयोजित कर बुधवार को गया धरती आबा बिरसा मुंडा की जयंती मनाया। उपस्थित पंचायत प्रतिनिधि व कर्मियों ने बिरसा मुंडा की चित्र पुष्प अर्पित किया उसके पश्चात एक दुसरे को मिठाई खिलाकर झारखंड राज्य की 23वां स्थापना दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी, जिप सदस्य रमेश राम, राज्य सभा सांसद प्रतिनिधि रिगन कुमार, बीडीओ प्रतिमा कुमारी ने संयुक्त रूप से भगवान बिरसा मुंडा के तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर जयंती समारोह मनाया गया। वहीं प्रमुख देवी ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा जनजाति समाज का बहुमूल्य योगदान रहा। सैकड़ों जनजाति क्रांतिकारियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। भगवान बिरसा मुंडा उन्हीं क्रांतिकारियों के अग्रणी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल-जमीन और जंगल की रक्षा और अपने धर्म संस्कृति को बचाने के लिए संघर्ष करने वाले बिरसा मुंडा जनजाति अस्मिता के नायक माने गए। इसलिए उनके जीवन काल में से ही झारखंड के लोग उन्हें धरती का आबा भगवान कहते थे। साथ ही बीडीओ प्रतिमा, राज्य सभा सांसद प्रतिनिधि रिगन कुमार ने भी बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डाला. मौके पर पुर्व मुखिया प्रमोद उरांव,समाज सेवी नन्दु उरांव, बीपीओ रवि यादव, पंकज पांडेय, निरंजन रजक, सुनिल कुमार, प्रितम कुमार, बिंदेश्वर राम सहित कई लोग उपस्थित थे।

देश के स्वतंत्रता संग्राम व जल जंगल जमीन की रक्षा में धरती आबा का अहम योगदान : बैद्यनाथ राम

धूमधाम से मनायी गयी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती

खबर मन्त्र संवाददाता

शिलान्यास करते विधायक व अन्य।

चंदवा। चंदवा-माल्हन-मैक्लुस्कीगंज पथ पर गुरीटांड स्थित भगवान बिरसा मुंडा स्मारक स्थल पर बुधवार को स्वतंत्रता सेनानी धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती धूमधाम के साथ मनायी गयी। इस मौके पर पूजन, भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण व जतरा मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पाहन राम पाहन व फत्तू पाहन के द्वारा विधिवत पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि झामुमो के लातेहार विधायक वैद्यनाथ राम, झामुमो जिलाध्यक्ष लाल मोतीनाथ शाहदेव, विशिष्ट अतिथि बीडीओ विजय कुमार, सीओ जयशंकर पाठक, पड़हा राजा धनेश्वर उरांव, झामुमो नेता सितमोहन मुंडा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुरेश गंझु समेत अन्य अतिथियों ने भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया व उनके बताये पद चिन्हो पर चलने का संकल्प लिया। इसके पूर्व भगवान बिरसा मुंडा स्मारक समिति के द्वारा अतिथियों का पारंपरिक रिति-रिवाज के साथ स्वागत किया गया, उसके उपरांत माला पहनाकर एवं बैच लगाकर उन्हे सम्मानित किया गया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए विधायक बैद्यनाथ राम ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन व आदिवासियों के जल जंगल जमीन की रक्षा में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा का अहम योगदान रहा है। भगवान बिरसा मुंडा ने 19 वीं सदी के अंतिम दशक में देश के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाते हुए अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। अंग्रेजों के द्वारा षड्यंत्र के तहत गिरफ्तार कर उन्हें केंद्रीय कारागार में रखा गया था, जहां उनकी रहस्यमई मौत हो गई थी। हम सभी को भगवान बिरसा मुंडा की योगदान को सदैव याद रखने की जरूरत है। विधायक के अलावे झामुमो जिलाध्यक्ष लाल मोतिनाथ शाहदेव ने कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार भगवान बिरसा मुंडा ने जिस झारखंड निर्माण के सपने को देखा था, उसे पूरा करने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसके अलावे अन्य अतिथियों ने भी भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डाला।

▸▸ भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर चाहरदीवारी निर्माण का विधायक ने किया शिलान्यास

कार्यक्रम के दौरान विधायक बैद्यनाथ राम, झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव व अन्य ने संयुक्त रूप से भगवान बिरसा मुंडा पर स्मारक स्थल पर चाहरदीवारी निर्माण का शिलान्यास किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि स्मारक स्थल पर चाहरदीवारी निर्माण होने से प्रतिमा स्थल की जमीन सुरक्षित होगा। आने वाले समय मे योजनाबद्ध तरीके इस स्थान को भव्यता प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

स्पीड न्यूज

भाइयों की सलामती के लिए बहनों ने मनाया भैया दूज

दुमका। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार भैया दूज बुधवार को पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पर्व को लेकर सुबह से ही भाई और बहनों के बीच उत्साह देखा गया। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगा कर उनके सलामती के लिए मंगल कामना की। इस अवसर पर भाई अपनी बहन को उपहार भी देते हैं। इस त्योहार को लेकर बाजार में चहल-पहल रही तथा मिठाई की दुकानों में लोगों की भीड़ देखी गई। वहीं बंगाली समाज में भाई फोटा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस पर्व पर बंगाली समाज में बहनों ने अपने भाइयों की आरती उतार कर उनके माथे पर तिलक लगाया और उनके लंबी उम्र की कामना की।

महिलाओं ने धूमधाम के साथ की गोवर्द्धन की पूजा

दुमका। गोवर्धन पूजा और भैया दूज पर्व के अवसर पर कुलदीप सिंह रोड में बुधवार को महिलाओं ने अपने भाइयों की लंबी उम्र के लिए यहां गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाई। साथ ही टीन बाजार तेली पाड़ा में भी महिलाओं ने गोवर्धन पूजा की। गोवर्धन पूजन में गौमाता की पूजन के साथ एक पौराणिक कहानी के विभिन्न पात्रों को गौ माता के गोबर से घर के आंगन को शुद्ध एवं साफ सुथरा कर बड़े ही पवित्र ढंग से यहां उकेरा जाता है। इसके बाद एक महिला श्रद्धालु वहां उपस्थित सभी महिलाओं को कहानी सुनाती है, जिसमें भाई के ऊपर आई सारी विपत्ति बहन अपने ऊपर लेकर अपने भाई को गोवर्धन भगवान के आशीर्वाद से सभी बालाओं से मुक्त करने की कहानी कह अंत में कहानी के सभी दुष्ट पात्रों को उसके ऊपर ईंट रखकर मूसर से कूट कर अपने भाई के प्राणों की रक्षा करती है। इस पर्व की एक विशेष खासियत यह है कि बहने अपने भाई के प्राणों के रक्षार्थ अपने जीभ में कांटे से चुभाती है। मौके पर समाज की विभिन्न महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

चित्रगुप्त भगवान की धूमधाम से हुई पूजा-अर्चना

दुमका। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की ओर से पोखरा चौक बांधपाड़ा स्थित चित्रगुप्त मंदिर में जिलाध्यक्ष दयानंद श्रीवास्तव के निर्देशन में चित्रगुप्त पूजा का आयोजन किया गया। बड़ा बांध मुहल्ला स्थित चित्रगुप्त मंदिर को भव्य रुप से सजाया-संवारा गया था। विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना करने के बाद हवन का भी कार्यक्रम किया गया। पूजा के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। सनातन विधि विधान द्वारा पंडित पिंटू बाबा ने राजाराम और सत्येन्द्र नारायण प्रसाद को संकल्प कराते हुए पूजा प्रारंभ किया। पूजन और हवन में शोभा वर्मा, विजय प्रकाश कर्ण, संजय कुमार घोष, राजीव कुमार श्रीवास्तव, राजीव नंदन प्रसाद, मनोज कुमार घोष, अखिलेश कुमार सिन्हा, अमरेन्द्र सुमन, मनोज कुमार सिन्हा, अनुराग सिन्हा, जीवन प्रकाश सिन्हा, राजीव कुमार श्रीवास्तव, राजेश कुमार सहाय, उज्जवल गुहा, श्याम कुमार, प्रो. मनोज अम्बष्ट, भवानी शंकर प्रसाद, सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, रेणु सिन्हा, सुजय कुमार सिन्हा, राजेश अम्बष्ट, सुमित कुमार, शैलेन्द्र नारायण प्रसाद, अमरेन्द्र सिन्हा, रामाशंकर श्रीवास्तव, राजीव नंदन प्रसाद, रामाशंकरा सिन्हा, कौशलेश नंदन संडवार, सृष्टि श्री, नील महता,विजय अम्बष्ट,सुनिल अम्बष्ट, विनय कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में चित्रांश एवं चित्रांशियों ने भाग लिया।

घर में घुसकर 45 वर्षीय महिला की हत्या

दुमका/निज संवाददाता। घर में घुसकर 45 वर्षीय महिला रुपा टुडू की तेज धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी गई है। यह घटना मंगलवार की देर शाम तालझारी के गंदेरिया गांव में हुई। घटना के वक्त परिवार के सभी लोग काली मेला देखने के लिए गए थे और पति मजदूरी करने के लिए बाहर गया हुआ है। महिला घर पर अकेली थी। जानकारी के अनुसार महिला को चार संतान है। एक बेटी और तीन पुत्र है। बेटी की शादी हो चुकी है। तीन बेटों में एक बेटे की भी शादी हो चुकी है। गांव में ही काली मेला लगा हुआ था। शाम को सभी लोग मेला देखने के लिए चले गए थे।

'चंदन दा' उर्फ सुब्रत राय सहारा को याद कर रहे अररिया के लोग, इस बार भी भेजे थे पूजा का चंदा

खबर मन्त्र संवाददाता

अररिया। 10 जून 1948 को अपने ननिहाल अररिया में जन्मे सहारा सुब्रत राय सहारा के निधन के बाद यहां के लोग उन्हें याद कर रहे हैं। अररिया शहर के आश्रम रोड स्थित समिति के पास उनका ननिहाल है, हालांकि अब यहां कोई नहीं रहता। सभी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में रहते हैं। अररिया से गोरखपुर और फिर भारत के साथ पूरी दुनिया में बिजनेस के क्षेत्र में चमकने वाले सुब्रत राय सहारा की जानकारी हर किसी की जुबान पर है। अररिया में सुब्रत राय को बचपन में लोग 'चंदन दा' के नाम से जानते थे। सुब्रत राय सहारा के रिश्तेदार अजय सेन गुप्ता ने बताया कि बचपन में वो फुटबॉल के शौकीन थे। अपने बचपन में चंदन दा उर्फ सुब्रत राय सहारा दुर्गा पूजा के वक्त गले में ढाक (ढोलक) बांधकर गली मोहल्ले घूम-घूम कर दुर्गा पूजा पंडाल में लोगों को इकट्ठा किया करते थे। स्थानीय एनी दा ने बताया कि सुब्रत राय समिति दुर्गा पूजा के लिए इस बार भी चंदा भेजा था। सुब्रत राय सहारा के पिता सुधीर चंद्र राय सिविल इंजीनियर थे। उनके ननिहाल तक जाने के लिए सड़क नहीं थी जो बाद के दिनों में सुब्रत राय के द्वारा सड़क बनाई गई और उनके पिताजी सुधीर चंद्र राय के नाम पर सड़क का नामकरण भी किया गया। बता दें कि नाना अमितो लाल दास गुप्ता तथा नानी ननी माला दासगुप्ता के घर सुब्रत राय का जन्म हुआ था। सुब्रत राय के पिताजी का नाम सुधीर चंद्र रॉय और माताजी का नाम छोबी रॉय है। सुब्रत राय की प्रारंभिक शिक्षा अररिया हाई स्कूल से हुई, लेकिन उनके पापा चीनी मिल में इंजीनियर थे, इसीलिए जहां-जहां उनकी पोस्टिंग होती थी, वहां इन्होंने शिक्षा ग्रहण की। सुधीर चंद्र रॉय और छबि रॉय की चार संतानों मे सुब्रत राय सबसे बड़े लड़के थे।

लकड़ी चुनने जंगल गया ग्रामीण आइइडी विस्फोट में घायल, रेफर

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम के कोल्हान जंगल में पुलिस को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से लगाए गए आइडडी की चपेट में आने से फिर एक ग्रामीण घायल हो गया। घायल ग्रामीण को इलाज के लिए चक्रधरपुर स्थित अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसके गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम बोयपाईससांग के आसपास जंगली -पहाड़ी क्षेत्र में आइडडी विस्फोट की चपेट में आने वाले ग्रामीण की पहचान मधु तैसुम, उम्र करीब 35 वर्ष, पिता विजय तैसुम ग्राम बरायबीर थाना गोईलकेरा निवासी के रूप में हुई है।

घायल मधु तैसुम लकड़ी काटने के कार्य से ग्राम बमयाबुरू एवं बोयपाईससांग के पास जंगल-पहाड़ी क्षेत्र की ओर गया था। घटना की सूचना प्राप्त होते ही चाईबासा पुलिस एवं सीआरपीएफ 60 बटालियन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षाबलो ने गंभीर रूप से घायल मधु तैसुम को ग्रामीणों के सहयोग से घटना स्थल से निकाला गया तथा हाथीबुरू कैम्प में प्राथमिक उपचार किया। जिला पुलिस के अनुसार पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा कोल्हान क्षेत्र में लगातार संचालित नक्सल विरोधी अभियान के कारण सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने हेतु नक्सलियों द्वारा आइडडी का प्रयोग किया जा रहा है।

आइडडी विस्फोट में ग्रामीणों को लक्षित कर घायल करना नक्सलियों का एक कायराना हरकत है। झारखण्ड पुलिस आम जनता की सेवा में सदैव तत्पर है और ग्रामीणों की सुरक्षा हेतु सघन नक्सल विरोधी अभियान का संचालन जारी रहेगा।

मशहूर गायिका कुमकुम बिहारी ने भक्ति जागरण में बांधा समां

जागरण करती गायिका

खबर मन्त्र संवाददाता

हंसडीहा। हंसडीहा के धनबे गांव में मंगलवार की रात काली पूजा को लेकर पूजा समिति के द्वारा भक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भक्ति जागरण में रात भर मशहूर गायिका कुमकुम बिहारी के भक्ति गीतों के धुन पर श्रोता झूमते रहे व कार्यक्रम की प्रस्तुति पर कलाकारों का हौसला बढ़ाते रहे। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में कुमकुम बिहारी के अलावे अन्य कलाकारों ने विभिन्न तरह के भक्ति गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को झुमाया। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी शेलेन्द्र मंडल व गांव के गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान अपने संबोधन में श्री मंडल ने इस तरह के कार्यक्रम के लिए पूजा समिति के सदस्यों की सराहना करते हुए बधाई दी। भक्ति जागरण का शुभारंभ मशहूर गायिका कुमकुम बिहारी ने अपने फेवरेट गीत भांग पीके गाड़ी न चलइयो हो मोर ड्राइवर हो साइयां के साथ की कार्यक्रम में गायिका कुमकुम ने अपनी गायिकी से लोगों के बीच ऐसा समां बांधा की लोग जमकर झूमें।भक्ति गीतों के दौरान लोगों के बीच पहुँच गायिका ने उनका अभिवादन किया।

जमीन विवाद में गोलीकांड का फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

दुधमुंहे बच्चे संग बेटी, बेटा और बाप गया जेल

खबर मन्त्र संवाददाता

जामा। दुमका के जामा थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के लोधना गांव में हुए गोलीकांड में फरार तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को पश्चिम बंगाल के अंडाल क्षेत्र के बनबहाल ओपी अंतर्गत उत्तरजामबाद गांव से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बाप मुश्ताक शेख, बेटा कलीम शेख एवं बेटी रफेजा बीबी शामिल है। लेकिन मुख्य आरोपी अकबर शेख अभी भी पुलिस के पकड़ से बाहर है। घटना के 24 दिन बाद भी पुलिस लोधना गांव में कैम्प किये हुए है। जानकारी

के अनुसार 22 अक्टूबर को सुबह जमीन विवाद को लेकर फरीद शेख एवं उसके बहनोई अकबर शेख ने फारुख के घर जाकर उसके साथ मारपीट करते हुए तड़ातड़ तीन गोली मारकर फरार हो गये थे। जिसमें से एक मुख्य आरोपी फरीद को उसी दिन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। गोलीकांड में घायल फारुख को इलाज के लिये दुमका ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गयी थी। 42 बीघा जमीन को लेकर दोनों पक्षों में पूर्व से विवाद चलता आ रहा था। और मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन था। इस अप्रत्याशित घटना के बाद मृतक के पूरे परिवार में भय व्याप्त है। उधर आरोपी अकबर शेख के पुलिस पकड़ से बाहर रहने के कारण पुलिस भी चैन की नींद नहीं सो पा रही है।

थाना प्रभारी ने किया विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण

भवनाथपुर। आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर बुधवार को थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय ने थाना स्थित आश्रम छठ घाट, सिंदुरिया छठ घाट, बाजार छठ घाट, अरसली छठ घाट सहित कई छठ घाटों का जायजा लिया। उन्होंने आश्रम छठ घाट एवं सिंदुरिया नदी स्थित छठ घाट में पूजा समिति द्वारा कराए जा रहे घाट निर्माण का जायजा लेते हुए समिति को कई निर्देश दिए। मौके पर उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था, पार्किंग समेत सुरक्षा के उपायों पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन की ओर से छठ व्रतियों को उचित व्यवस्था दिया जाएगा।

झारखंड राज्य स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनी

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज झारखंड राज्य स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जिला मुख्यालय अवस्थित कदबा टोला में उपायुक्त, गोड्डा जिशान कमर, पुलिस अधीक्षक, गोड्डा नाथू सिंह मीना, उप विकास आयुक्त, गोड्डा स्मिता टोप्पो, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर, कार्यपालक दंडाधिकारी मनोज कुमार कार्यपालक दंडाधिकारी मोनिका बास्की, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, गोड्डा अनीशा कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह जिला कल्याण पदाधिकारी, गोड्डा अविनाश कुमार सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी की गरीमामयी उपस्थिति मे धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत्-शत् नमन किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त, गोड्डा एवं पुलिस अधीक्षक गोड्डा के द्वारा संयुक्त रूप से झारखंड राज्य स्थापना दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन पर जिलेवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। उक्त कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त के द्वारा बताया गया कि भगवान बिरसा मुंडा हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं, हमें भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों का पालन करते हुए एक सशक्त समाज के निर्माण में अपना अहम योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा जिस उद्देश्य झारखंड राज्य का निर्माण हुआ है, उसे हम सब मिलकर पूरा करेंगे। राज्य सरकार इसे लेकर दृढ़ संकल्पित है। जिले में आगामी 24 नवंबर से 26 दिसंबर 2023 तक 'आपकी योजना, आपकी सरकार - आपके द्वार' कार्यक्रम पुनः शुरू हो रहा है। सभी अधिकारियों और लोगों से निवेदन है कि अपने-अपने पंचायत में जाए। सरकार का दृढ़ संकल्प है कि सभी योग्य लाभुकों को सरकार की हर योजना का लाभ मिले। हमलोग आपके द्वार, आपके पंचायत जा रहे हैं, ताकि हर किसी को उसका समुचित अधिकार मिल सके। इस बार सख्त निर्देश है कि कोई भी व्यक्ति, लाभुक वंचित ना रहे। सभी पदाधिकारी इस कार्यक्रम में अपना बेहतर योगदान देंगे।

झामुमो कार्यकताओं ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर फूल मालाएं चढ़ाकर उन्हे नमन किया

गोड्डा। आज गोड्डा जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा समिति के अंतर्गत नगर झारखंड मुक्ति मोर्चा समिति के अध्यक्ष अजय कुमार देवा एवं सदर प्रखंड गोड्डा के अध्यक्ष बालमुकुंद महतो के अगुवाई में , कदुवा टोला उपायुक आवास के बगल में स्थित भगवान बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर,बिरसा मुंडा प्रतिमा पर पूजा कर पुष्प अर्पित करते हुए माला पहना कर मनाया गया। साथ ही स्थानीय लोगों के बीच मिठाई बांटी गई।उपस्थित सभी नेताओ ने बिरसा मुंडा अमर रहे,वीर शिबू जिंदाबाद, हेमन्त सोरेन जिंदाबाद,जय झारखंड का नारा लगाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय समिति सदस्य सह पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश मंडल,जिला उपाध्यक्ष घनश्याम यादव,अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष डाक्टर कयूम अंसारी, केंद्रीय समिति सदस्य कौशलेंद्र टुडू ,पूर्व जिला अध्यक्ष प्रो.प्रेम नंदन मंडल,वरिष्ट नेता श्याम हेंब्रम,जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष चंदन हेंब्रम,नगर कोषाध्यक्ष सुमन

मंडल,कुंदन हेंब्रम,नगर संगठन सचिव फिरदौस आलम,सुनील यादव,आदि दर्जनों कार्यकर्ता, स्थानीय लोग,बच्चे उपस्थित थे।

एक नजर में

सौतन की माँ की हत्या में शामिल महिला गई जेल

खबर मन्त्र संवाददाता

शिकारीपाड़ा। दुमका जिले के के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के शिवतल्ला गांव में सात दिन पूर्व 08 नवम्बर को मोमिना बीवी नामक 55 वर्षीया महिला की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल मृतका की बेटी की सौतन चुनकी बीवी उर्फ मफुजा खातून को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक यह गिरफ्तारी पत्ताबाड़ी चौक के पास हुई। दरअसल मृतका मोमिना बीवी के दामाद निजामुद्दीन ने दूसरी शादी कर ली थी। यह जानकारी पाकर मोमिना अपनी बेटी के ससुराल गई और बेटी हालात से समझौता कर रहने की सलाह दी। साथ ही दामाद को भी समझाया। यह सब बेटी की सौतन चुनकी बीवी और उनके परिवार वालों को रास नहीं आया। मोमिना बीवी को रास्ते मे रोककर चुनकी के माता-पिता अन्य परिजन के साथ-साथ दामाद निजामुद्दीन ने भी पीट-पीट कर मोमिना बीवी की जान ले ली थी। इस मामले में कुल सात लोगों के खिलाफ शिकारीपाड़ा थाना में 112/23 केस दर्ज कराया गया था। लगातार पूलिस के दबिश के कारण कल मंगलवार को कैरामत मियां और निजामुद्दीन ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। दरअसल पुलिस की दबिश पर बीते मंगलवार को दोपहर एक बजे के करीब निजामुद्दीन अंसारी, उसकी पत्नी चुनकी खातून व चचिया ससुर कैरामत मियां अदालत में आत्मसमर्पण करने के लिए अदालत पहुंचे। तीनों अदालत में पेश भी हुए। अदालत ने जब नाम का सत्यापन किया तो दो आरोपी का नाम सही निकला, लेकिन चुनकी का नाम दर्ज प्राथमिकी और आधार कार्ड में अंतर था। आत्मसमर्पण की खबर मिलने के बाद शिकारीपाड़ा के इंस्पेक्टर वकार हुसैन कोर्ट पहुंचे और महिला को हिरासत में लिया।

लालू यादव के आरोपों पर नित्यानंद राय का करारा जवाब, दिया चैलेंज

पटना। बिहार में यादवों के 14 प्रतिशत वोट बैंक को लेकर सियासत तेज हो गई है। वैसे तो बिहार में यादव वोट बैंक को आरजेडी का मजबूत खेमा माना जाता है लेकिन अब बीजेपी भी इस वोट बैंक पर निशाना साध चुकी है। इसकी शुरूआत गोवर्धन पूजा से बीजेपी ने कर दी है।

पेज 1 का शेष

चार अमृत स्तंभ से ही...

पीवीटीजी मिशन से बदलेगी जिंदगी : प्रधानमंत्री ने आदिवासी समुदाय के कल्याण के लिए 24,000 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक योजना की शुरुआत की, जिससे झारखंड में ट्राइबल कास्ट के लिए योजनाओं को चलाया जायेगा। पीवीटीजी मिशन की चर्चा करते हुए पीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने 22 हजार गावों में रह रही ऐसी 75 जनजातीयों की पहचान की है, जो पिछड़ों में भी अतिपिछड़े हैं। ये आदिवासियों में भी सबसे पीछे रह गए आदिवासी हैं। इनकी संख्या लाखों में है और विलुप्त होने के कगार पर हैं। यह योजना इनकी जिंदगी में क्रांतिकारी बदलाव लायेगी। जनसभा को सीएम हेमंत सोरेन और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी संबोधित किया। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व सांसद कड़िया मुंडा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी मौजूद रहे।

हमारे हितों की रक्षा...

दुर्भाग्य की बात है कि आज तक हमारे समाज को उचित जगह नहीं मिली। आज जिस योजना की शुरुआत की गयी वह हमारे ही समाज के अति पिछड़े लोग हैं। यह हम सभी लोगों के लिए यह चुनौती की बात है कि अगर ये लोग नहीं बचे तो आने वाले समय में उसके बाद हम नहीं बचेंगे। बिरसा मुंडा पूरे देश के आदिवासियों के भगवान हैं। **इतिहासकारों ने हमें सही स्थान नहीं दिया :** सीएम ने कहा कि झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है। मैं भी आदिवासी समुदाय से आता हूं और मुझे आदिवासी होने पर गर्व है। आदिवासी हमेशा से हक और अधिकार की लड़ाई लड़ता आया है। वह लड़ाई अंग्रेजों के खिलाफ हो या फिर महाजनों के विरुद्ध। दुर्भाग्य है कि इतिहासकारों ने आदिवासी समाज को उचित जगह नहीं दिया। विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह सबसे पिछड़ा है। अगर ये नहीं बचे तो अन्य आदिवासी विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह में आ जायेगे। आज हम चांद में पहुंच चुके हैं, लेकिन समाज के अंदर जो अंतर दिख रहा है, उसे अबतक मिट जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी, झारखंड कई मायनों को लेकर आगे बढ़ा है। चाहे खनिज संपदा हो या किसी अन्य विषय को लेकर हो। आपसे आग्रह है कि यहां बड़े पैमाने पर आदिवासी जो जंगलों में बसते हैं उन्हें विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है। खनिज संपदाओं को निकालने के लिए बड़े पैमाने में कई वर्षों से इनका विस्थापन होता रहा है। इस क्षेत्र में बसने वाले लोगों के प्रति भी ऐसी विशेष कार्ययोजना तैयार की जाये। जहां हमारे आदिवासी भाई-बहन अपने जल,जंगल, जमीन के साथ अपने आप को समग्र विकास की कड़ियों से जोड़ सके।

हर चेहरे पर दिखे खुशी...

उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना के तहत 8 लाख परिवारों को आवास प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के तहत लाभुकों को 31 वर्ग मीटर में रसोईघर सहित 3 कमरों का पक्का मकान मिलेगा। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय भी मिलेगा। फूलो-झानो आशीर्वाद के तहत हड़िया-दारु की बिक्री करने वाली महिलाओं को वैकल्पिक आजीविका से लगातार जोड़ा जा रहा है। आम नागरिकों को उनके दरवाजे पर पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिये आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का तीसरा चरण आज से प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने सभी रोजगार प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों को शुभकामनाएं दी। विभिन्न योजनाओं के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। मौके पर मंत्री आलमगीर आलम, सत्यानंद भोक्ता, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी अजय सिंह, राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना दादेल, मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

20 साल से अधिक सेवा...

विभाग के स्तर पर लिये गये एख अन्य निर्णय के अनुसार प्रारंभिक शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2012 से 2016 में नियुक्त स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक अपनी सेवा के 10 वर्षों के बाद ही प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति की अर्हता प्राप्त कर सकेंगे। **क्या है मामला :** राज्य के प्राथमिक शिक्षक लंबे समय से प्रोन्नति की लड़ाई लड़ रहे थे। बताया जा रहा है कि प्राथमिक शिक्षकों की लंबित चल रही प्रोन्नति के कार्य को सफलीभूत करने के लिए स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने सभी उपायुक्त और जिला शिक्षा अधीक्षकों को मुक्कमल आदेश जारी किया है। विभाग के इस निर्देश के अनुसार विभागीय प्रोन्नति समिति के माध्यम से लिए गए निर्णय के आलोक में अब वैसे प्रारंभिक शिक्षक जिनकी सेवा 20 वर्षों पूर्ण हो चुकी है उन्हे अब सीधे प्रधानधयापक के पद पर प्रोन्नति दी जाएगी। वहीं, प्रारंभिक शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2012 से 2016 में नियुक्त स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक अपनी सेवा के 10 वर्षों के बाद ही प्रधानाध्यापक पद पर प्रोन्नति पा सकेंगे। बताते चलें कि हेडमास्टर के 3218 पदों में 3144 पद रिक्त है। राज्य के मात्र 74 स्कूलों में ही हेडमास्टर कार्यरत हैं। सरकार के इस निर्णय से 97 प्रतिशत स्कूलों के रिक्त पदों को भरा जा सकेगा। साथ ही स्नातक प्रशिक्षित के रिक्त लगभग 7000 पदों पर विषयवार शिक्षक मिल सकेंगे। **इन लोगों ने जतााय आभार :** शिक्षक को हेडमास्टर के पद पर प्रोन्नति को लेकर शिक्षक संगठन से जुड़े नेताओं ने शिक्षा सचिव और निदेशक प्राथमिक शिक्षा के प्रति आभार जताया है। आभार जताने वालों में उत्तिल यादव बिजेंद्र चौबे धीरज कुमार सुनील कुमार अनूप केसरी, राम मूर्ति ठाकुर, मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद, दीपक चंद्र दत्ता, संतोष कुमार, बाल्मिकी कुमार, हरे कृष्ण चौधरी, राकेश कुमार, अजय ज्ञानी रामचंद्र खेरवार आदि लोग शामिल हैं।

स्पीड न्यूज

कांगो में विद्रोहियों ने 44 ग्रामीणों की हत्या की

किंशासा। कांगो के अशांत पूर्वी हिस्से में चरमपंथी संगठनों से जुड़े विद्रोहियों ने अलग-अलग हमलों में 44 से अधिक ग्रामीणों की हत्या कर दी है। प्रांत के गवर्नर के प्रतिनिधि सैमसन सिमारा ने बताया कि इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े द अलायड डेमोक्रेटिक फोर्स के विद्रोहियों ने रविवार रात उत्तरी किवु प्रांत के किशनगा गांव पर हमला किया और कांगो सेना के एक सदस्य सहित 33 लोगों की हत्या कर दी। सिमारा ने बताया कि विद्रोहियों ने विरुंगा नेशनल पार्क ले जाकर उनकी हत्या कर दी।नागरिक संस्था के नेता सैमुअल नगुंजोलो के अनुसार, विद्रोहियों ने मंगलवार को इतुरी प्रांत में 11 अन्य ग्रामीणों की हत्या कर दी।

दिल्ली-दरभंगा एक्सप्रेस के दो डिब्बों में लगी आग

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में बुधवार शाम दिल्ली से दरभंगा जा रही एक एक्सप्रेस ट्रेन के दो डिब्बों में आग लग गई। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। इटावा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजय कुमार ने बताया कि दिल्ली से दरभंगा जा रही एक ट्रेन के दो डिब्बों में आग लग गई। दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया है और आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

केदारनाथ और यमुनोत्री के कपाट शीतकाल के लिए बंद

रूद्रप्रयाग/उत्तरकाशी। उत्तराखंड में स्थित विश्वप्रसिद्ध उच्च गढ़वाल हिमालयी धामों केदारनाथ और यमुनोत्री के कपाट बुधवार को भैयादूज के पावन पर्व पर परंपरागत पूजा पाठ और विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए । भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय स्वर लहरियों के बीच केदारनाथ मंदिर के कपाट सुबह साढ़े आठ बजे शीतकाल के लिए बंद किए गए ।

नड्डा ने बुआ की अस्थियां गंगा में प्रवाहित की

हरिद्वार। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू विधानसभा क्षेत्र की सबसे बुजुर्ग मतदाता और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की 106 वर्षीय दिवंगत बुआ गंगा देवी की अस्थियां बुधवार को यहां गंगा में प्रवाहित कर दी गयी । नड्डा अपनी बुआ की अस्थियां गंगा में विसर्जित करने हरिद्वार पहुंचे। उनके तीर्थ पुरोहित कपिल पाराशर ने पूरे विधि विधान से वीआईपी घाट पर अस्थि विसर्जन कराया। इस दौरान शांतिकुंज के डॉ चिन्मय पंड्या भी मौजूद रहे।

ब्रिटेन के एनएसएस से हुई सार्थक बातचीत : जयशंकर

लंदन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार टिम बैरो से मुलाकात की और क्षेत्रीय एवं वैश्विक चुनौतियों पर उनके साथ सार्थक चर्चा की। जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करने और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नयी गतिङ देने के उद्देश्य से ब्रिटेन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं।

बांग्लादेश में 7 जनवरी को होंगे आम चुनाव

ढाका। बांग्लादेश में अगले साल सात जनवरी को आम चुनाव होंगे। देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बुधवार को यह घोषणा की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त काजी हबीबुल अवल ने राष्ट्र के नाम संबोधन के दौरान चुनाव तिथि की घोषणा की।

रूस ने यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

मॉस्को। रूस की वायु रक्षा प्रणाली ने बुधवार को देश के पश्चिमी स्मोलेंस्क क्षेत्र में एक यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।
मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ड्यूटी पर मौजूद वायु रक्षा प्रणालियों ने 15 नवंबर को (लगभग 7:30 बजे मॉस्को समय) स्मोलेंस्क क्षेत्र के क्षेत्र में एक यूक्रेनी मानव रहित हवाई वाहन को नष्ट कर दिया।

इजराइल की सेना गाजा के अल शिफा अस्पताल के बेसमेंट में घुसी

हमास के आतंकवादियों को आत्मसमर्पण की दी चेतावनी

एजेंसी

तेल अवीव/यरुशलम। गाजा पट्टी में युद्ध के 40वें दिन की सुबह बुधवार को इजराइल की सेना हमास के पनाहगाह के रूप में सुर्खियों में आए सबसे बड़े अस्पताल अल शिफा में घुस गई। सैनिक बेसमेंट में पहुंच चुके हैं। यहां हमास के खूंखार कमांडरों के छुपे होने की पुख्ता खुफिया सूचना पर यह कदम उठाया गया है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने हमास के आतंकियों को चुपचाप आत्मसमर्पण करने के लिए चेताया है। आईडीएफ ने इस अस्पताल के बेसमेंट की सेटेलाइट तस्वीर भी जारी की है। जवानों ने बेसमेंट में मोर्चा संभाल लिया है। जिधर से भी हलचल का अहसास हो रहा है, उधर गोलियों की बौछार की जा रही है। जवानों ने पूरे अस्पताल पर एक साथ दबिश दी। किसी को भी भागने का मौका नहीं मिला। इससे मरीजों के बीच में रह रहे हमास कमांडर भूतल और सुरंग की तरफ भागते नजर आए। इस अस्पताल में मरीजों के अलावा हजारों शरणार्थी भी मौजूद हैं। आईडीएफ ने कहा है कि हमास के खिलाफ यह अभियान किसी भी सूरत में नहीं रुकेगा। सुरक्षाबल अस्पताल के उस स्थान पर भी पहुंच चुके हैं, जहां किसी को भी नहीं जाने दिया जा रहा था। आईडीएफ ने साफ किया है कि वह किसी भी अस्पताल को हमास का पनाहगाह नहीं बनने देगा। उल्लेखनीय मंगलवार को हमास ने एक और अस्पताल के नीचे हमास की सुरंग का खुलासा करते हुए उसकी बर्बरता की कहानी दुनिया के सामने लाई थी। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल ने यह कदम संयुक्त राज्य अमेरिका की खुफिया जानकारी पर उठाया है। इसमें कहा गया था कि हमास अल शिफा सहित गाजा के अन्य अस्पतालों का उपयोग कमांड सेंटर और गोला-बारूद डिपो के रूप में कर रहा है।

वित्तीय ढांचे को समाप्त करने के लिए अमेरिका-ब्रिटेन ने लगाया नया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। हमास को कमजोर करने और वित्तीय ढांचे को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन ने नया प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका ने हमले के बाद अपने तीसरे दौर के प्रतिबंधों की घोषणा की, जिसमें हमास के प्रमुख अधिकारियों और उन तंत्रों को निशाना बनाया गया, जिसके तहत ईरान हमास और उसके सहयोगी फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) और एक अन्य आतंकवादी समूह को सहायता प्रदान करता है। ब्रिटेन सरकार ने अपने आतंकवाद विरोधी प्रतिबंध सूची में छह नए नाम जोड़े हैं, जिनमें हमास से जुड़े चार व्यक्ति शामिल हैं। अमेरिकी वित्त सचिव जेनेट येलेन ने एक बयान में कहा कि अमेरिका हमास को उसके अत्याचारों को अंजाम देने के लिए धन जुटाने और उपयोग करने को रोकने के लिए ब्रिटेन सहित अपने सहयोगियों के साथ काम करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि हमास के हमले से अत्यधिक कष्ट हुआ है। आतंकवाद अलग-अलग नहीं होता है। येलेन ने कहा कि अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हम निर्णायक रूप से हमास के वित्तीय ढांचे को खत्म करने और उन्हें बाहरी वित्तीय मदद से अलग करने के लिए नए फंडिंग चैनलों को रोकने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बिरसा मुंडा को किया नमन

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को संसद भवन परिसर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती, जनजातीय गौरव दिवस पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी संसद परिसर जाकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सुरंग में चार दिन से फंसे मजदूरों को बचायेगी संकटमोचक मशीन

एजेंसी

▸▸ **पीएमओ के निर्देश पर वायु सेना के तीन हरक्यूलिस विमान से दिल्ली से आया हाई पावर ऑगर ड्रिलिंग मशीन**

उत्तरकाशी। चारधाम ऑल वेदर परियोजना की सिल्क्यारा सुरंग में पिछले चार दिनों से फंसे 40 श्रमिक जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इन्हें सुरक्षित बचाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी पहल की है। पीएमओ के निर्देश पर वायु सेना के तीन हरक्यूलिस विमान से हाई पावर ऑगर ड्रिलिंग मशीन नई दिल्ली से चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर पहुंचाई गई। चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी से 32 किलोमीटर दूर सिल्क्यारा तक ट्रेलर में पहुंचाने का कार्य गतिमान है। माना जा रहा है कि यह मशीन सुरंग में फंसे मजदूरों के लिए संकटमोचक साबित होगी।

50 मीटर पाइपों की एस्केप टनल : एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशु मनीष खलको ने कहा कि बुधवार रात तक हाई पावर ऑगर ड्रिलिंग मशीन स्थापित हो पाएगी। मशीन के संचालित होने पर करीब 50 मीटर पाइपों की एस्केप टनल तैयार हो पाएगी। इस मशीन के जरिए प्रति घंटे पांच मीटर मलबा को पार किया जा सकेगा। वहीं, सिल्क्यारा में सुरंग के बाहर

परिजनों व श्रमिकों की सब्र का बांध भी टूटता दिखा। करीब दो घंटे तक हंगामा चलता रहा।

मंगलवार की रात खराब हो गई थी मशीन: मंगलवार की रात को सिल्क्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए ऑगर ड्रिलिंग मशीन का संचालन शुरू किया गया था। करीब तीन मीटर तक मलबा पार करने के बाद मशीन का एक कलपुर्जा खराब हुआ और खोज बचाव अभियान में बाधा उत्पन्न हुई। रात की प्रशासन ने इसकी रिपोर्ट शासन और पीएमओ को दी और हाई ड्रिलिंग मशीन की मांग की। पीएमओ के निर्देश पर बुधवार को नई दिल्ली के पालमपुर एयरपोर्ट से हाई पावर ऑगर ड्रिलिंग मशीन के पार्ट्स को लेकर तीन हरक्यूलिस विमान चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर पहुंचे। यह हाई पावर ऑगर ड्रिलिंग मशीन 25 टन भरी है। जो मलबे को भेद कर स्टील पाइप दूसरी तरफ पहुंचने में मददगार साबित होगी।

नॉर्वे और थाईलैंड की विशेषज्ञ टीमों की मदद

सिल्क्यारा में मीडिया से बातचीत में एनएचआईडीसीएल के डायरेक्टर एवं सीएफओ अंशु मनीष खलको ने कहा कि हाई पावर ड्रिलिंग मशीन नई तकनीक की मशीन है। इस मशीन के जरिये उन्हें पूरी उम्मीद है कि एस्केप टनल तैयार हो जाएगी। इसके लिए प्लेटफार्म तैयार किया गया है। अंशी मनीष खलको ने बताया कि इंटरनेट मीडिया के जरिये नॉर्वे और थाईलैंड की विशेषज्ञ टीमों की मदद ली जा रही है। जिन विशेषज्ञों ने थाईलैंड की गुफा में फंसे बच्चों को बाहर निकालने में मदद की थी।

छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में प्रचार समाप्त, मतदान कल

एजेंसी

छत्तीसगढ़ में 70 सीटों पर और मध्य प्रदेश के सभी सीटों पर वोटिंग शुक्रवार को
मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन से उप मुख्यमंत्री टी.एस.सिंहदेव अंबिकापुर से लड़ रहें हैं चुनाव

नयी दिल्ली। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के दूसरे एवं आखिरी चरण की 70 विधानसभा सीटों पर बुधवार शाम पांच बजे प्रचार थम गया। प्रचार आम तौर पर शान्तिपूर्ण रहा और प्रचार के आखिरी दिन भी दोनो मुख्य दलों कांग्रेस एवं भाजपा के दिग्गज नेताओं ने सभाएं कर माहौल अपने पक्ष में बनाने की कोशिश की। वहीं मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जोरदार प्रचार अभियान बुधवार शाम को समाप्त हो गया। प्रदेश में चुनाव लड़ रहे दलों के नेता राज्य में घूम घूमकर जनसभाएं, रोड शो करते हुए आरोप-प्रत्यारोप और अपने उम्मीदवारों के लिए वोट मांगने के लिए कई वादे किये ।

छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण में कांग्रेस की तरफ से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,पूर्व पार्टी अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता राहुल गांधी,पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के अलावा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रचार की कमान संभाली और सभी ने ताबडतोड़ सभाएं की। पार्टी के हालांकि कई दिग्गज राज्य में प्रचार के लिए पहुंचे लेकिन वह प्रेस कान्फ्रेन्स या पार्टी बैठकों तक ही सीमित रहे।

मुख्य विपक्षी दल भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,गृह मंत्री अमित शाह,रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह,उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ,असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा सरमा,केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर,केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एवं पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डा.रमन सिंह ने ताबडतोड़ सभाएं की।

बसपा प्रमुख मायावती ने भी एक जनसभा को अपने आधार वाले क्षेत्र जांजगीर में सम्बोधित किया,जबकि आम आदमी पार्टी की तरफ से पार्टी प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ कुछ सभाएं की। प्रचार अभियान पूरी तरफ से शान्तिपूर्ण रहा और कहीं से भी इस दौरान किसी अप्रिय वारदात की सूचना नही मिली। द्वितीय चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं जिनमें 827 पुरूष, 130 महिला हैं।

इस चरण में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चुनाव क्षेत्र पाटन,उप मुख्यमंत्री टी.एस.सिंहदेव के चुनाव क्षेत्र अंबिकापुर, विधानसभा अध्यक्ष डा.चरणदास महंत के चुनाव क्षेत्र के सक्ती,भाजपा के प्रदेश अरूण साव के चुनाव क्षेत्र लोरमी,जनता कांग्रेस की अध्यक्ष डा.रेणु जोगी के चुनाव क्षेत्र कोटा,केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह के चुनाव क्षेत्र भरतपुर सोनहत में भी मतदान होगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद विण्णुदेव साय के चुनाव क्षेत्र कुनकुरी,विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल के चुनाव क्षेत्र जांजगीर में भी चुनाव होंगे।

उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम दो आतंकवादी ढेर

बारामूला। बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सुरक्षाबलों ने बुधवार को नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश करते हुए एक और आतंकी को मार गिराया है। इसके साथ ही मरने वाले आतंकियों की संख्या दो पहुंच गई है।

आतंकी खराब दृश्यता और खराब मौसम का फायदा उठाकर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। क्षेत्र में अन्य आतंकियों की संभावना के चलते सेना का अभियान अभी भी जारी है। सेना के एक बयान के अनुसार नियंत्रण रेखा के पार से भारी हथियारों से लैस आतंकियों के उड़ी सेक्टर में घुसपैठ का इनपुट खुफिया एजेंसियों से मिला था। इस पर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखा गया था। इसी दौरान सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक दल को घुसपैठ करते देखा, जिसके बाद जवानों ने उन्हें ललकारा तो आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दो आतंकियों को मार गिराया गया।

निवेशकों की संपत्ति 3.29 लाख करोड़ बढ़ी

एजेंसी

सेंसेक्स 742 अंक चढ़ा निफ्टी 232 अंक मजबूत

मुंबई। शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 742 की बड़ी बढ़त के साथ बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच अमेरिका में महंगाई के अनुकूल आंकड़ों के साथ घरेलू बाजारों में उछाल आया। अमेरिका में मुद्रास्फीति को लेकर रिपोर्ट उत्साहजनक होने से केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर में और वृद्धि नहीं करने की संभावना बढ़ी है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 742.06 अंक यानी 1.14 प्रतिशत उछलकर 65,675.93 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह एक समय 813.78 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 231.90 अंक यानी 1.19 प्रतिशत बढ़कर 19,675.45 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार में उछाल के साथ निवेशकों की संपत्ति बुधवार को 3.29 लाख करोड़ रुपये बढ़ी। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, विप्रो, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। नुकसान में रहने वाले शेयर बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड हैं। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, विप्रो, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। नुकसान में रहने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख था। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त में रहे थे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.78 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81.83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

पांच साल तक सैफ के साथ लिव-इन रिलेशनशिप रही थीं : करीना

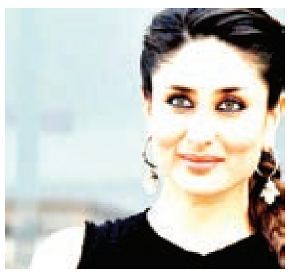

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर ने एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने अपनी लव लाइफ के बारे में खुलकर बात की और करीना ने खुलासा किया कि शादी से पहले वह 5 साल तक सैफ अली खान के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थीं। वर्ष 2004 में अभिनेता सैफ अली खान ने पूर्वाश्रमी की पत्नी अमृता सिंह को तलाक दे दिया। तीन साल बाद सैफ की जिंदगी में करीना आईं। वर्ष 2007 में फिल्म 'टशन' में काम करने के दौरान सैफ और करीना को प्यार हो गया और कुछ साल बाद उन्होंने शादी कर ली, लेकिन इससे पहले दोनों पांच साल तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे। करीना ने यह सभी बातें एक इंटरव्यू में कहीं। करीना कपूर ने कहा कि हमने शादी की क्योंकि हम एक बच्चा चाहते थे। हम पांच साल तक लिव-इन में रहे। फिर हमने अगला कदम उठाया।

दुबई एयर शो में पहली बार दिखा लड़ाकू विमानों का मॉडल

एजेंसी

▸▸ **नौसेना को लड़ाकू विमानों के चार प्रोटोटाइप विकास के लिए 14 हजार करोड़ रुपये**
▸▸ **आइएनएस विक्रांत के लिए विमान परियोजना को केंद्र से मंजूरी मिलने की उम्मीद बढ़ी**

नयी दिल्ली। दुबई एयर शो में पहली बार भारत के ट्विन इंजन डेक आधारित फाइटर (टीईडीबीएफ) का प्रभावशाली मॉडल पेश किया गया है। इसके बाद भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक आईएनएस विक्रांत पर तैनात होने वाले इस विमान की परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। रक्षा मंत्रालय नौसेना के लिए लड़ाकू विमानों के चार प्रोटोटाइप के विकास के लिए 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बजट को मंजूरी दे सकता है।

दुबई में 13 नवम्बर से शुरू हुए एयर शो में वायु सेना सारंग डिस्प्ले टीम और लड़ाकू विमानों के साथ भारत की आसमानी ताकत का प्रदर्शन कर रही है। दुबई एयर शो में अविश्वसनीय एरोबेटिक और युद्धाभ्यास करते हुए भारत का लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस अपने अंदाज में दुबई के लोगों और दुबई एयरशो के आगंतुकों को नमस्ते कह रहे हैं। इस मौके पर यहां लगाई गई प्रदर्शनी में भी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एलसीए तेजस को अपने स्टॉल में प्रदर्शित किया है। एलसीए की आसमानी ताकत देखकर कई देश तेजस के प्रति आकर्षित होकर अपनी रुचि दिखा रहे हैं।

इसी के साथ भारत ने दुबई एयर शो में पहली बार स्वदेशी विमानवाहक आईएनएस विक्रांत पर तैनात होने वाले टीईडीबीएफ का प्रभावशाली मॉडल पेश किया है। अभी तक नौसेना के लिए इस फाइटर जेट की परियोजना सिर्फ फाइलों में ही चल रही है, लेकिन अब इस विमान की परियोजना को केन्द्रीय कैबिनेट से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। रक्षा मंत्रालय दो इंजन वाले डेक-आधारित लड़ाकू विमानों के चार प्रोटोटाइप के विकास के लिए 14,000 करोड़ रुपये से अधिक के बजट को मंजूरी दे सकता है। डीआरडीओ के तहत एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी ने नौसैनिक लड़ाकू विमान के लिए डिजाइन तैयार की है।

इसी डिजाइन के मुताबिक एचएएल विमान के चार प्रोटोटाइप तैयार करेगा। नौसेना ने आईएनएस विक्रांत पर तैनात करने के लिए लगभग 60 विमानों की जरूरत बताई है। नौसेना इस परियोजना पर डीआरडीओ और वैमानिकी विकास एजेंसी के साथ काम कर रही है। टीईडीबीएफ का पहला प्रोटोटाइप 2026 के आसपास तैयार होने की संभावना है और इसका उत्पादन 2032 तक शुरू हो सकता है। नौसेना 43 पुराने रूसी फाइटर जेट मिग-29के और मिग-29के यूबी को अपने बेड़े से हटाना चाहती है। फिलहाल नौसेना के लिए टीईडीबीएफ का विकास अभी भी एक दशक दूर है, इसलिए नौसेना विकल्प के तौर पर फ्रांस से 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान खरीदने के लिए बातचीत आगे बढ़ा रही है। नौसेना का मानना है कि राफेल-एम फिलहाल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है।

नौसेना की जरूरत पूरी करने के लिए एक ऐसा फाइटर जेट देश में बनने जा रहा है, जिसके आने से निगरानी, सर्विलांस, जासूसी और घातक हमला करना आसान हो जाएगा।

VERMA PRESS
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं–

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar – II	₹ 120	English Grammar – II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!